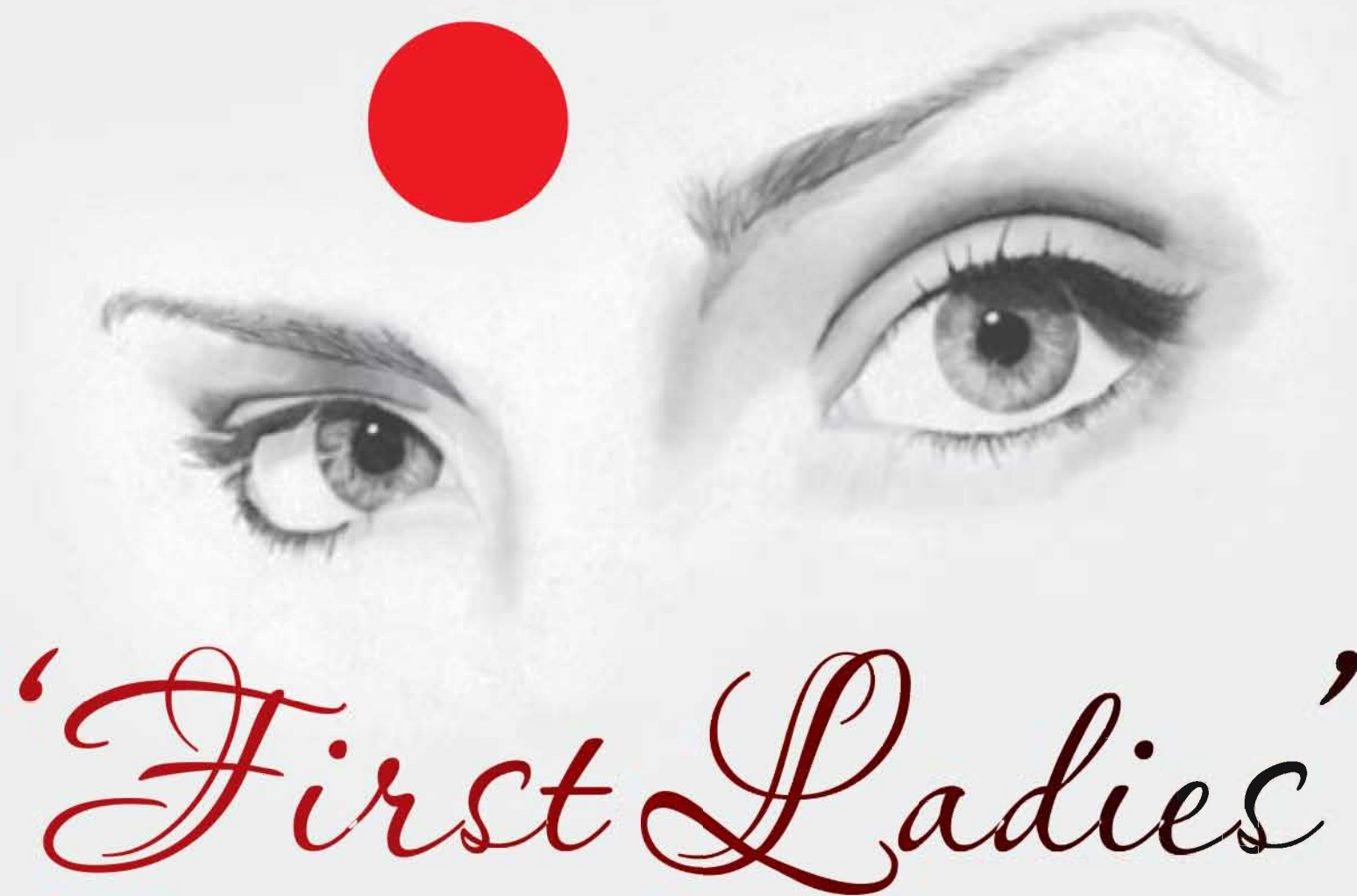




Ministry of Women
and Child Development





Smt. Maneka Sanjay Gandhi



Minister
Ministry of Women & Child Development
Government of India
New Delhi - 110001

MESSAGE

Women of our nation possess the strength, grit and perseverance to rise above barriers and take challenges head-on. Renewing our solemn spirit of Empowered Nari, the Ministry of Women and Child Development conceptualised 'First Ladies'. Through the event, we salute the undying fortitude of our women stalwarts who were the first to make a mark in their respective fields.

Women have been venturing into the unexplored sectors and proving that only talent and grit is a marker to distinguish them, not their gender. 'First Ladies' comes as the second leg of the '100 Women Achievers' campaign of the Ministry. This unprecedented event reflects the transformed status of women in India over the past few decades.

Women have undoubtedly broken the glass ceiling in unusual areas and by felicitating these women who were first to do so, the Ministry aims to encourage and motivate other women to adopt non-traditional sectors of working and make a mark in the same.

This recognition is a part of the Beti Bachao Beti Padhao programme which has been envisioned by the Honourable Prime Minister, Shri Narendra Modi ji. The movement has become a formidable antidote to India's gender disparity and has been a landmark in bringing about a mindset change. Through the 'First Ladies' event, we refurbish our pledge to provide equal opportunities and make women an integral part of our journey towards development.

I extend my sincere congratulations to the 'First Ladies' and wish them success in all their future endeavours.

(Smt. Maneka Sanjay Gandhi)





'First Ladies'

This is an era of quantum leaps in development, especially in the status of women in Indian society. Keeping up with the solemn spirit of Empowered Nari, the Ministry of Women and Child Development proudly presents to you the 'First Ladies'. It is an event that gives a new meaning to the term 'First Ladies'. The event will commemorate the achievements of women, who rose through barriers, set standards in society and did not succumb to oppressive notions, becoming the first women to excel in the fields which were thought to be beyond them.

The Ministry endeavors to cultivate a culture where women can pursue their dreams. This unprecedented event reflects the transformed status of women in India over the past few decades. It establishes the unabated standing of the Government in promoting equality for women in the Indian society.

'First Ladies' marks the second leg of the '100 Women Achievers' event by the Ministry. It is one of the several innovative initiatives like the 'All India Women Journalists' Workshops, 'Agents of Change' and the 'Women of India Festivals', undertaken by the Ministry to empower women from all walks of life with unprecedented platforms of growth & recognition.

यह युग विशेषरूप से भारतीय समाज में महिलाओं की स्थिति में बहुत बड़े परिवर्तन का युग है। सशक्त नारी के प्रति पूरे सम्मान की भावना के साथ महिला एवं बाल विकास मंत्रालय आपके समक्ष 'प्रथम महिलाएं' नामक प्रकाशन प्रस्तुत कर रहा है जो प्रथम महिलाएं शब्द को सार्थकता प्रदान करता है। प्रथम महिलाएं ऐसी असाधारण महिलाएं हैं जिन्होंने बाधाओं और विषादजनक धारणाओं को पार किया और उस क्षेत्र में उत्कृष्ट प्रदर्शन करके प्रथम महिला बनी जो उनके लिए असंभव माना जाता था।

मंत्रालय एक ऐसी संस्कृति को विकसित करने का प्रयास करता है जहां महिलाएं अपने सपनों को पूरा कर सकती हैं। यह अभूतपूर्व घटना पिछले कुछ दशकों से भारत में महिलाओं की परिवर्तित स्थिति को दर्शाती है। यह भारतीय समाज में महिलाओं के लिए समानता को बढ़ावा देने के लिए सरकार द्वारा किये जा रहे प्रयासों को दर्शाता है।

प्रथम महिला सम्मान मंत्रालय द्वारा '100 लक्ष्य प्राप्तकर्ता महिलाएं' कार्यक्रम के दूसरे चरण का प्रतीक हैं। यह विकास और पहचान के अनूठे मंच के साथ जीवन के समस्त क्षेत्रों में महिलाओं को सशक्त बनाने हेतु मंत्रालय द्वारा किये गए अखिल भारतीय महिला पत्रकार कार्यशाला, परिवर्तन की वाहक और भारतीय महिला उत्सव जैसे अनेक अभिनव कार्यक्रमों में से एक है।



Bachendri Pal

First Indian woman to reach the Mount Everest summit

Bachendri Pal is the first Indian legendary woman mountaineer who reached the Mount Everest summit in 1984. Her name is listed in the Guinness Book of World Records for her achievement. The expedition had 6 women and 11 men and she was the only woman in her group to continue the climb and reached the summit on May 23, 1984 at 1:07 pm. Thereafter, she headed several expeditions in 1993, 1994 and 1997 with a team comprising of all-women namely Indo-Nepalese Women's Mount Everest Expedition, the Great Indian Women's Rafting Voyage and First Indian Women Trans-Himalayan Expedition. She has been conferred with the Padma Shri in 1984 and has also been awarded the National Adventure Award by the Government of India in 1994.

बछेन्द्री पाल

माउंट एवरेस्ट के शिखर पर पहुंचने वाली पहली भारतीय महिला

1984 में माउंट एवरेस्ट के शिखर पर पहुंचने वाली पहली भारतीय महिला हैं। वर्ष 1990 में उनकी उपलब्धियों के लिए गिनीज बुक ऑफ वर्ल्ड रिकार्ड में उनका नाम दर्ज किया गया। अभियान में 06 महिलाएं और 11 पुरुष थे और अपने समूह में आरोहण जारी रखने वाली और 23 मई को अपरान्ह 1.07 बजे शिखर पर पहुंचने वाली वह अकेली महिला थीं। तत्पश्चात उन्होंने 1993, 1994 और 1997 में सभी महिलाओं से युक्त टीम के साथ इंडो-नेपाली महिला माउंट एवरेस्ट एक्सपीडीशन अभियान दि ग्रेट इंडियन वूमेन्स राफ्टिंग वोजेज और पहली भारतीय महिला ट्रांस हिमालयन नामक कई अभियानों की अगुवाई की। भारत सरकार द्वारा सन 1994 में राष्ट्रीय साहसिक कार्य पुरस्कार से भी पुरस्कृत किया गया।





Deepa Malik

First woman to win a medal at the Paralympics

An eminent sports personality, Padma Shri and Arjuna awardee, Smt. Deepa Malik is India's first female para-athlete to win a medal at the Paralympics (Rio, 2016). She has to her credit Asian record in the Javelin throw for five consecutive years. She is also the first Indian paraplegic open-water swimmer, who swam across the Yamuna, a biker and a celebrated car rallyist who became the first Indian with paraplegia to hold an FMSCI (Federation Motor Sports Club of India) rally license & participate in the Raid de Himalaya, the highest rally raid in the world. Limca Book of Records recognises her for four distinctions in Adventure Sports.

दीपा मलिक

पैरालिम्पिक्स में पदक जीतने वाली पहली भारतीय महिला

सुप्रसिद्ध खेल व्यक्तित्व, पदमश्री और अर्जुन पुरस्कार विजेता दीपा मलिक भारत की पहली महिला पैरा-एथलीट हैं। जिन्होंने पैरा ओलम्पिक (रियो 2016) में पदक जीता और लगातार 5 वर्षों तक जैवलिन थ्रो (भाला फेंकने) में एशिया का रिकार्ड बनाए रखा। वह पहली भारतीय पैराप्लेजिक ओपन – वाटर तैराक थीं जिन्होंने पूरी यमुना को तैर कर पार किया, एक बाइकर और विख्यात कार रैलीस्ट, (कार-प्रतियोगी) थीं जो नीचे के अंगों के पक्षाघात सहित एफएमएससीआई (फेडरेशन मोटर स्पोर्ट्स क्लब ऑफ इंडिया) रैली लाइसेंस धारक पहली भारतीय बनी और दि हिमालय, विश्व के सर्वोच्च रैलीरेड में भाग लिया। एडवेंचर स्पोर्ट्स में 4 प्रमुख विशिष्टताओं के लिए लिम्का बुक ऑफ रिकार्ड में उनका नाम दर्ज हुआ।





Priya Jhingan

First Lady Cadet to join Indian Army

Major Priya Jhingan is the first woman to join the Indian Army in 1992. She hails from Shimla and wrote to the Chief of Army Staff to induct women into the Indian Army back in 1988. She joined Officers Training Academy, Chennai in September 1992. A silver medallist, she was commissioned into the Judge Advocates General Department on March 06, 1993. Priya is an experienced trek leader and a qualified skier too.

प्रिया झिंगन

भारतीय थल सेना में शामिल होने वाली पहली महिला कैडेट

मेजर प्रिया झिंगन 1992 में भारतीय थल सेना में शामिल होने वाली पहली महिला हैं। आपका जन्म 01 फरवरी, 1968 को शिमला में हुआ है। आपने 1988 में भारतीय थल सेना में महिलाओं को शामिल करने हेतु थल सेना अध्यक्ष को पत्र लिखने की पहल की। आपने सितम्बर, 1992 में अधिकारी प्रशिक्षण अकादमी, चेन्नई ज्वाइन की। अधिकारी प्रशिक्षण अकादमी में अपने पाठ्यक्रम में रजत पदक प्राप्त करने वाली प्रिया झिंगन ने 06 मार्च, 1993 को न्यायाधीश वकील, सामान्य विभाग में कमीशन प्राप्त किया। प्रिया एक अनुभवी ट्रेक लीडर तथा क्वालिफाइड स्कीयर हैं।





P.V. Sindhu

First Indian woman to win an Olympic silver medal

Pusarla Venkata Sindhu took her game to the global league, when she became the first Indian sportswoman to win silver in badminton and reached the finals in the 2016 Olympics. She is currently world no. 2 in the BWF World Ranking. She won the All England Open Badminton Championship in 2001. She has also secured her career-best rank, after winning the India Open Superseries, held in April 2017.

पी.वी. सिंधु

ओलम्पिक रजत पदक जीतने वाली पहली भारतीय महिला

पुसरला वेंकट सिंधु – शटलर ने अपने खेल को उस समय ग्लोबल लीग तक पहुंचाया जब आप बैडमिंटन में रजत पदक जीतने वाली पहली भारतीय महिला खिलाड़ी बनीं और 2016 में ओलम्पिक के फाइनल में पहुंची। फाइनल में सिंधु ने स्पेन की नम्बर 1 खिलाड़ी कैरोलीना मैरिन को कड़ी टक्कर दी। आप इस समय बीडब्ल्यूएफ की विश्व रैंकिंग में नम्बर 2 पर हैं। आपने 08 साल की छोटी सी उम्र में बैडमिंटन खेलना आरंभ किया और 2001 में आल इंडिया ओपन बैडमिंटन चैम्पियनशिप जीती। इसके बाद 02 अप्रैल, 2017 को आयोजित इंडिया ओपन सुपर सिरीज में जीत हासिल करने के बाद आपने अपने करियर की सबसे अच्छी रैंक हासिल की।



Ayesha Aziz

The youngest pilot in India and the first female pilot from Kashmir

Ayesha Aziz, at a tender age of 16 received her student license to fly in 2011. She flew a MIG-29 fighter jet at Russia's Sokul airbase and Cessna 172R in January 2012. She graduated in Aviation from the Bombay Flying Club in 2016 and received her Commercial Pilot Licence (CPL). She has flown single-engine aircraft for 200 hours during her training. She currently pilots single engine Cessna 152 and Cessna 172.

आयशा अजीज

भारत में सबसे कम उम्र की पायलट तथा कश्मीर से पहली महिला पायलट

16 साल की आयु में आयशा अजीज ने 2011 में विमान उड़ाने के लिए अपना स्टूडेंट लाइसेंस प्राप्त किया। आज 20 साल की आयशा भारत की सबसे युवा पायलट हैं तथा कश्मीर से ऐसा करने वाली पहली महिला हैं। आपने जनवरी, 2012 में रूस के सोकुल एयरबेस पर मिग 29 फाइटर और सेसना 172आर उड़ाया। आपने 2016 में बॉम्बे फ्लाईंग क्लब से एविएशन में ग्रेजुएशन किया है तथा अपना वाणिज्यिक पायलट लाइसेंस (सीपीएल) प्राप्त किया है। आपने अपने प्रशिक्षण के लिए 200 घंटे तक एकल इंजन वाला एयरक्राफ्ट उड़ाया है।





Nicole Faria

First Indian woman to win the Miss Earth title

Nicole Faria has her roots in Bangalore and has won the coveted title of Miss Earth in 2010. She is the first woman from India to win the title of Miss Earth. Nicole has featured on many magazine covers. She has made significant contribution in spreading awareness about the detrimental effect of pollution on Rabindra Sarovar Lakes.

निकोल फारिया

मिस अर्थ की पदवी जीतने वाली पहली भारतीय महिला

निकोल फारिया मिस इंडिया साउथ, मिस इंडिया अर्थ की विजेता होने के साथ ही 2010 में वियतनाम में मिस अर्थ (एक अंतरराष्ट्रीय मशहूर ब्यूटी पैजेंट) जीतने वाली भारत से पहली और एकमात्र महिला हैं। निकोल की तस्वीरें अनेक पत्रिकाओं में छपी हैं। निकोल ने रविंद्र सरोवर लेक में हो रहे प्रदूषण को लेकर लोगों में जागरूकता अभियान चलाया।



Radhika Menon

India's first female Merchant Navy Captain

She is regarded as India's first female master mariner. Captain Radhika Menon got her first command in the year 2012, when she assumed the post of radio officer with Shipping Corporation of India Ltd. She made India proud by winning the top international bravery award by the International Maritime Organisation (IMO) for 'Exceptional Bravery at Sea 2016'.

Her display of great determination and courage in rescuing seven fishermen from the sinking boat 'Durgamma' made her a household name back then.

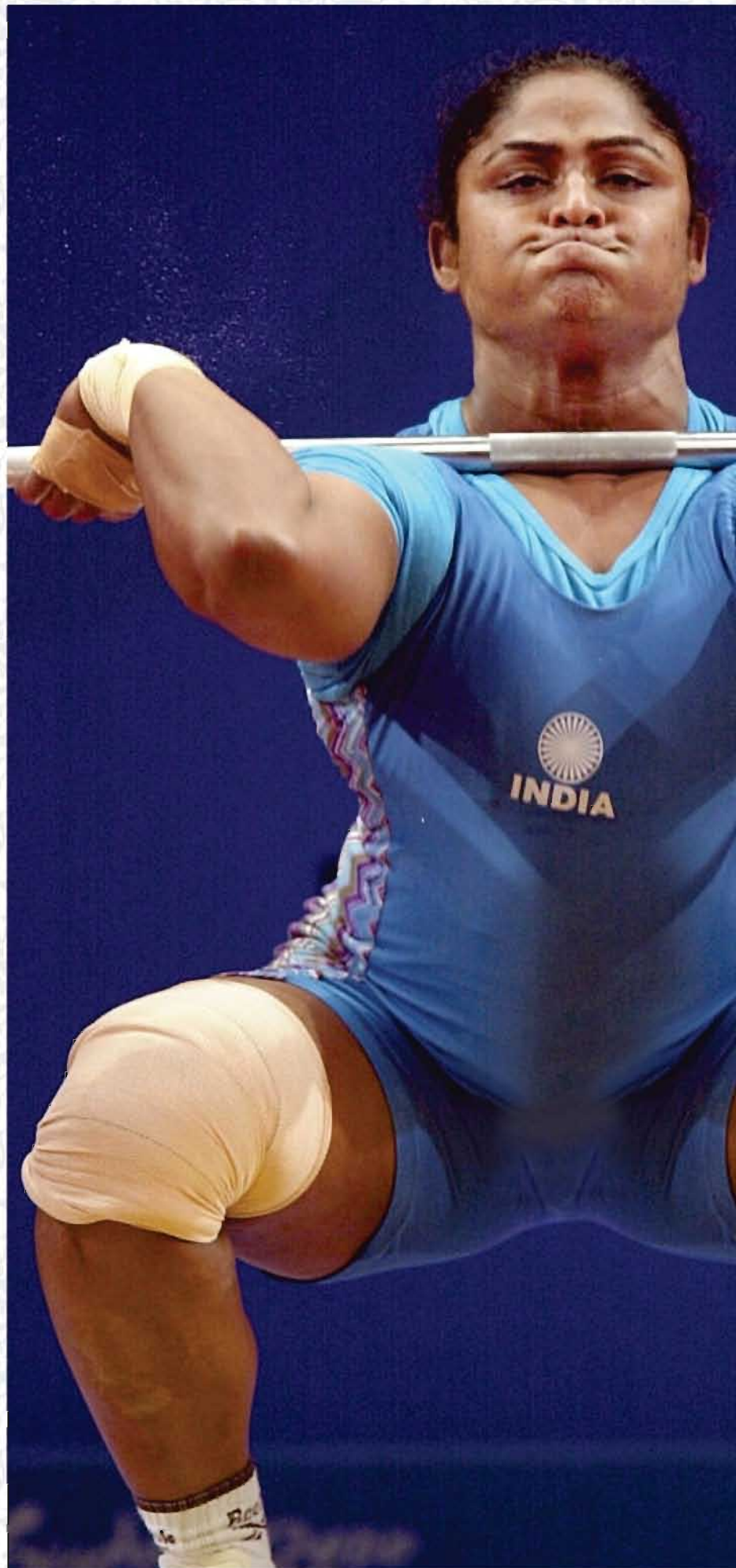
राधिका मेनन

भारत की पहली महिला मर्चेन्ट नेवी कैप्टन

पहली महिला रेडियो अधिकारी तथा भारत की पहली महिला मास्टर मरीनर कैप्टन राधिका मेनन ने वर्ष 2012 में अपना पहला कमांड प्राप्त किया तथा शिपिंग कार्पोरेशन इंडिया लिमिटेड में सेवा की। आप 'समुद्र में असाधारण बहादुरी 2016' के लिए इंटरनेशनल मैरीटाइम आर्गेनाइजेशन पुरस्कार प्राप्त करने वाली विश्व में पहली महिला हैं।

कैप्टन राधिका मेनन को भारत सरकार द्वारा दुर्गम्मा बचाव कार्य की अगुवाई करने में उनके दृढ़ निश्चय और साहस के कारण नामित किया गया। दुर्गम्मा नामक एक डूबती नाव से 07 मछुआरों को बचाने में उनके दृढ़ निश्चय और साहस के लिए इंटरनेशनल मैरीटाइम आर्गेनाइजेशन द्वारा आपको "समुद्र में असाधारण बहादुरी के लिए आईएमओ पुरस्कार, 2016" से पुरस्कृत किया गया।





Karnam Malleswari

First Indian weightlifter to win an Olympic medal.

Karnam Malleswari is the first woman Olympic medallist in weightlifting who represented India. She is famously known as the Iron Lady of India. Malleswari won the world title in the 54 kg category in 1994 and 1995 and was placed third in 1993 and 1996. In 2000 Sydney Olympics, she lifted 110 kg in the 'Snatch' and 130 kg in 'Clean and Jerk' for a total lift of 240 kg.

She was honoured with Rajiv Gandhi Khel Ratna in 1995 and received Padma Shri Award in 1999. In a career span of almost a decade and half, Karnam Malleswari has bagged 41 Gold medals, 15 Silver medals, 8 Bronze medals, including 1 Olympic Bronze medal and 6 national records.

कर्णम मल्लेश्वरी

ओलम्पिक पदक जीतने वाली पहली भारतीय महिला

कर्णम मल्लेश्वरी वेट लिफ्टिंग में भारत का प्रतिनिधित्व करने वाली पहली महिला ओलम्पिक पदक विजेता हैं। आपका ओलम्पिक पदक महिला एथलिटों द्वारा भारतीय ओलम्पिक के इतिहास में चार पदकों की प्रेरणा का स्रोत बना। भारत की आयर्न लेडी के रूप में विख्यात मल्लेश्वरी ने सिडनी ओलम्पिक 2000 में स्नेच में 110 किलो और क्लीन में 130 किलो वजन उठाया और इस प्रकार कुल मिलाकर 240 किलो वजन उठाया।

लगभग डेढ़ दशक के अपने करियर में कर्णम मल्लेश्वरी ने एक ओलम्पिक कांस्य पदक तथा 6 राष्ट्रीय रिकार्डों सहित 41 स्वर्ण पदक, 15 रजत पदक तथा 08 कांस्य पदक जीते हैं।



Surekha Yadav

First Indian Woman Train Driver of Passenger Train

Surekha became India's first female passenger train driver in 1988. The Indian Railways, a traditionally male-dominated industry, had finally opened its doors to women. The most defining moment of her career was Women's Day on March 8, 2011, when she was named Asia's first woman train driver to run the Deccan Queen from Pune to Chhatrapati Shivaji Terminus railway station (CST), one of the most difficult rail routes. She won series of awards including Jijau Puraskar (1998) Women Achievers Award (2001), Sahyadri Hirkani award (2004), Prerna Puraskar (2005), Sarathi Award by Red Swasthik etc.

सुरेखा यादव

यात्री ट्रेन की पहली भारतीय महिला ट्रेन ड्राइवर

सुरेखा का जन्म 02 सितम्बर, 1965 को सतारा, महाराष्ट्र में हुआ। आपने पश्चिमी महाराष्ट्र के सतारा जिले के कराड स्थित राजकीय पॉलीटेक्निक से इलैक्ट्रिक इंजीनियरिंग में डिप्लोमा की पढ़ाई की। आपने कल्याण प्रशिक्षण विद्यालय में 1986 में प्रशिक्षणार्थी सहायक ड्राइवर के रूप में मध्य रेलवे ज्वाईन किया और 1989 में नियमित ड्राइवर बने। आपके करियर का सबसे रोचक क्षण 08 मार्च, 2011 को महिला दिवस था, जब आपको पुणे से छत्रपति शिवाजी टर्मिनस रेलवे स्टेशन (सीएसटी), जो सबसे कठिन रेल मार्गों में से एक है, तक डेक्कन क्विन चलाने के लिए एशिया की पहली भारतीय ट्रेन ड्राइवर के रूप में नामित किया गया। आपने अनेक पुरस्कार जीते हैं जिसमें जिजाउ पुरस्कार (1998), वूमन अचीवर्स पुरस्कार (2001), सहयाद्री हिरकणी पुरस्कार (2004), प्रेरणा पुरस्कार (2005), रेड स्वास्तिक द्वारा सारथी पुरस्कार आदि शामिल हैं।





Heena Sidhu

First woman to win Gold in World Cup Shooting

Shooter Heena Sidhu has a terrific record of wins to her credit. Sidhu won gold in the women's 10m air pistol event at the Commonwealth Shooting Championships. Sidhu's pairing with Jitu Rai at the ISSF World Cup final in New Delhi won a Gold for India. She won Bronze in the women's 10 air pistol event at the Grand Prix of Liberation Plaza Shooting Championships as well. Sidhu was conferred the Arjuna Award in 2014.

हीना सिद्धू

वर्ल्डकप शूटिंग में गोल्ड जीतने वाली पहली महिला

हीना सिद्धू अभी तक अजेय रिकार्ड के साथ पूर्व में विश्व की नम्बर 1 (2014 में) खिलाड़ी, अर्जुन पुरस्कार विजेता (2014) दो बार ओलम्पियन, लंदन ओलम्पिक (2012), रियो ओलम्पिक (2016) की प्रतिभागी, और रीनिंग एशियन चैंपियन हैं। आपने 2015 में कुवैत में एशियाई शूटिंग चैंपियनशिप में स्वर्ण पदक जीता। आपने 2010 में नई दिल्ली में आयोजित राष्ट्र मंडल खेल में स्वर्ण एवं रजत पदक जीता। आप 2010 और 2014 के दो लगातार एशियाई खेल की कांस्य पदक विजेता भी हैं तथा आपने विश्व कप में अनेक पदक जीते हैं जिसमें वर्ल्डकप फाइनल म्यूनिख में 2013 में वर्ल्ड रिकार्ड के साथ स्वर्ण पदक शामिल है।



Sunil Dabas

First Woman Kabaddi Coach to win Dronacharya Award.

Sunil Dabas has been the coach of National Female Kabaddi team since 2005. Under her guidance, the team has won seven gold medals in International championships. She was awarded the Dronacharya Award in 2012 and Padma Shri in 2014 by Government of India. In 2014, Government of Haryana felicitated her with the Sports Women Achiever Award also.

सुनील डबास

द्रोणाचार्य पुरस्कार जीतने वाली पहली महिला कबड्डी कोच

सुनील डबास का जन्म मोहम्मदपुर माजरा, जिला झज्जर, हरियाणा में हुआ। आपने द्रोणाचार्य पुरस्कार, 2012 जीता जो स्पोर्ट्स में कोचिंग के क्षेत्र में उत्कृष्टता के लिए माननीय राष्ट्रपति द्वारा दिया जाने वाला सर्वोच्च पुरस्कार है। आप भारतीय कबड्डी में द्रोणाचार्य पुरस्कार, 2012 प्राप्त करने वाली पहली महिला कोच बनीं। 2014 में हरियाणा सरकार ने आपको स्पोर्ट्स वूमन अचीवर्स पुरस्कार से नवाजा। आपको 2014 में पद्मश्री पुरस्कार प्रदान किया गया। इस प्रकार, आप अब तक की भारत की पहली और एकमात्र महिला हैं जिनको भारत के माननीय राष्ट्रपति से द्रोणाचार्य पुरस्कार और पद्मश्री पुरस्कार दोनों प्राप्त हुए हैं। इसके लिए आपका नाम प्रतिष्ठित लिम्का बुक ऑफ रिकार्ड्स 2016 में शामिल किया गया।





Bhagyashree Thipsay

First woman to win International Grand Master - Chess

Bhagyashree Thipsay won National Women's Chess Championship five times (1985, 1986, 1988, 1991 and 1994) and the Asian Women's Championship in 1991. She won Gold in Commonwealth Women Chess in 1999 and Silver in 1991, 1994 and 2001. She has also won Gold in Asian Zonal Chess in 1993 and 1995. She has represented India in nine Chess Olympiads. She won the title of International Woman Master by FIDE in 1986. Thipsay is also a recipient of Padmashree and Arjuna Award in 1987 and Maharashtra Gaurav Puraskar in 1990.

भाग्यश्री थिप्से

शतरंज में अंतरराष्ट्रीय ग्रैंड मास्टर पुरस्कार जीतने वाली पहली महिला

भाग्यश्री थिप्से ने 5 बार राष्ट्रीय महिला शतरंज चैम्पियनशिप जीती है। आपने 1991 में एशियाई महिला शतरंज में स्वर्णपदक और 1996 में रजत पदक जीता। आपने राष्ट्रमंडल महिला शतरंज में 1999 में स्वर्ण पदक और 1991, 1994 एवं 2001 में रजत पदक जीता। आपने 1993 और 1995 में एशियाई क्षेत्रीय शतरंज में भी स्वर्ण पदक जीता। भाग्यश्री ने 09 बार चेस ओलम्पियाड में भारत का प्रतिनिधित्व किया है। आप 1986 में महिला ग्रैंड मास्टर का नाम बनाने वाली पहली महिला हैं। आपने 1986 में एफआईडीई द्वारा इंटरनेशनल वूमन मास्टर की पदवी जीती। थिप्से को 1987 में पदमश्री एवं अर्जुन पुरस्कार और 1990 में महाराष्ट्र गौरव पुरस्कार से भी पुरस्कृत किया गया है।



Flying Officer Bhawana Kanth

IAF's first batch of female fighter pilots

Supported by parents, Bhawana Kanth scripted IAF history by becoming a first female fighter pilot. She flew Pilatus PC-7 Mk II and Kiran, before being commissioned into the fighter stream in June, 2016 as one of the first batch of three women officers who were selected for training as fighter pilots. Having completed one semester of training on the Hawk Advanced Jet Trainer, she is currently in the final stages of the Applied phase of training. She will be placed in the Frontline Fighter Squadron of the IAF shortly.

फ्लाईंग ऑफिसर भावना कान्त

भारतीय वायु सेना के महिला फाइटर पायलट का पहला बैच

फ्लाईंग ऑफिसर भावना कान्त का जन्म 01 दिसम्बर, 1992 को हुआ तथा आप दरभंगा, बिहार से हैं। आपने बीएमएस कॉलेज ऑफ इंजीनियरिंग, बेंगलूर से मैडिकल इलेक्ट्रॉनिक्स में बैचलर डिग्री प्राप्त की है।

आपने जनवरी, 2015 में आईएफ ट्रेनिंग ज्वाइन की और उसके बाद तीन महिला अधिकारियों जिनको फाइटर पायलट के रूप में प्रशिक्षण के लिए चुना गया। फाइटर स्ट्रीम में कमीशन प्राप्त करने से पूर्व आपने पिलैटस पीसी-7 एमके II, एसी और किरण एसी की रैंक हासिल की। हाक एडवांस् जेट ट्रेनर पर प्रशिक्षण का एक सेमिस्टर पूरा कर लेने के बाद इस समय आप आईएफ के फ्रंटलाइन फाइटर स्क्वाड्रन में पदास्थापित होने से पूर्व प्रशिक्षण के अनुप्रयुक्त चरण के अंतिम चरण में हैं।





Flying Officer Avani Chaturvedi

IAF's first batch of female fighter pilots

Her flying experience in the flying club of her college inspired her to join IAF. Flying Officer, Avani Chaturvedi hails from Rewa, Madhya Pradesh. She joined IAF training in January 2015 and has since then flown the Pilatus PC-7 Mk II and Kiran, before being commissioned into the fighter stream in June, 2016 as one of the first batch of three women officers who were selected for training as fighter pilots. She has successfully completed one semester of training on the Hawk Advanced Jet Trainer and will be placed in the Frontline Fighter Squadron of the IAF shortly.

फ्लाईंग ऑफिसर अवनी चतुर्वेदी

भारतीय वायु सेना के महिला फाइटर पायलट का पहला बैच

फ्लाईंग ऑफिसर अवनी चतुर्वेदी रीवा, मध्य प्रदेश से हैं। आपने बनस्थली विश्वविद्यालय, जयपुर से सीएसई में बीटेक किया है। आपने जनवरी, 2015 में आईएफ ट्रेनिंग ज्वॉइन की और उसके बाद तीन महिला अधिकारियों जिनको फाइटर पायलट के रूप में प्रशिक्षण के लिए चुना गया। फाइटर स्ट्रीम में कमीशन प्राप्त करने से पूर्व आपने पिलैटस पीसी-7 एमके II। एसी और किरण एसी की रैंक हासिल की। हाक एडवांस् जेट ट्रेनर पर प्रशिक्षण का एक सेमिस्टर पूरा कर लेने के बाद इस समय आप आईएफ के फ्रंटलाइन फाइटर स्क्वाड्रन ज्वॉइन करने के लिए तैयार होने से पूर्व प्रशिक्षण के अनुप्रयुक्त चरण के अंतिम चरण में हैं। फ्लाईंग ऑफिसर अवनी चतुर्वेदी एक जिज्ञासु पाठक हैं तथा तकनीकी विषयों एवं विमानन में उनके प्रयोग में गहरी रुचि लेती हैं।



Flying Officer Mohana Singh

IAF's first batch of female fighter pilots

With a father presently serving in IAF and grandfather who was a flight gunner in the Aviation Research Centre, it came as no surprise that Mohana Singh, from Jhunjhunu in Rajasthan, joined the IAF and opted for the fighter stream. She joined IAF training in January 2015 and has since then flown the Pilatus PC-7 Mk II and Kiran, before being commissioned into the fighter stream in June, 2016 as one of the first batch of three women officers who were selected for training as fighter pilots. Having completed one semester of training on the Hawk Advanced Jet Trainer, she will be placed in the Frontline Fighter Squadron of the IAF.

फ्लाईंग ऑफिसर मोहना सिंह

भारतीय वायु सेना के महिला फाइटर पायलट का पहला बैच

फ्लाईंग ऑफिसर मोहना सिंह झुंझुनू, राजस्थान से हैं। आपने ईसीई में बीटेक किया है। आपने जनवरी, 2015 में आईएफ ट्रेनिंग ज्वॉइन की और उसके बाद तीन महिला अधिकारियों जिनको फाइटर पायलट के रूप में प्रशिक्षण के लिए चुना गया। फाइटर स्ट्रीम में कमीशन प्राप्त करने से पूर्व आपने पिलैटस पीसी-7 एमके II।। एसी और किरण एसी की रैंक हासिल की। हाक एडवांस् जेट ट्रेनर पर प्रशिक्षण का एक सेमिस्टर पूरा कर लेने के बाद इस समय आप आईएफ के फ्रंटलाइन फाइटर स्क्वाड्रन के रूप में पदस्थापित होने से पूर्व प्रशिक्षण के अनुप्रयुक्त चरण के अंतिम चरण में हैं। फ्लाईंग ऑफिसर मोहना सिंह खेल और आउटडोर की गतिविधियों में सक्रियता से भाग लेती हैं।





Anshu Jamsenpa

First Indian woman to scale Mt. Everest for fifth time

Anshu Jamsenpa, hails from Bomdila, a remote border town in Arunachal Pradesh. She has created two world records and one National record in the field of mountaineering. She had her first attempt in 2011, when she conquered the 29,029 ft peak twice in 10 days between May 12th and May 21st. Her third successful attempt was on May 18, 2013. She unfurled the national flag for the fourth time in May 2017 and was successful in her double ascent attempt to climb the world's highest peak.

अंशु जमसेनपा

5वीं बार माउंट एवरेस्ट पर चढ़ाई करने वाली प्रथम भारतीय महिला

अरुणाचल प्रदेश में दूरदराज के एक कस्बे – बोमडिला की रहने वाली अंशु जमसेनपा ने मई, 2017 में पर्वतारोहण के क्षेत्र में दो विश्व रिकार्ड और एक राष्ट्रीय रिकार्ड बनाया। पांच दिन में दो बार माउंट एवरेस्ट की शिखर पर पहुंचने वाली आप विश्व की सबसे तेज महिला पर्वतारोही हैं। आप माउंट एवरेस्ट का दो दोहरा पर्वतारोहण करने वाली विश्व की पहली महिला तथा पांच बार माउंट एवरेस्ट की चोटी पर पहुंचने वाली विश्व की पहली भारतीय महिला हैं।

उनके पिछले पर्वतारोहण अभियान को 02 अप्रैल, 2017 को गुवाहाटी से महामहिम दलाईलामा द्वारा झंडी दिखाकर रवाना किया गया। इसके सफलतापूर्वक पूरा हो जाने के बाद आपके अभियान को 05 जून, 2017 को नई दिल्ली में माननीय प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी द्वारा झंडी दिखाकर रवाना किया गया।



Anju Mangla

First woman Superintendent in Tihar Men's Jail

Anju Mangla is an epitome of valour, who has the ability to influence positive outcomes with maximum impact. She has been working with the Prison Department since October, 2013 as the Superintendent of Prison, women jail, Tihar and took charge of the jail for men in July, 2016. She recently received the DG's Commendation Disc for her outstanding contribution to the reformatory and rehabilitative activities in the prison. She has initiated a Gurukul system of education, in the premises of jail, which includes daily sessions of PT and Yoga, Literacy classes, Skill Development programs, Sports and Recreational activities and a program to tackle the menace of Drug abuse.

अंजु मंगला

तिहाड़ पुरुष जेल में पहली महिला अधीक्षक

अंजु मांगला कारावास अधीक्षक, महिला जेल, तिहाड़ के रूप में अक्टूबर, 2013 से कारावास विभाग में काम कर रही हैं और जुलाई, 2016 से युवा अपराधियों के पुरुष जेल का प्रभार ग्रहण किया। आपने हाल ही में कारावास में सुधार और पुनर्वास की गतिविधियों में उत्कृष्ट योगदान के लिए डीजी डिस्क प्राप्त किया। आपने शिक्षा की गुरुकुल पद्धति शुरू की जिसमें पीटी एवं योग के दैनिक सत्र, साक्षरता की कक्षाएं, कौशल विकास कार्यक्रम, खेल एवं मनोरंजन की गतिविधियां, ड्रग दुरुपयोग की समस्या से निपटने के लिए कार्यक्रम आदि शामिल हैं।





Chhavi Rajawat

India's first woman Sarpanch with a MBA Degree

She is leading from the front and is an inspiration to many. Dr. Chhavi Rajawat, an alumna of Lady Sri Ram College is the Sarpanch/elected head of the Village Council of Soda, located in the District of Tonk, Rajasthan. She has a MBA degree from Pune and aims to make 'Soda' a model village by pursuing an integrated, sustainable, gender-balanced development that can easily be replicated in other villages.

छवि राजावत

एमबीए की डिग्री वाली भारत की पहली महिला सरपंच

लेडी श्रीराम कॉलेज से स्नातक और पुणे से एमबीए की डिग्री प्राप्त करने वाली डॉ० छवि राजावत राजस्थान के टोंक जिले में स्थित सोडा ग्राम परिषद की सरपंच हैं। आप पहली बार फरवरी, 2010 में सरपंच चुनी गईं और फिर फरवरी, 2015 में दूसरी बार सरपंच चुनी गईं। सरपंच राजावत का उद्देश्य एकीकृत, संपोषणीय, लैंगिक दृष्टि से संतुलित विकास के माध्यम से सोडा को एक माडल गांव बनाना है जिसकी अन्य गांवों में पुनरावृत्ति की जा सके।



Alisha Abdullah

India's first F1 women racer, India's first female National Racing Champion

Alisha Abdullah is India's first F1 women racer and India's first female National Racing Champion. She is an avid biker and the fastest Indian car racer. She began her racing career when she was just eight and when she turned 25, she had spend almost 13 years on the racing track. She has won MRF National Go-Karting Championship and the Best Novice Award in National level Formula Car Racing in the open class. Alisha finished the JK Tyre National Championship, 2004 at fifth spot.

अलिशा अब्दुल्ला

भारत की पहली एफ1 रेसर, भारत की पहली महिला राष्ट्रीय रेसिंग चैम्पियन

अलिशा अब्दुल्ला भारत की पहली एफ1 महिला रेसर और भारत की पहली महिला राष्ट्रीय रेसिंग चैम्पियन, एक सुपर बाइक रेसर और सबसे तेज भारतीय कार रेसर हैं। जब आपकी आयु 8 साल थी तभी से आपने अपना रेसिंग करियर आरंभ किया। परंतु जब वह 18 साल की थी, आपके पिता ने आपको 600सीसी सुपर बाइक दी तथा अब्दुल्ला का करियर शुरू हो गया। 25 साल की आयु में रेसिंग ट्रैक पर 13 साल बिताने के बाद अब्दुल्ला 80-90 ट्रॉफिया जीती जिसमें एमआरएफ राष्ट्रीय गो-कार्टिंग चैम्पियनशिप तथा खुली श्रेणी में राष्ट्रीय स्तर की फार्मूला कार रेसिंग में बेस्ट नोविस अवार्ड शामिल हैं। आगे चलकर अलिशा ने फार्मूला कार रेसिंग शुरू की तथा जेके टायर नेशनल चैम्पियनशिप, 2004 में पांचवां स्थान प्राप्त किया।





Arunima Sinha

First differently abled female to climb Mount Everest

She had lost her left leg in 2011, when she was thrown off from a moving train by thugs. The incident could not dampen her spirits. She stood tall and chased her dream & became the first differently abled woman to climb the Mount Everest. It was her inner strength to do something unique that propelled her to conquer Mt. Everest. She has unfurled the Indian national flag on five peaks: Everest in Asia, Kilimanjaro in Africa, Elbrus in Europe, Kosciuszko in Australia and Aconcagua in Argentina.

अरुणिमा सिन्हा

पहली महिला दिव्यांग तथा माउंट एवरेस्ट पर चढ़ाई करने वाली पहली भारतीय दिव्यांग

अरुणिमा सिन्हा पहली महिला दिव्यांग और माउंट एवरेस्ट पर चढ़ाई करने वाली पहली भारतीय दिव्यांग हैं। आपने 2011 में अपनी बाईं टांग गवां दी जब आपको ठगों ने चलती ट्रेन से बाहर फेंक दिया। कुछ अनोखा करने की आपकी अंदरूनी शक्ति ने आपको माउंट एवरेस्ट पर विजय पाने के लिए प्रेरित किया। दुर्घटना के दो साल बाद अरुणिमा मई, 2013 में माउंट एवरेस्ट पर चढ़ाई करने वाली पहली भारतीय दिव्यांग बनीं। आपने सभी महाद्वीपों के सर्वोच्च शिखरों पर चढ़ाई करने का लक्ष्य निर्धारित किया और भारत के राष्ट्रीय ध्वज को फहराया जिससे राष्ट्र गौरवान्वित हुआ। आप अब तक पांच शिखरों पर चढ़ाई कर चुकी हैं जिनमें शामिल हैं: 1. एशिया में एवरेस्ट, 2. अफ्रीका में कीलिमंजारु, 3. यूरोप में एलब्रस, 4. आस्ट्रेलिया में कोस्कीस्को और 5. अर्जेंटीना में एकोकागुआ।



Harshini Kanhekar

First Female Fire Fighter

Harshini Kanhekar rewrote history when she became the first Female Fire Fighter. Initially, during her teenage years, she had signed for the National Cadet Corp Air Wing (No.02Mah Air Sqn, Nagpur) which ultimately led her to become a Fire Fighter.

हर्षिनी कान्हेकर

पहली महिला फायर फाइटर

46 साल के अपने इतिहास में नागपुर के राष्ट्रीय अग्नि सेवा कॉलेज ने कभी ऐसी किसी महिला को नहीं देखा जो उसके दरवाजों से वर्दी पहने हुए बाहर निकली। हर्षिनी कान्हेकर ने कॉलेज के इतिहास तथा देश की अग्नि सेवा को फिर से लिखा तथा भारत की पहली महिला फायर इंजीनियर बनीं।

पालन-पोषण के दौरान हर्षिनी ने राष्ट्रीय कैडेट कोर एयरविंग (एयर स्कवैड्रन, नागपुर) के लिए करार करने के बाद एडवेंचर के लिए अपने जुनून को समझा। आपका अंतिम सपना वर्दी पहनना तथा देश की सेवा करना था। विश्वविद्यालय से निकलने के तुरंत बाद हर्षिनी ने नागपुर के राष्ट्रीय अग्नि सेवा कॉलेज (एनएफएससी) में आवेदन किया जो पूरी तरह पुरुषों के वर्चस्व वाला कॉलेज है और इतिहास रच दिया।





Vankadarath Saritha **India's First Female Bus Driver**

Vankadarath Saritha was the first woman driver of the Delhi Transport Corporation bus, ferrying hundreds of female passengers safely to their homes every day. She is the lady who leads by example. She ensures women passengers security and has taken up this unconventional job to support her family. She, for sure has opened undiscovered doors for many Indian women.

वेंकडरत सरिथा

देश की पहली महिला बस ड्राइवर

वेंकडरत सरिथा दिल्ली परिवहन निगम में देश की पहली महिला बस ड्राइवर हैं जो हर रोज सैकड़ों महिला यात्रियों को उनके घर सुरक्षित पहुंचाती है। सरिथा का निर्णय और करियर का विकल्प अन्य महिलाओं को करियर के रूप में ड्राइविंग को चुनने तथा लोगों की सोच में बदलाव लाने के लिए प्रेरित करता है। आज आप बस नं. 543 ड्राइव करती हैं। आपकी पहली प्राथमिकता महिला यात्रियों की सुरक्षा सुनिश्चित करना है। सरिथा तेलंगाना राज्य से हैं। आपने अपने परिवार की मदद करने के सरल एवं परंपरागत कारण से इस अपरंपरागत जॉब को चुना है।



Kiran Mazumdar Shaw

First Indian Business Woman to reach 1 Billion Dollar net-worth: Biocon

Biopharma major, Biocon's Chairman and Managing Director, Kiran Mazumdar Shaw is the first woman leader in India who has reached a net-worth of one billion dollar. Mazumdar Shaw's belief in "Affordable Innovation" has been a driving philosophy behind Biocon's expansion. In 2015, she joined 'The Giving Pledge,' promising that at least half of her wealth will be dedicated to philanthropy. She has been featured among TIME magazine's 100 most influential people in the world.

किरण मजूमदार शॉ

एक बिलियन डॉलर के कुल मूल्य को छूने वाली पहली भारतीय कारोबारी महिला : बायोकॉन

एक बिलियन डॉलर के कुल मूल्य को छूने वाली पहली भारतीय कारोबारी महिला, बायोकोन अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक किरण मजूमदार शॉ मानवता की शपथ दिलाने के साथ हाथ मिलाने वाली दूसरी भारतीय बन गई हैं। हाल ही में आपको वैश्विक स्तर पर जैव विज्ञान तथा अनुसंधान के क्षेत्र में योगदान और समर्पण के लिए नाईट ऑफ द नेशनल आर्डर ऑफ द फ्रैंच लिजन ऑफ ऑनर नियुक्त किया गया है। विश्व में जैव प्रौद्योगिकी उद्योग के लिए एक वैश्विक चिंतन नेता के रूप में आपकी पहचान है तथा टाइम मैगजीन ने विश्व में 100 सर्वाधिक प्रभावशाली व्यक्तियों की सूची में आपको शामिल किया है।





Sunalini Menon

Asia's First Professional Woman Coffee Taster

She is a Masters Degree holder in Foods and Nutrition. She has been with the Coffee Board as Assistant Cuptaster, where her primary role was to 'taste' coffees, marketed by the Board. Sunalini Menon became the first woman to be appointed in the officer's cadre at Coffee Board. She has been at the helm of tasks as Director (Quality Control) of the Coffee Board in 1978 and has served for 20 years. In 2005, she received a Lifetime Achievement Award at the International Women's Coffee Alliance (IWCA) in Seattle, United States.

सुनालिनी मेनन

एशिया की पहली पेशेवर महिला कॉफी टेस्टर

सुनालिनी मेनन ने खाद्य एवं पोषण में मास्टर डिग्री हासिल की है। इसके बाद आपने सहायक कप टेस्टर के रूप में कॉफी बोर्ड ज्वाइन किया, जहां आपकी प्राथमिक भूमिका बोर्ड द्वारा बेची जाने वाली कॉफी का स्वाद चखना था। कॉफी बोर्ड में अधिकारी के संवर्ग में नियुक्त होने वाली आप पहली महिला हैं। आप 1978 में कॉफी बोर्ड की निदेशक (गुणवत्ता नियंत्रण) बनीं। आप ऐसे सभी तकनीकी कौशलों को आत्मसात करते हुए 20 साल तक इस पद पर बनी रहीं जो इस उद्योग का सम्मान हासिल करने हेतु किसी टेस्टर के लिए आवश्यक होंगे। आपने 40 साल से अधिक समय तक भारतीय कॉफी उद्योग की सेवा की।



Shila Dawre

Country's First Woman Autorickshaw Driver

She is an unsung hero. Shila Dawre is India's first woman Auto-Rickshaw Driver, who is defying stereotypes. She fought through the obstacles and has driven for over 13 years from 1988 to 2001. She had to later stop driving due to health issues and aims to start an Academy for women, to train them. She got recognised in the Limca Book of World Records as the first Woman Auto-Rickshaw Driver in the country.

शिला डावरे

देश की पहली महिला ऑटोरिक्षा ड्राइवर

शिला डावरे भारत की पहली महिला ऑटोरिक्षा ड्राइवर हैं जो रुढ़ियों को तोड़ रही हैं। 1988 में आप महाराष्ट्र के परभनी जिले में स्थित अपना घर छोड़कर भारत की पहली महिला ऑटोरिक्षा ड्राइवर बनने के लिए पुणे आ गईं। शिला डावरे प्रशिक्षित ऑटो ड्राइवर बनने की इच्छुक महिलाओं के लिए अकादमी शुरू करना चाहती हैं। आपको देश में पहली महिला ऑटोरिक्षा ड्राइवर के रूप में लिम्का बुक ऑफ वर्ल्ड रिकार्ड में पहचान मिली है।





P. T. Usha

First Indian Woman to reach the Final of an Olympic event

Since 1979, she has been associated with Indian Athletics and is the first Indian Woman to reach the Finals of an Olympic event early in 1984. She is popularly known as the 'Payyoli Express'. She currently runs the Usha School of Athletics at Koyilandy in Kerala. She is regarded as one of the greatest athletes India has ever produced and is often called the "Queen of Indian Track and Field". She currently holds the World Record for most Gold medals earned by a female athlete in a Single Track Meet.

पी.टी. ऊषा

ओलम्पिक खेल के फाइनल में पहुंचने वाली पहली भारतीय महिला

पी.टी. ऊषा 1984 में ओलम्पिक खेल के फाइनल में पहुंचने वाली पहली भारतीय महिला हैं। अब आपने भारतीय ट्रैक और फिल्ड एथलिट से सन्यास ले लिया है। 1979 से आप भारतीय एथलेटिक्स से जुड़ी हैं। आप पायोली एक्सप्रेस के नाम से विख्यात हैं। इस समय आप केरल के कोईलैंडी में ऊषा स्कूल ऑफ एथलेटिक्स चला रही हैं। आपको महानतम एथलिटों में से एक में माना जाता है। अक्सर आपको "क्विन ऑफ इंडियन ट्रैक एंड फिल्ड" कहा जाता है।



Bula Choudhury

First Woman in the World to Swim across Sea Channels of Five Continents

Her journey as swimmer started at the age of five, when she was admitted to a swimming training school. In her first National Competition, at age nine, she dominated her age group by winning six gold medals in six events. She continued winning various Junior and National Championships. In 2005 she became the First Woman to swim across Sea Channels of Five Continents - including the Strait of Gibraltar, the Tyrrhenian Sea, Cook Strait, Toroneos Gulf (Gulf of Kassándra) in Greece, the Catalina Channel off the California coast, and from Three Anchor Bay to Robben Island near Cape Town, South Africa.

बुला चौधरी

5 महाद्वीपों के समुद्री चैनलों को तैरकर पार करने वाली विश्व की पहली महिला

बुला चौधरी चक्रवर्ती का जन्म 02 जनवरी, 1970 में पश्चिम बंगाल में हुआ। जब आपकी आयु 2 साल थी तभी आपने तालाब में तैराकी शुरू कर दी। 09 साल की आयु में आपने जूनियर नेशनल चैम्पियनशिप में 06 स्वर्ण पदक जीते। 12 साल की आयु में आपने 1982 में एशियाई खेल में भाग लिया और राष्ट्रीय रिकार्ड के साथ चौथा स्थान हासिल किया। आपने दो एशियाई खेलों, दो एशियाई तैराकी चैम्पियनशिप, एशिया प्रशांत मीट, मिनी ओलम्पिक, सैफ गेम्स, राष्ट्रीय चैम्पियनशिप (जूनियर एवं सीनियर में भाग लिया तथा राष्ट्रीय चैम्पियनशिप में आपके रिकार्ड 21 साल तक नहीं टूटे। आपने दो सैफ गेम्स में 10 स्वर्णपदक जीते। आप विश्व में एकमात्र ऐसी महिला हैं जिन्होंने 5 महाद्वीपों के 7 समुद्रों में तैराकी की है।





Chetna Sinha

Founder of First Rural Bank for Women in India

Chetna Sinha is the Head of Mann Deshi Mahila Bank and Mann Deshi Foundation, one of its kind Bank for Rural Women in India. Her work with women and insights in the field stem from her own passion and interests. She has been able to accurately understand the realities of the field and tailor her interventions for maximum impact. With a view towards her unparalleled contribution, Ministry of Women & Child Development, Govt. of India has nominated her as a member on the Governing Board (GB) of Rashtriya Mahila Kosh (RMK). She is a recipient of awards, like; Entrepreneurship Development Award, Godfrey Phillips Bravery Amodini Award, Rani Laxmi Bai Puraskar, Jankidevi Bajaj Puraskar, Shri Nanaji Deshmukh and the Rajiv Sheth Sabale Foundation Award, to name few.

चेतना सिन्हा

भारत में महिलाओं के लिए पहले ग्रामीण बैंक की संस्थापक

मन देसी महिला बैंक और मन देसी फाउंडेशन की प्रमुख चेतना सिन्हा को स्वयंसेवक फाउंडेशन द्वारा वर्ष 2013 का भारतीय सामाजिक उद्यमी नामित किया गया। महिलाओं के सशक्तीकरण के समग्र उद्देश्य में मन देसी बैंक के योगदान को ध्यान में रखते हुए महिला एवं बाल विकास मंत्रालय, भारत सरकार ने सुश्री सिन्हा को राष्ट्रीय महिला कोष के गवर्निंग बोर्ड के सदस्य के रूप में नामित किया है। केंद्र सरकार ने भी चेतना सिन्हा को आयकर अधिनियम 1961 की धारा 35 एसी के तहत गठित राष्ट्रीय सामाजिक एवं आर्थिक कल्याण संवर्धन समिति के सदस्य के रूप में नामित किया है।



Bhakti Sharma

First Asian Woman and the youngest in the world to set a record in Open Swimming in Antarctic waters

She is the conqueror of all five oceans of the world. She inherited the basics of swimming from her mother. She finished her first open water swim when she was only 14 years old. It was a 16 km swim in 2003, from Uran Port in Navi Mumbai to Gateway of India. In 2010, Bhakti became the second and youngest swimmer in the world to swim in four oceans. In 2012, she received the Tenzing Norgay National Adventure Award from Hon'ble President. One of the many records she holds is that of the first swim by a three-member women's relay team across the English Channel, with her mother Leena Sharma and friend Priyanka Gehlot. She went on to set a world record in 2015 by swimming in the Antarctic Ocean for 2.28 km in 41.14 minutes. She became the youngest person in the world and the first Asian girl to do so.

भवित्त शर्मा

अंटार्कटिक महासागर में खुले में तैराकी का रिकार्ड बनाने वाली विश्व की सबसे युवा तथा पहली एशियाई महिला

आप खुले जल में तैराकी करने वाली महिला हैं जो राजस्थान की मरुस्थली भूमि से हैं। आपने अंटार्कटिका के बहुत ठंडे जल (1 डिग्री सेंल्सियस) में सबसे लंबी दूरी (2.28 किलोमीटर) की तैराकी करके विश्व रिकार्ड बनाया है। आप 10 जनवरी, 2015 को अंटार्कटिका में तैराकी करके एशिया से पहली तैराक और विश्व में सबसे युवा तैराक भी बनीं। 21 साल की कड़ी मेहनत के बाद आपको सभी 05 महासागरों (हिंद महासागर, अटलांटिक महासागर, प्रशांत महासागर, आर्कटिक महासागर और अंटार्कटिक महासागर) और 07 समुद्रों में तैराकी करने का विश्व में सबसे युवा महिला तैराक होने का गौरव प्राप्त है।





Shatbhi Basu

India's first ever female bartender

An alumnus of IHM Mumbai, she is a bar & beverage consultant to international brands & bars and also a freelance journalist. She has played a pivotal role in creating 'STIR' Academy of Bartending, for giving young students skills, direction, purpose and a career. She educates consumers on taste profiles, nuances and the art and science of Mixology. She advocates the policy of 'Drink less, Drink better'.

शतभी बसु

भारत की अब तक की पहली महिला बारटेंडर

शतभी आईएचएम मुंबई की 1980 की कक्षा की विद्यार्थी रही हैं। आप अंतरराष्ट्रीय ब्रांडों और बारों की बार एवं बिक्वेज परामर्शदाता हैं तथा फ्रीलांस पत्रकार भी हैं। आपने युवा छात्रों को कौशल, दिशा, प्रयोजन और करियर प्रदान करने के लिए बारटेंडिंग की एसटीआईआर अकादमी का गठन किया है ताकि वे अपने परिवार की मदद कर सकें और आगे बढ़ने के अवसरों का लाभ उठा सकें। आप उद्योग एवं उपभोक्ताओं को टेस्ट प्रोफाइल तथा मिश्रण विज्ञान की कला एवं विज्ञान पर शिक्षित करती हैं।



Archy Jay

India's First Female Bagpipe Artist

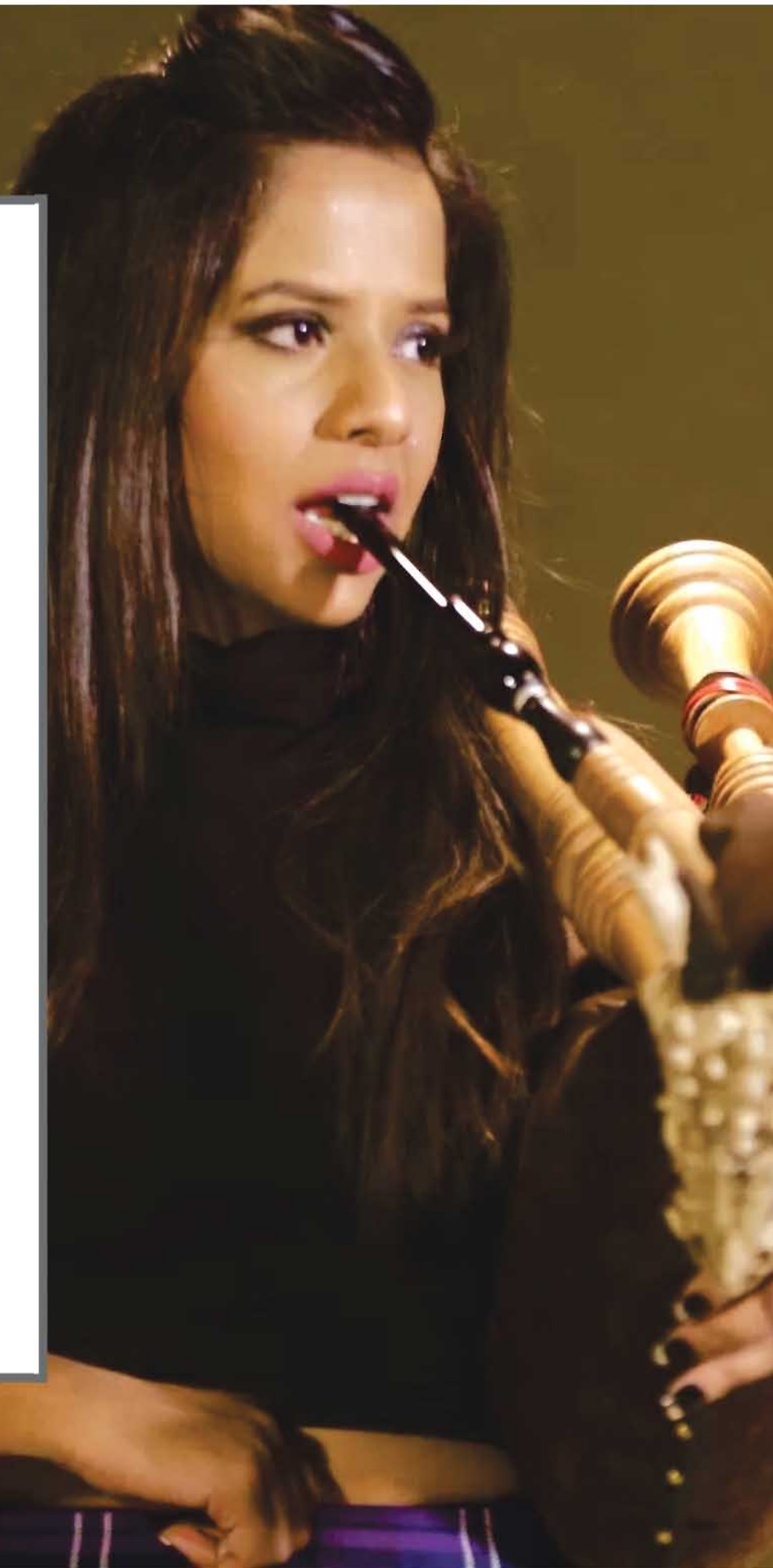
At a time when very few knew that an instrument called 'Bagpipe' exists, Archy J braved through mastering it. When she started learning, the online tutorials were not available and she had to download an e book to be able to learn it. A self taught musician from Delhi, fell in love with the sound of Bagpipes in 2012 and took upon herself to learn the Bagpipe. Her You Tube channel, 'The Snake Charmer' features her playing covers of Coldplay's Hymn for the weekend, Theme songs for the Game of Thrones and The Walking Dead.

आर्ची जय

भारत की पहली महिला बैगपाइप कलाकार

आर्ची जय भारत की पहली पेशेवर महिला बैगपाइपर हैं। ये अपने आप सीखने वाली संगीतज्ञ जिन्हें 2012 में बैगपाइप की ध्वनियों से प्यार हो गया और पुस्तकों, वीडियो और इंटरनेट की मदद से अपने दम पर बैगपाइप सीखने के लिए खुद को समर्पित कर दिया।

आर्ची का यू ट्यूब चैनल, दि स्नैक चैम्बर में कोल्ड प्ले हाईम फॉर दि वीकेंड, थीम सॉंग फॉर दि गेम ऑफ थ्रोन्स एंड दि वाकिंग डेड उपलब्ध हैं।





Indian Women's Ice Hockey Team

First ever Indian National Women's Ice Hockey team

The women team from Ladakh have become the first ever Indian National Women's Ice Hockey team who represented the country at the IIHF Ice Hockey Challenge Cup of Asia, 2016. Comprising a total 20 players, the team boasts of girls from rural regions of Ladakh. The team created history in March 2017 by clinching its first victory ever in an international match. The women's squad defeated Philippines at the Challenge Cup of Asia, held in Bangkok.

भारतीय महिला आईस हॉकी टीम

पहली भारतीय राष्ट्रीय महिला आईस हॉकी टीम

लद्दाख की महिलाएं अब तक की पहली भारतीय राष्ट्रीय महिला आईस हॉकी टीम बन गई हैं तथा आईआईएचएफ आईस हॉकी चैलेंज कप ऑफ एशिया, 2016 में देश का प्रतिनिधित्व किया। कुल 20 खिलाड़ियों से बनी इस टीम में लद्दाख के ग्रामीण क्षेत्रों की भी लड़कियां हैं। इस समय ये महिलाएं इस खेल का प्रशिक्षण ले रही हैं। आईस रिक पर गोल करना और स्केटिंग करना इस उम्मीद के साथ सीख रही हैं कि उनके संघर्ष को प्रोत्साहन एवं समर्थन मिलेगा। इसके बाद इस टीम ने अंतरराष्ट्रीय मैच में अपनी जीत हासिल करके मार्च, 2017 में इतिहास रच दिया है। बैंकॉक में आयोजित चैलेंज कप ऑफ एशिया में महिलाओं की इस टीम ने फिलिपिन्स को मात दी।



Venika Mitra

Director of First Indian film to win an award at Short Film Fest in Cannes at Beyond Border: Diversity in Cannes Short Film Showcase.

She is a graduate in Mass Media and always wanted to contribute to the film industry. Her first film won 10 International Film Festivals and has been an official selection in 23 International Film Festivals. The film also won two prestigious awards in 'Beyond Border Diversity' in Cannes Short Film Showcase in France in May, 2017.

वेनिका मित्रा

बीआण्ड बार्डर : डायवर्सिटी इन कान्स शॉर्ट फिल्म शोकेस में शॉर्ट फिल्म महोत्सव में पुरस्कार जीतने वाली पहली भारतीय फिल्म की निर्देशक

2008 में दिल्ली विश्वविद्यालय से मास मीडिया और मास कम्युनिकेशन में स्नातक की डिग्री प्राप्त करने के बाद आप मुम्बई आ गईं। आप हमेशा फिल्मों में काम करना चाहती थीं। आपने एक कहानी और अपनी पहली शॉर्ट फिल्म बनाई। यह फिल्म अब तक 10 अंतरराष्ट्रीय फिल्म महोत्सव जीत चुकी है तथा 23 अंतरराष्ट्रीय फिल्म महोत्सवों में यह आधिकारिक चयन रही है। मई, 2017 में कॉन, फ्रांस में कॉन शॉर्ट फिल्म महोत्सव में बीआण्ड बार्डर डायवर्सिटी में दो पुरस्कार जीतना आप जैसे होनहार स्वतंत्र फिल्म निर्माता के लिए बहुत बड़ा प्रोत्साहन है।





Urvashi Butalia

Founder of India's First Feminist Publishing House

She is an Indian feminist and a celebrated publisher. She is the first Indian to co-found India's exclusive feminist publishing house, 'Kali for Women' in 1984. The organization was set up as a trust to increase the body of knowledge on women in the Third World, to give voice to such knowledge as already exists, and to provide a forum for women writers. She is also a founder of 'Zubaan Books'.

उर्वशी बुटालिया

भारत का पहला नारीवादी प्रकाशन गृह

उर्वशी बुटालिया का जन्म पंजाबी विरासत के एक बहुत समृद्ध, प्रगतिशील एवं आस्तिक परिवार में अंबाला, हरियाणा में हुआ। आपकी मां सुमद्रा बुटालिया नारीवादी थीं जो महिलाओं के लिए एक परामर्श केंद्र चलाती थीं। 1952 में जन्मी उर्वशी बुटालिया भारतीय नारीवादी तथा प्रकाशक हैं। आप काली नामक भारत के पहले नारीवादी प्रकाशन गृह की सह संस्थापक हैं। 2003 में आपने जुबान बुक्स की स्थापना की। आपके लेख दि गार्जियन, दि न्यू इंटरनेशनलिस्ट, दि स्टेट्स मैन, दि टाइम्स ऑफ इण्डिया, आउट लुक और इंडिया टुडे सहित अनेक अखबारों एवं पत्रिकाओं में छपे हैं।



Tanvi Shah

First Indian woman to win a Grammy Award

She is the first Indian recipient of Grammy Award. She has been honored for her contribution to the song "Jai Ho" from Slumdog Millionaire (2010), an award she shares with maestro A.R. Rahman and lyricist Gulzar. She has also won World Soundtrack Award (2009) and the BMI Award (2009). She is a versatile singer and can sing in Tamil, Hindi, Telugu, Spanish, Arabic, Portuguese and other Latin languages.

तनवी शाह

ग्रेमी पुरस्कार जीतने वाली पहली भारतीय महिला

तनवी शाह स्लम डॉग मिलेनियर (2010) से "जय हो" गीत में योगदान के लिए प्रतिष्ठित ग्रेमी पुरस्कार जीतने वाली पहली भारतीय महिला हैं जिसे आपने संगीतकार ए.आर. रहमान और गीतकार गुलजार के साथ साझा किया। आपने लंदन में वर्ल्ड साउंड ट्रैक अवार्ड (2009) और बीएमआई अवार्ड (2009) भी जीते हैं।

आपके हुनर की विविधता इस तथ्य में छिपी है कि आप कई भाषाओं में गा सकती हैं। आप गायक, गीतकार और रचनात्मक डिजाइनर ट्रैकलिब इंडिया का चेहरा है।





Geeta Phogat

India's First ever Gold Medallist in Wrestling at the Commonwealth Games in 2010

She has her roots in Balali village in Bhiwani District, Haryana. Geeta Phogat is an iconic Freestyle Wrestler who won India's first ever Gold Medal in Wrestling at the Commonwealth Games in 2010. Her father Mahavir Singh Phogat, a former wrestler is her coach. She also won a Bronze Medal at the World Championships (2012). Her life journey is well depicted in a movie, titled 'Dangal'.

गीता फोगाट

2010 में राष्ट्र मंडल खेलों में कुश्ती में अब तक का पहला स्वर्ण पदक जीतने वाली भारतीय महिला

गीता हरियाणा के भिवानी जिले के बलाली गांव की हैं। आपके पिता महावीर सिंह फोगाट जो स्वयं पूर्व पहलवान और द्रोणाचार्य पुरस्कार विजेता हैं, आपके कोच भी हैं। गीता फोगाट ओलम्पिक समर गेम्स के लिए क्वालिफाई करने वाली पहली भारतीय महिला पहलवान हैं। आप 2010 में राष्ट्रमंडल खेलों में कुश्ती में स्वर्ण पदक जीतने वाली पहली भारतीय महिला हैं। गीता फोगाट चर्चा में पहली बार उस समय आई जब आपने दिल्ली में आयोजित राष्ट्रमंडल खेल, 2010 में स्वर्णपदक जीता और फिर 2012 में ओलम्पिक के लिए क्वालिफाई करने वाली पहली भारतीय महिला पहलवान बनीं। आपने विश्व चैम्पियनशिप 2012 में कांस्य पदक भी जीता है।



Indushree

First Female Ventriloquist (specialist in dummy act) in India

Indushree Raveendra is a renowned Indian Ventriloquist par excellence. She is a five time Limca Book record holder and she mesmerises her audience with a flawless performance each time she comes on stage. Blessed with astounding levels of hand-eye-foot co-ordination and a penchant for rib-tickling repartee, this diligent artiste's work is highly appreciated by the best ventriloquists of the world. As a responsible Indian citizen, she conducts acts towards AIDS awareness and other key issues.

इंदुश्री

भारत में पहली महिला वेंट्रीलोकविस्ट (डमी एक्ट में विशेषज्ञ)

इंदुश्री रविन्द्रा मशहूर भारतीय वेंट्रीलोकविस्ट हैं जो 3000 से अधिक शो कर चुकी हैं। पांच बार लिम्का बुक रिकार्ड धारक इंदुश्री का वेंट्रीलोकविज्म के क्षेत्र में प्रयोग असाधारण है। हाथ-आंख-पांव समन्वय के अद्भुत स्तरों के साथ मेहनती इस कलाकार के प्रयोगों को विश्व के सर्वश्रेष्ठ वेंट्रीलोकविस्ट द्वारा काफी सराहा गया है। अपनी कला के माध्यम से एड्स जागरुकता तथा दमित एवं अवसादग्रस्त लोगों को प्रफुल्लित करने की दिशा में आपके प्रयास सराहनीय हैं।





Selvi Gowda

India's 'first female taxi driver'

Leaving a life of abuse to become Karnataka's first female taxi-driver, Selvi Gowda is the protagonist of award-winning documentary 'Driving with Selvi'. Her journey has been courageous and she has transformed her life and has led by example. Selvi became a taxi-driver in 2004 with the support of Mysore-based NGO and later co-founded a women's taxi service.

सेल्वी गोडा

भारत की पहली महिला टैक्सी ड्राइवर

कर्नाटक की पहली महिला टैक्सी ड्राइवर सैल्वी गोडा पुरस्कार विजेता डॉक्यूमेंट्री 'ड्राइविंग विद सैल्वी' की नायिका हैं जो अपनी साहसी यात्रा पर चलती हैं जिसने उनके जीवन को बदल दिया है। मैसूर आधारित एनजीओ की सहायता से सैल्वी 2004 में टैक्सी ड्राइवर बनी। एक महिला टैक्सी सेवा की सह-स्थापना की ओर प्रेरणा मोबाइल हेल्थ क्लिनिक में ड्राइविंग का पद हासिल किया। अपना भारी वाहन लाइसेंस प्राप्त करने के बाद आपने और आपके पति ने 2014 में ट्रांसपोर्ट का कारोबार शुरू किया।



Mamta Devi

First competitive Female Body Builder

She has several National and International titles to her credit. She made the country proud in 2012 with a Bronze Medal at the World Body Building Championship at Bangkok. This was followed by a Bronze Medal at the Asian World Championship at Vietnam in 2013. She won a Gold Medal at Women's Body Building Championship in Pune in 2014 and a Bronze at the World Body Building Championship in 2015. She worked hard to build her lean and slender frame into a perfectly sculpted body and carved a history with her momentous achievements.

ममता देवी

पहली प्रतिस्पर्द्धी महिला बॉडी बिल्डर

ममता देवी पहली भारतीय महिला हैं जिन्होंने बॉडी बिल्डिंग के क्षेत्र में अंतरराष्ट्रीय पदक जीते हैं। ममता ने उजबेकिस्तान 2015 में 49वें एशियाई बॉडी बिल्डिंग चैम्पियनशिप में स्वर्ण पदक जीता। आपने सीओल, दक्षिण कोरिया में 51वीं एशियाई बॉडी बिल्डिंग चैम्पियनशिप में रजत पदक हासिल किया। आपने 2015 में बैंकॉक, थाईलैंड में सातवीं विश्व बॉडी बिल्डिंग चैम्पियनशिप में, वियतनाम में 2013 में 47वीं एशियाई बॉडी बिल्डिंग चैम्पियनशिप में, 46वीं एशियाई बॉडी बिल्डिंग चैम्पियनशिप उजबेकिस्तान 2012 में और चौथी डब्ल्यूबीपीएफ विश्व चैम्पियनशिप, बैंकॉक, थाईलैंड 2012 में भी कांस्य पदक हासिल किया।





Manju

Rajasthan's First Woman Porter in the entire North - Western Railway region

This iron-willed woman refused to bow down to any obstacle, even when the road ahead was difficult. She is the first woman who took up the job of a 'coolie' (porter). Manju started working at the Jaipur Railway Station and earned her livelihood. She made her mark into the traditional male dominated field.

मंजू

राजस्थान की पहली महिला कुली

तीन बच्चों की मां मंजू देवी पहले घर बनाने का काम करती थी और अपने पति, जो खुद भी कुली थे, की मृत्यु के बाद कुली बनने का निर्णय लिया। अपने बाजू पर अपने पति की 15 नम्बर की कांसे की प्लेट लगाकर मंजू ने जयपुर रेलवे स्टेशन पर काम करना शुरू किया। आपके गांव में रोजगार या जीविका का कोई और स्रोत नहीं है। खेती के लिए कोई जमीन न होने या पैसा न होने के कारण आपने कुली बनने का फैसला लिया।



Diana Edulji

First ODI captain of the first-ever Indian Women's Cricket Team

She was drawn to sports at an early age. Diana Edulji has represented India from 1975 to 1995. She holds the record for delivering the most number of balls by any woman cricketer in Women's test history (5098+). She has captained India for the World Cup in 1978 and 1993. She was conferred Arjuna Award in 1983 and Padma Shri in 2002.

डायना इदुलजी

पहली भारतीय महिला क्रिकेट टीम की पहली ओडीआई कैप्टन

डायना इदुलजी ने 1975 से 1995 तक भारत की महिला क्रिकेट टीम का प्रतिनिधित्व किया है। आपने तीन विश्व कप (1978, 1982 और 1993) खेले हैं। आपने 1978 और 1993 में विश्व कप के लिए भारतीय टीम की कप्तानी की है। डायना ने 1981 से 1983 तक टेस्ट तथा वन डे मैचों में भी भारतीय टीम की कप्तानी की है। डायना पहली महिला क्रिकेटर हैं जिनको पुरुष रेलवे रणजी टीम के लिए भारतीय रेलवे चयन समिति का सदस्य होने के कारण बीसीसीआई के चयन पैनल में नामित किया गया और उस साल पहली बार भारतीय रेल ने रणजी ट्रॉफी जीती। आप मुम्बई क्रिकेट संघ की क्रिकेट सुधार समिति में भी एकमात्र महिला क्रिकेटर थीं। आपने 1983 में अर्जुन पुरस्कार और 2002 में पद्मश्री पुरस्कार प्राप्त किया।





Ruveda Salam

A doctor and Kashmir's first woman IPS officer

Her father was her inspiration. She encourages the youth of Jammu and Kashmir to join police services and imparts regular training. She outperforms the assigned duties, ensuring that development is followed by peace in her state. She has also served in Tamil Nadu as the Assistant Commissioner of Police, Chennai & Coimbatore.

रुवेदा सलाम

कश्मीर की पहली महिला आईपीएस अधिकारी

रुवेदा का जन्म कश्मीर में फेरकेम नामक गांव में हुआ। आपने राजकीय मेडिकल कॉलेज, श्रीनगर से 2009 में एमबीबीएस पूरा किया और 2012 में यूपीएससी क्वालिफाई करके सिविल सर्वेन्ट बनने के अपने सपने को साकार किया। कश्मीर घाटी से आप पहली महिला आईपीएस अधिकारी तथा कश्मीर से यूपीएससी सिविल सेवा परीक्षा पास करने वाली पहली मुस्लिम महिला हैं। आपने सहायक पुलिस आयुक्त, चेन्नई एवं कोयम्बटूर के रूप में तमिलनाडु में सेवा की है। तब से आप किशोरियों को प्रेरित एवं प्रोत्साहित करने के लिए अपने राज्य तथा अन्य राज्यों के दूरस्थ क्षेत्रों में सेमीनारों और कार्यशालाओं का आयोजन कर रही हैं।



Dhanya Menon

India's first woman Cybercrime Investigator

The unprecedented spurt in cyber crime and the rampant misuse of technology alarmed her and motivated her to follow a career as Cybercrime Investigator. Through her concerted efforts, she aims to make people, especially the youth and adolescents aware of the vulnerabilities in mobile phones, Internet and social networking sites usage. She is presently working with over 400 schools across the country to reduce the cases of cybercrimes in the country.

धन्या मेनन

भारत की पहली महिला साइबर अपराध अन्वेषक

धान्या ने 2008 में साइबर सिक्योरिटी की अपनी खुद की कम्पनी शुरू की। साइबर अपराधों की रोकथाम के लिए पूरे देश में 400 स्कूलों के साथ काम करने वाली धन्या कहती हैं, "ब्रॉडबैंड के विस्तार से अपराध की गतिविधियों में वृद्धि हुई है। मेरा उद्देश्य लोगों, विशेषरूप से युवाओं और किशोरों को मोबाइल फोन, इंटरनेट तथा सोशल नेटवर्किंग साइटों के प्रयोग से जुड़े कमजोर पहलुओं के बारे में अवगत कराना है।"





Upasana Taku

First woman to lead a Payments Start Up

Upasana Taku had a modest upbringing. Owing to her impeccable educational qualifications, she had successful associations with HSBC in San Diego and with Pay Pal at America. Back in India, basis her market research she launched MobiKwik, a very simple and need based platform. Mobikwik has been part of a revolution, wherein the payments were digitized for ease of users. Acknowledging her achievements in the Tech Startup Ecosystem of India, she was featured by Forbes under "Asia's Women to Watch in 2016". She has also been named as the 'Business Woman of the year' by ASSOCHAM.

उपासना टाकु

पेमेंट स्टार्टअप का नेतृत्व करने वाली पहली महिला

उपासना के नेतृत्व में मोबीक्विक भारत के डिजिटल क्षेत्र में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहा है। जो करोड़ों भारतीयों की वित्तीय आवश्यकताओं एवं आकांक्षाओं को पूरा करता है। मोबीक्विक भुगतान करना, कर्ज लेना, बचत करना और निवेश करना आदि जैसी सभी वित्तीय सेवाएं प्रदान करता है।

उपासना ने एनआईटी, जालंधर से इंजीनियरिंग में स्नातक की डिग्री हासिल की है तथा स्टैनफोर्ड विश्वविद्यालय से प्रबंध विज्ञान में मास्टर की डिग्री प्राप्त की है। भारत के टेक स्टार्टअप इको सिस्टम में आपकी उपलब्धियों को देखते हुए आपको फोर्ब्स द्वारा "एशियाज वूमन टू वॉच इन 2016" में शामिल किया गया। हाल ही में उपासना को एसोचैम द्वारा "विजनेस वूमन ऑफ दि इयर" नामित किया गया है।



Michelle Kakade

First woman to run Golden Quadrilateral by foot in fastest time

Michelle Kakade made her way into the Guinness Book of World Records as the first woman to complete the Indian Golden Quadrilateral on foot. She covered massive distance, Mumbai to Delhi 1514.2 km; Delhi to Kolkata 1542.18 km, Kolkata to Chennai 1554.49 km and Chennai to Mumbai 1357.53 km. Limca Book of Records has recognized her achievements.

मिशेल ककाडे

स्वर्णिम चतुर्भुज को सबसे तेज गति से पद यात्रा करने वाली पहली महिला

मिशेल ककाडे वर्ष 2010 में सहारा मरुस्थल में 254 किलोमीटर की मैराथन को 6 दिन में पूरा करने वाली पहली महिला है। लिम्का बुक ऑफ रिकार्ड्स ने उनकी उपलब्धियों को मान्यता प्रदान की किसी भी भारतीय द्वारा सबसे अधिक मरुस्थलीय अल्ट्रा मैराथन, स्वर्णिम चतुर्भुज की सबसे कम समय में पैदल यात्रा पूरी करने वाली पहली भारतीय के रूप में उनका नाम दर्ज किया। वर्ष 2016 में आपने भारतीय स्वर्णिम चतुर्भुज की 5968.4 किलोमीटर की दूरी को पैदल 193 दिन एक घंटा एवं नौ मिनट में पूरी कर सबसे कम समय का गिनीज बुक ऑफ वर्ल्ड रिकार्ड में नाम दर्ज कराया।





Sneha Kamath

Founder of India's first Car Driving Training Centre for women.

'She Can Drive' initiative was started by Sneha in 2012 with a view to address prevailing problems faced by women while learning under male teachers/drivers. Sneha has trained nearly 400 women to drive. With her venture, Kamath makes sure that women drivers are imbued with a sense of confidence which ultimately leads to them becoming better drivers. Sneha strongly believes in- Give women the confidence and they will do wonders!

स्नेहा कामत

भारत के प्रथम महिला कार चालक प्रशिक्षण केंद्र की संस्थापक

स्नेहा कामत 'शी कैन ड्राइव', भारत के प्रथम महिला कार चालक प्रशिक्षण केंद्र की संस्थापक हैं। उन्होंने पुरुष चालकों से ड्राइविंग सीखते समय महिलाओं के सामने आ रही परेशानियों को देखते हुए यह संस्थान शुरू किया है। स्नेहा अपने संस्थान में यह सुनिश्चित करती हैं कि महिला चालकों में विश्वास की भावना भर दी जाए जिसके परिणामस्वरूप वे बेहतर चालक बनती हैं। स्नेहा एक बात में विश्वास करती हैं कि महिलाओं में विश्वास पैदा करो और वे कमाल कर दिखाएंगी।



Neeru Chadha

First Indian Woman Judge of the International Tribunal for the Law of the Sea

A significant victory for India came in when Dr. Neeru Chadha became the first woman to be elected as a Judge of the International Tribunal for the Law of the Sea. She is one of the leading experts on International Law in India and has the distinction of serving as the first woman Chief Legal Adviser to the Ministry of External Affairs. She has advised the Government on diverse areas of International Law for more than 25 years and represented India in various bilateral and multilateral meetings and conferences.

नीरु चड्ढा

अंतरराष्ट्रीय सागरीय विधि न्यायाधिकरण की प्रथम भारतीय महिला न्यायाधीश

डॉ० नीरु चड्ढा अंतरराष्ट्रीय सागरीय विधि न्यायाधिकरण के न्यायाधीश के रूप में चुनी जाने वाली भारत की पहली महिला हैं। वे भारत में अंतरराष्ट्रीय कानूनों की एक अग्रणी विशेषज्ञ हैं और विदेश मंत्रालय में प्रथम महिला मुख्य विधि परामर्शदाता के रूप में काम करने की दक्षता रखती हैं। उन्होंने 25 वर्षों से अधिक समय तक अंतरराष्ट्रीय कानून के विविध क्षेत्रों के बारे में सरकार को परामर्श दिया है और संयुक्त राष्ट्र एवं अन्य बहुपक्षीय एवं क्षेत्रीय मंचों सहित विभिन्न द्विपक्षीय एवं बहुपक्षीय बैठकों एवं सम्मेलनों में भारत का प्रतिनिधित्व किया है।





Shirin Merchant

First Indian to have been invited to the Association of Professional Pet Dog Trainers (APDT) conference

She is popularly known as 'SHEROES' Shirin Merchant, Canine Trainer And Behaviourist. She has been working in this field for more than 20 years. She trained under the world renowned canine behaviourist, John Rogerson in 1995. She is the holder of the prestigious KCAL - Kennel Club of England Accreditation Scheme for Dog trainers and behaviourists in Companion Dog Training and Behavioural Training accreditation. Shirin became the first Indian invited to present at the Annual Association of Professional Dog Trainers Conference, 2016 in Las Vegas, U.S.A.

शिरिन मर्चेन्ट

पेशेवर पालतू श्वान प्रशिक्षक एसोसिएशन (एपीडीटी) सम्मेलन में आमंत्रित की जाने वाली पहली भारतीय

शिरिन मर्चेन्ट ने वर्ष 1995 में श्वान के क्षेत्र में कार्य करना शुरू किया। वह भारत की पहली प्रमाणित श्वानीय व्यवहारवादी हैं। उन्होंने अक्षम व्यक्तियों के लिए श्वान सहायता का मार्ग दिखलाया और भारत में खोज एवं बचाव कार्य के लिए सिविलियन श्वानों को सबसे पहले प्रशिक्षित किया। वह केसीएआई – सहचर श्वान प्रशिक्षण एवं व्यवहार प्रशिक्षण प्रत्यायन में श्वान प्रशिक्षकों एवं व्यवहारवादियों के इंगलैंड प्रत्यायन स्कीम के डॉग हाऊस क्लब की सदस्यता प्राप्त करने वाली एशिया की एकमात्र महिला है। शिरिन लासवेगास, यूएसए में एसोसिएशन ऑफ प्रोफेशनल डॉग ट्रेनर्स के वार्षिक सम्मेलन 2016 में प्रतिनिधित्व करने के लिए पहली भारतीय आमंत्रित महिला बनीं।



Ira Singhal

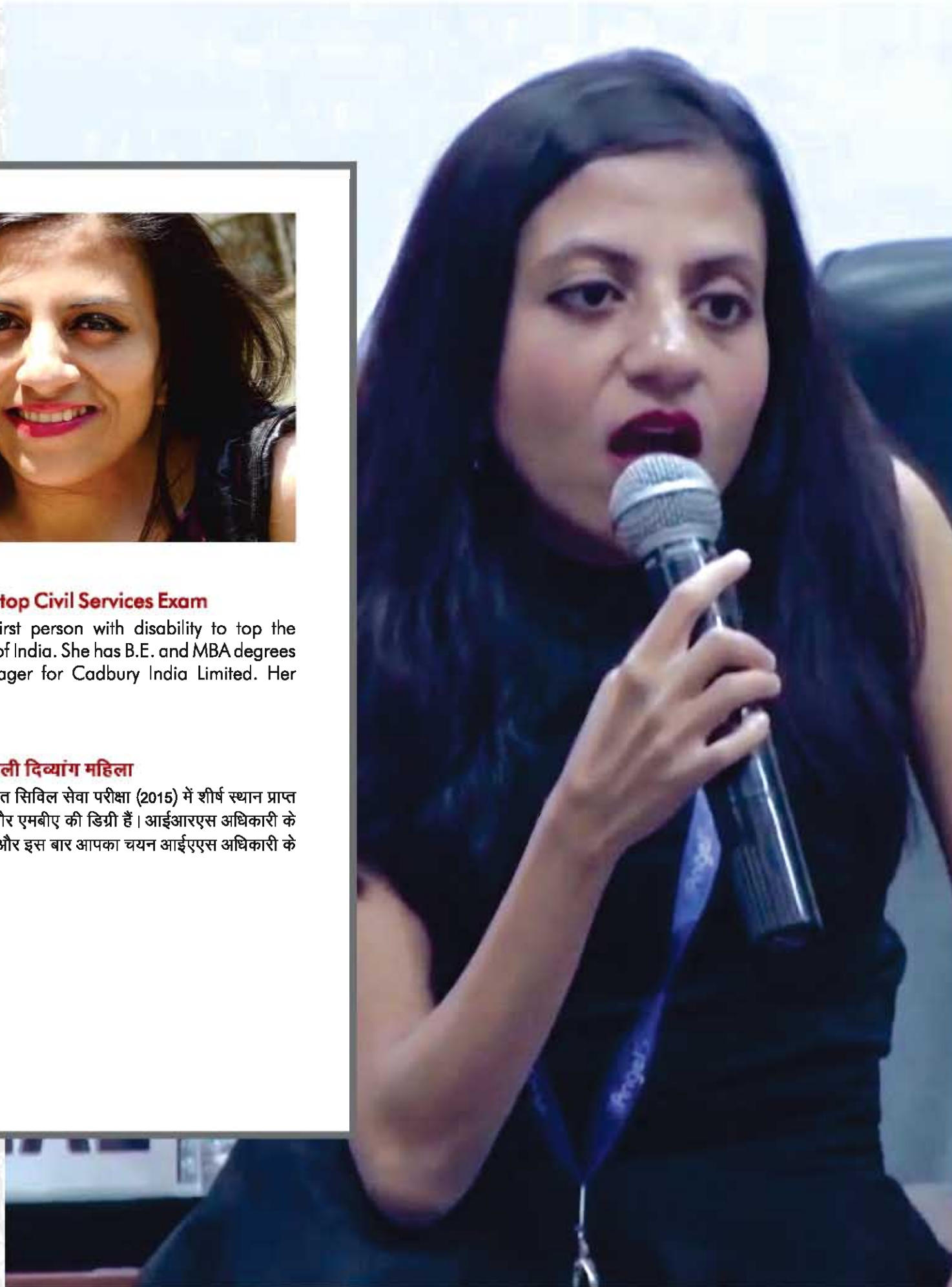
First differently-abled woman to top Civil Services Exam

Ira Singhal, an IAS Officer, is the first person with disability to top the prestigious Civil Services Examination of India. She has B.E. and MBA degrees and has worked as a Strategy Manager for Cadbury India Limited. Her achievement is an inspiration for many.

इरा सिंघल

सिविल सेवा परीक्षा में टॉप करने वाली पहली दिव्यांग महिला

आईएसएस अधिकारी इरा सिंघल भारत की प्रतिष्ठित सिविल सेवा परीक्षा (2015) में शीर्ष स्थान प्राप्त करने वाली पहली दिव्यांग हैं। आपके पास बीई और एमबीए की डिग्री हैं। आईआरएस अधिकारी के रूप में ज्वाइन करने से पूर्व आपने पुनः परीक्षा दी और इस बार आपका चयन आईएसएस अधिकारी के रूप में हो गया।





Pankaj Bhadouria

First woman to win Master Chef India

Pankaj Bhadouria's story is of grit and determination. She had quit her sixteen year - old job and participated in India's First Master Chef and won it. She is now a popular TV Host, Author, Columnist, Speaker & Entrepreneur and advocates many F&B brands. She has authored many best selling cookery books. She established the Pankaj Bhadouria Culinary Academy in Lucknow and owns the Tramp Tree Cafe in the city.

पंकज भदौरिया

मास्टरशेफ इंडिया जीतने वाली पहली महिला

पंकज भदौरिया की कहानी दृढ़ता और समर्पण की कहानी है। आपने भारत के पहले मास्टरशेफ में भाग लेने के लिए अपने 16 साल पुरानी नौकरी छोड़ दी और प्रतियोगिता जीती। आप टीवी होस्ट, लेखक, स्तंभकार, वक्ता और उद्यमी हैं। आपने पाक कला पर अनेक पुस्तकें लिखी हैं जैसे कि मास्टरशेफ कुक बुक, बार्बी-आई एम ए शेफ, चिकन फ्राम माई किचन— दि इंडियन वे, दि सिक्रेट्स इन स्पाईस मिक्स आदि।



Saina Nehwal

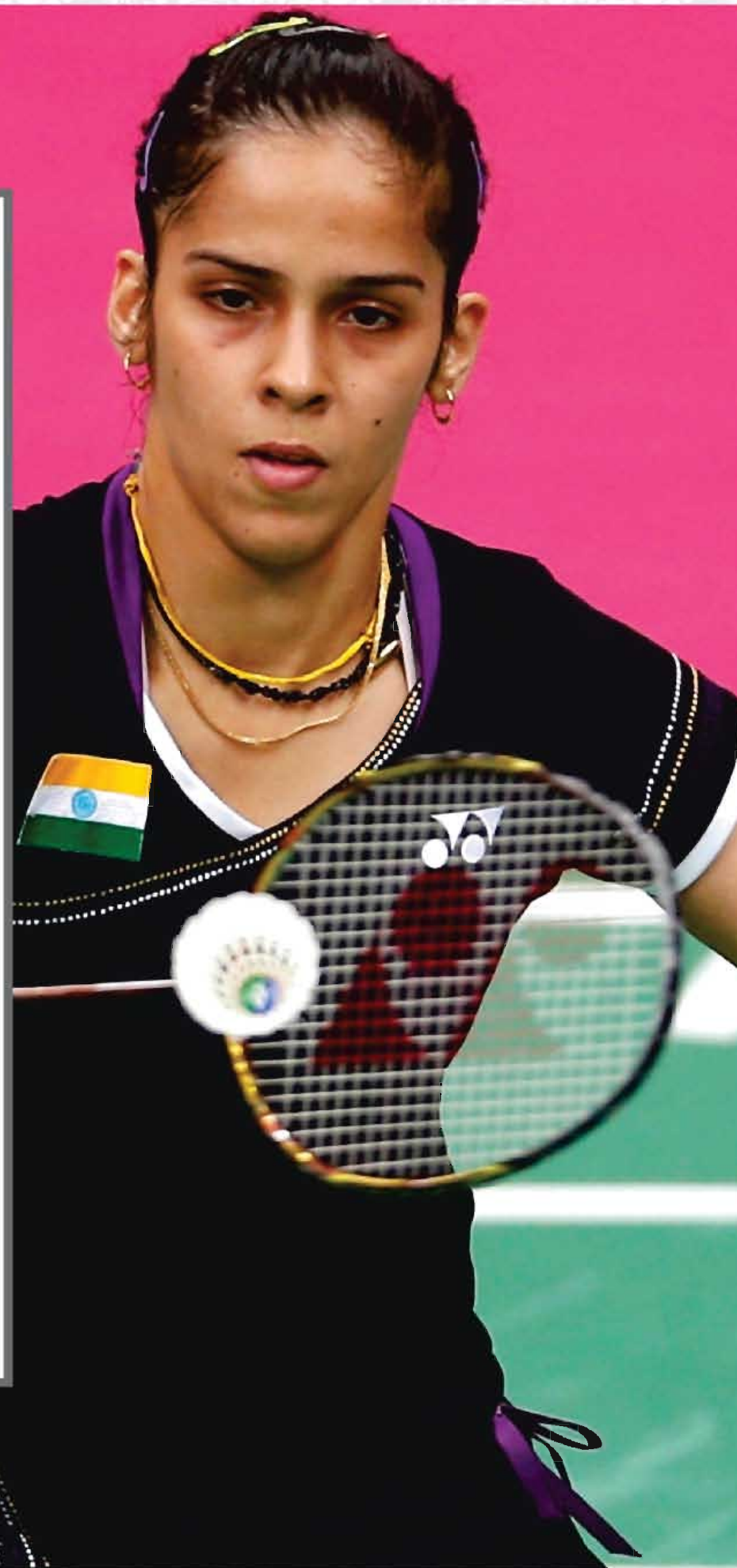
First badminton player to win an Olympic medal

Saina Nehwal is the only Indian to have won a medal in every Badminton World Federation major individual event. Till date, she is the first Indian badminton player to win an Olympic medal, along with being the only Indian to have won the BWF World Junior Championships. In 2006, Nehwal became the first Indian female and the youngest Asian to win a 4-star tournament and won Super Series title. In 2016, Government honored her contribution with Padma Bhushan and she was also conferred with Rajiv Gandhi Khel Ratna and the Arjuna Award.

साइना नेहवाल

ओलम्पिक पदक जीतने वाली पहली बैडमिंटन खिलाड़ी

साइना भारत से पेशेवर बैडमिंटन खिलाड़ी हैं। आप एकमात्र ऐसी भारतीय हैं जिन्होंने बीडब्ल्यूएफ के प्रत्येक प्रमुख व्यक्तिगत टूर्नामेंट में कम से कम एक पदक जीता है। आप एकमात्र भारतीय खिलाड़ी हैं जिन्होंने बीडब्ल्यूएफ वर्ल्ड जूनियर चैम्पियनशिप जीती है। वर्ष 2006 में नेहवाल 4-स्टार टूर्नामेंट जीतने वाली पहली भारतीय महिला तथा सबसे युवा एशियाई बनीं। आपको सुपर सीरीज टाइटल जीतने वाला पहला भारतीय होने का भी गौरव प्राप्त है। 2016 में भारत सरकार ने आपको पद्मभूषण पुरस्कार से सम्मानित किया। इससे पूर्व राष्ट्र के दो शीर्ष खेल सम्मान राजीव गांधी खेल रत्न और अर्जुन पुरस्कार भी भारत सरकार द्वारा आपको प्रदान किए गए।





Aditi Pant

First Indian woman to reach Antarctica

She holds the title of being the first Indian woman to visit the farthest corner of the world, Antarctica. A book titled 'The Open Sea' by Alister Hardy had motivated her to take up oceanography as her career. She has been given the Antarctica Award for being a part of the expedition.

अदिति पंत

अंटार्कटिका पहुंचने वाली पहली भारतीय महिला

आप विश्व के सबसे दूरस्थ क्षेत्र अर्थात अंटार्कटिका में पहुंचने वाली पहली भारतीय महिला हैं। आप एक समुद्र वैज्ञानिक हैं जिन्होंने अंटार्कटिका के बर्फीले भूभागों पर अपना पांव रखने वाली पहली महिला बनकर राष्ट्र को गौरवान्वित किया है। आपका जन्म नागपुर में हुआ था। आपने पुणे विश्वविद्यालय से बीएससी की है। अवर स्नातक की पढ़ाई के दौरान अदिति पंत एलिस्टर हार्डी की पुस्तक "द ओपन सी" पढ़ी। इस पुस्तक ने आपके जीवन को बहुत प्रभावित किया और उसी समय आपने अपने करियर के रूप में समुद्र विज्ञान को चुनने का निर्णय लिया। भारत सरकार द्वारा अदिति को अंटार्कटिका पुरस्कार से सम्मानित किया गया।



Chitra Ramakrishna

First MD & CEO of the National Stock Exchange (NSE)

She held the post of Managing Director and Chief Executive Officer at the National Stock Exchange (NSE) Group till December, 2016. She spearheaded the operations and was an integral part of the leadership team. The institution is currently ranked world's second largest exchange in cash market trades, she has a significant contribution in this achievement. Chitra has an established track record of successfully generating new business, sourcing investment opportunities, cultivating relationships, valuing investments, managing risks and above all striving for the financial well-being of Indian markets.

चित्रा रामा कृष्णा

राष्ट्रीय स्टॉक एक्सचेंज (एनएसई) का एमडी एवं सीईओ बनने वाली पहली महिला

चित्रा रामकृष्णा मार्च, 2016 से एमएनआईटी की अध्यक्ष हैं, जिन्हें मानव संसाधन विकास मंत्रालय द्वारा नियुक्त किया गया। आप दिसम्बर, 2016 तक राष्ट्रीय स्टॉक एक्सचेंज (एनएसई) ग्रुप की प्रबंध निदेशक तथा मुख्य कार्यपालक अधिकारी रहीं। चित्रा इस संस्था को स्थापित करने के लिए 1994 में सृजित नेतृत्व टीम के अंग के रूप में कुछ लोगों में से एक हैं, जिसे नकद बाजार के व्यापार में इस समय विश्व के दूसरे सबसे बड़े एक्सचेंज का दर्जा प्रदान किया गया है। चित्रा ने सफलतापूर्वक नए व्यवसाय सृजित करने, संबंध सृजित करने, निवेशों का महत्व समझने, जोखिमों का प्रबंधन करने और भारतीय बाजारों के वित्तीय कल्याण का ट्रैक रिकार्ड स्थापित किया है।





Anuradha Pal

First and the youngest Indian Musician to perform at the WOMAD (World of Music, Art and Dance) Festival

The first professional Tabla virtuoso, Anuradha Pal made her way into the music world by being the first and the youngest Indian musician to perform at the prestigious WOMAD & Woodstock Festival.

She possesses remarkable speed, clarity and her inimitable performances leaves the audience mesmerized.

अनुराधा पाल

वर्ल्ड ऑफ म्यूजिक आर्ट एंड डांस महोत्सव में अपनी कला का प्रदर्शन करने वाली पहली तथा सबसे युवा भारतीय महिला संगीतकार

विश्व की पहली पेशेवर महिला तबला वादक अनुराधा पाल प्रसार भारती और आईसीसीआर से जुड़ी शीर्ष स्तर की कलाकार हैं। अनुराधा पाल 400000 प्रशंसकों के लिए प्रतिष्ठित वुडस्टॉक महोत्सव (पोलैंड, 2008) और 150000 प्रशंसकों के लिए डब्ल्यूओएमएडी यूके (1999) में अपनी कला का प्रदर्शन करने वाली पहली और सबसे युवा भारतीय महिला संगीतकार हैं।



Tessy Thomas

First woman scientist to head a missile project in India

She is popularly known in her circuit as the 'Missile Woman of India' and 'Agni Putri'. The First woman to head an Indian Missile project, she has played key roles in many strategic projects of India, including the Long Range Ballistic Missile, the Agni IV and Agni V. She has worked for Agni Missile right from its inception and her contributions in the field of Science and Technology are remarkable. She is the First Director of the Missile Laboratory and possesses unique identity of heading all the three Missile Laboratories of the Missile Cluster (ASL, DRDL, RCI) of DRDO at Hyderabad.

टेसी थॉमस

भारत में किसी प्रक्षेपास्त्र परियोजना का नेतृत्व करने वाली पहली महिला वैज्ञानिक

डॉ० टेसी थॉमस भारत में किसी प्रक्षेपास्त्र परियोजना का नेतृत्व करने वाली पहली महिला वैज्ञानिक हैं तथा "मिसाइल वूमन ऑफ इंडिया" उर्फ "अग्नि पुत्री" के रूप में आपकी ख्याति है। आपने भारत की अनेक सामरिक परियोजनाओं में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है जिसमें लंबी दूरी के बैलिस्टिक प्रक्षेपास्त्र, अग्नि 4 और अग्नि 5 का निर्माण शामिल है। आपने अग्नि मिसाइल के निर्माण की शुरुआत से ही इसके लिए काम किया है और विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी के क्षेत्र में उत्कृष्ट योगदान दिया है। आप प्रक्षेपास्त्र प्रयोगशाला की पहली महिला निदेशक हैं तथा हैदराबाद में डीआरडीओ के मिसाइल क्लस्टर की सभी तीन प्रक्षेपास्त्र प्रयोगशालाओं (एएसएल, डीआरडीएल, आरसीआई) का नेतृत्व करने की अनोखी पहचान हैं। आप भारत में एकमात्र महिला परियोजना निदेशक हैं जो देश के लिए सामरिक महत्व एवं निवारण की किसी प्रक्षेपास्त्र परियोजना का नेतृत्व कर रही हैं।





Ruchi Sharma

First operational woman Paratrooper

Captain Ruchi Sharma won the 'Presidents Gold Medal' and was commissioned as an Army Officer in the Army Ordnance Corps (AOC). She qualified as the "First Lady Operational Paratrooper" of the Indian Army. She had the opportunity and served in various difficult terrains including High Altitude Area at Leh (Ladakh). She was awarded the "General Oberoi Trophy" for "Best Women Adventurer" in the year 1999, from the Corps of Ordnance.

रुचि शर्मा

पहली ऑपरेशनल महिला पैराट्रूपर

कैप्टन रुचि शर्मा (सेवानिवृत्त) भारतीय सेना की अधिकारी रहीं हैं। आप योग्यता क्रम में पहला स्थान प्राप्त करने के लिए "राष्ट्रपति स्वर्ण पदक" जीत कर अधिकारी प्रशिक्षण अकादमी से निकलीं तथा आर्मी आर्डिनेंस कॉर्प्स (एओसी) में आर्मी अफसर के रूप में आपको कमीशन किया गया। भारतीय सेना के "पहली महिला ऑपरेशनल पैराट्रूपर" के रूप में क्वालिफाई किया। आपने लेह (लद्दाख) के बहुत ऊंचाई वाले क्षेत्रों सहित विभिन्न भूभागों में सेवा की है। कॉर्प्स ऑफ ऑर्डिनेंस से वर्ष 1999 में "बेस्ट वूमन एडवेंचरर" के लिए आपको "जनरल ओबेरोय ट्रॉफी" से सम्मानित किया गया



Anjali Shukla

Winner of the National Film Award for Best Cinematography

She won the National award for Cinematography for her debut film 'Kutty Srank' at the 57th National Film awards. The film also had the distinction of being the first in Malayalam language to be shot by a woman. An alumnus of FTII, she is the only woman till date to win the National Film Award for Best Cinematography.

अंजुली शुक्ला

पहली भारतीय महिला हैं जिन्होंने सर्वश्रेष्ठ सिनेमेटोग्राफी के लिए राष्ट्रीय फिल्म पुरस्कार जीता है

अंजुली शुक्ला 57वें राष्ट्रीय फिल्म पुरस्कार में अपनी पहली फिल्म 'कुट्टी श्रैंक' के लिए सिनेमेटोग्राफी में राष्ट्रीय पुरस्कार जीतने वाली पहली महिला बनीं, इस फिल्म को मलयालम भाषा में किसी महिला द्वारा फिल्मांकित पहली फिल्म होने का भी गौरव हासिल हुआ। आपकी फिल्म 'प्रेमोरटेम' को पोलैंड में कैमरा इमेज फिल्मोत्सव में गोल्डन टैडपोल पुरस्कार के लिए नामांकित किया गया। 'चिल्ड्रन फिल्म सोसायटी ऑफ इंडिया' के सहयोग से आपकी फिल्म 'हैप्पी मदर्स डे' (2015) 19वें भारतीय अंतराष्ट्रीय बाल फिल्म महोत्सव की उद्घाटन फिल्म थी तथा टोरेंटो फिल्म महोत्सव में उसे विश्व प्रीमियर में दिखाया गया।





Arati Saha (Posthumous)

First Indian woman to swim across the English Channel

She achieved the landmark in 1959 and became the first Asian woman to swim across the English Channel. She lived a short but an illustrious and eventful life. Her inspiration was the great Indian swimmer, Mihir Sen. The Department of Posts celebrated her conquest and brought out a postage stamp in her honour.

आरती साहा (मरणोपरांत)

इंगलिश चैनल को तैर कर पार करने वाली पहली भारतीय महिला

आरती साहा का जन्म 24 सितम्बर, 1940 को हुआ। 4 साल की आयु में आरती साहा ने स्वर्गीय सचिन नाग और स्वर्गीय बिजितेंद्र बोस के मार्गदर्शन में हठखोला स्विमिंग क्लब में तैराकी का अपना प्रशिक्षण आरंभ किया। 1945 से आरती साहा ने सफलता की सीढ़ियां चढ़ना और तैराकी की विभिन्न प्रतियोगिताओं में पदक जीतना शुरू कर दिया। 1960 में आपने भारत के तत्कालीन राष्ट्रपति राजेन्द्र प्रसाद से पद्मश्री पुरस्कार प्राप्त किया। आरती साहा भारतीय खेल परिषद की सदस्य तथा पश्चिम बंगाल खेल परिषद की अध्यक्ष थीं।



MC Mary Kom

First Indian woman to win a medal in Asian Games 2014 for boxing.

Indian sporting legend, Chungneijang Mary Kom Hmangte won many accolades for the country. She is an Olympic Indian boxer and is a five-time World Amateur Boxing champion. She is the only woman boxer to have won a medal in each of the six World Championships. She is called 'Magnificent Mary'. Mary Kom became the first Indian woman boxer to fetch a Gold Medal in the Asian Games in 2014 at Incheon, South Korea.

एमसी मैरी कॉम

मुक्केबाजी के लिए एशियाई खेल 2014 में पदक जीतने वाली पहली भारतीय महिला

14 नवम्बर, 1982 को जन्मी चुंगनेजेंग मैरीकॉम 5 बार विश्व अमेचर बॉक्सिंग चैंपियनशिप जीत चुकी हैं तथा 6 विश्व चैंपियनशिप में से प्रत्येक में पदक जीतने वाली एकमात्र महिला मुक्केबाज हैं। "मैग्निफिसेंट मैरी" के रूप में विख्यात मैरीकॉम लाइवेट (51 किलो) श्रेणी में समर ओलम्पिक 2012 के लिए क्वालिफाई करने और कांस्य पदक जीतने वाली एकमात्र भारतीय महिला मुक्केबाज हैं। एआईबीए की विश्व महिला रैंकिंग लाइवेट श्रेणी में आपको चौथा स्थान भी प्राप्त हुआ है। आप इनचियान, दक्षिण कोरिया में 2014 में एशियाई खेलों में स्वर्ण पदक प्राप्त करने वाली पहली भारतीय महिला मुक्केबाज बनीं।





Durgabai Kamat (Posthumous)

First actress of Indian Cinema

She broke taboos and joined Indian Cinema way back in 1913. Dadasaheb Phalke offered his second film, Mohini Bhasmasur to Kamat. She played the role of the leading lady, Parvati in the film. Her portrayal evoked lot of positive reactions from the audience and paved way for other female actresses to take up Indian Cinema as a full fledged career.

दुर्गाबाई कामत (मरणोपरांत)

भारतीय सिनेमा की पहली नायिका

दुर्गाबाई कामत एक मराठी नायिका थीं जो भारतीय सिनेमा की पहली महिला नायिका हैं। 1900 के दशक के पूर्वार्ध में फिल्म या थिएटर में एक्टिंग करना महिलाओं के लिए इतना निषिद्ध था कि भारतीय सिनेमा के जनक दादा साहेब फाल्के को पहली भारतीय फिल्म राजा हरीश चंद्र में महिलाओं की भूमिका निभाने के लिए पुरुष नायकों का प्रयोग करना पड़ा। तथापि, इसकी सफलता से महिला नायिकाएं प्रोत्साहित हुईं और इस प्रकार उन्होंने 1913 में अपनी दूसरी फिल्म मोहिनी भस्मासुर में मुख्य नायिका पार्वती के रूप में कामत को पेश किया, जबकि उनकी बेटी कमला बाई कोखिले ने मोहिनी की भूमिका निभाई, इस प्रकार भारतीय सिनेमा की पहली महिला बाल नायिका बनीं। कामत के बाद अन्य नायिकाओं ने उनके पदचिह्नों का अनुसरण करते हुए सिनेमा में काम करना शुरू किया।



Mary Poonen Lukose (Posthumous)

First female Surgeon of India

Mary Poonen Lukose was an Indian gynecologist, obstetrician and the first female Surgeon General in India. She was the founder of a Tuberculosis Sanatorium in Nagarcoil and the X-Ray and Radium Institute, Thiruvananthapuram. She also served as the head of the Health Department in the state of Travancore and was the first woman legislator of the state. The Government of India awarded her Padma Shri in 1975.

मैरी पुनेन लुकोस (मरणोपरांत)

भारत की पहली महिला सर्जन

मैरी पुनेन लुकोस एक भारतीय स्त्री रोग विशेषज्ञ, प्रसूति विशेषज्ञ तथा भारत में पहली महिला सर्जन जनरल थीं। आप नागर कोइल में ट्यूबरकुलोसिस सेनाटोरियम और एक्सरे एवं रेडियम संस्थान, तिरुवनंतपुरम की संस्थापक थीं, ट्रावणकोर की रियासत में स्वास्थ्य विभाग के प्रमुख के रूप में काम किया तथा राज्य की पहली महिला विधायक थीं। भारत सरकार ने 1975 में आपको चौथे सर्वोच्च भारतीय नागरिक पुरस्कार पद्मश्री से सम्मानित किया।





Captain Shoba K. Mani

**First Indian woman to setup an Airline namely
"North East Shuttles"**

Captain had a humble beginning with AP flying club in Hyderabad. She is the founder and Managing Director of North East Shuttles and has been instrumental in the setup and its successful operation in India. She introduced charter flights which started with one leased 9 seater Cessna Caravan aircraft and added two 18 seater Dornier 228, successfully connecting the smaller towns within the North Eastern region.

कैप्टन शोभा के मणि

"नार्थ ईस्ट शटल" नामक एयरलाइन स्थापित करने वाली पहली भारतीय महिला

कैप्टन शोभा के मणि ने हैदराबाद में ए.पी. फ्लाईंग क्लब से पायलट के रूप में अपने सपने की शुरुआत की।

आप नार्थ ईस्ट शटल एयरलाइन की संस्थापक प्रबंध निदेशक रही हैं तथा भारत में नार्थ ईस्ट शटल की स्थापना एवं सफल प्रचालन में सहायक रही हैं, जिसने एक लीज्ड 9 सीटर सेशना कारवां एयरक्राफ्ट शुरू किया तथा दो 18 सीटर डोरनियर 228 को शामिल किया जिसने पूर्वोत्तर क्षेत्र के छोटे कस्बों को सफलतापूर्वक जोड़ा।



Praveena Solomon

First woman to run a crematorium

Praveena Solomon is a crematorium manager of Chennai's oldest and busiest cremation ground. She is responsible for the upkeep of the crematorium. She also motivates other women in adding greenery to the premises and improving the environment in crematoriums.

प्रवीणा सोलोमन

शवदाह गृह चलाने वाली पहली महिला

अन्ना नगर में वेलनकाडू शवदाह गृह में ओवरसियर के रूप में काम करने वाली प्रवीणा सोलोमन साधारण कामकाजी महिलाओं से काफी भिन्न हैं।

प्रवीणा सोलोमन इंडियन कम्युनिटी वेलफेयर आर्गेनाइजेशन नामक एनजीओ के लिए शवदाह गृह में केयर टेकर के रूप में काम करती हैं, जो 3 साल पहले ग्रेटर चेन्नई कॉर्पोरेशन के साथ अनुबंध के तहत शवदाह गृह का रखरखाव करता है।





Sakshi Malik

First Indian woman wrestler to win an Olympic medal

Sakshi's momentous victory in the 58 kg category at the 2016 Summer Olympics made every Indian proud. She became the first Indian female wrestler to win a medal at the Olympics. She is also the fourth female Indian athlete to win an Olympic medal.

In the 2014 Commonwealth Games in Glasgow, Scotland, she won the Silver Medal in the 58 kg category. She fetched the Bronze Medal at the 2015 Senior Asian Wrestling Championships in the 60 kg in Doha and won silver in the women's 60 kg category at the Senior Asian Wrestling Championships 2017.

साक्षी मलिक

ओलम्पिक पदक जीतने वाली पहली भारतीय महिला पहलवान

भारतीय फ्री स्टाइल पहलवान साक्षी मलिक समर ओलम्पिक 2016 में 58 किलो वर्ग में कांस्य पदक जीत कर और ओलम्पिक में पदक जीतने वाली पहली भारतीय महिला बनीं। आप ओलम्पिक पदक जीतने वाली चौथी भारतीय महिला एथलिट भी हैं। रियो में कांस्य पदक से पहले आपकी सबसे बड़ी उपलब्धि ग्लासगो, स्कॉटलैंड में राष्ट्रमंडल खेल 2014 में थी, जहां आपने 58 किलो वर्ग में रजत पदक जीता था। आपने 9 माह बाद दोहा में 60 किलो वर्ग में वरिष्ठ एशियाई कुश्ती चैम्पियनशिप में कांस्य पदक भी जीता। 2017 में साक्षी ने नई दिल्ली में वरिष्ठ एशियाई कुश्ती चैम्पियनशिप में महिलाओं के 60 किलो वर्ग में रजत पदक जीता।



Dipa Karmakar

First Indian-woman gymnast to qualify for the Rio Olympics in 52 years

Dipa Karmakar at the age of 22, became the first Indian Woman Gymnast to qualify for the 2016 Rio Olympics. She was the first Indian woman to qualify for the finals of World Gymnastics Championships 2015. Her first accolade came at the 2014 Glasgow Commonwealth Games where she won a Bronze Medal. In the same year, she won Bronze at the Asian Championships in Hiroshima, Japan.

दीपा कर्माकर

52 वर्ष के इतिहास में रियो ओलिम्पिक में प्रथम महिला जिम्नास्ट

दीपा कर्माकर, 22 वर्ष की उम्र में, वर्ष 2016 में रियो ओलंपिक के लिए क्वालिफाई करने वाली पहली महिला जिम्नास्ट बन गई। विगत में, आज से 52 वर्ष पूर्व ग्रीष्मकालीन खेलों में भारतीय जिम्नास्ट ने अपना प्रदर्शन दिखाया था। आप वर्ल्ड जिम्नास्टिक चैम्पियनशिप 2015 के फाइनल के लिए क्वालिफाई करने वाली पहली भारतीय महिला भी बनी। वर्ष 2014 में आयोजित ग्लासगो कॉमनवेल्थ गेम्स में आपकी पहली बार प्रशंसा की गई जब आपने कांस्य पदक जीत कर इतिहास में पहली भारतीय महिला के तौर पर अपना नाम दर्ज किया है। आपने उसी वर्ष, जापान के हिरोशिमा, में एशियाई चैम्पियनशिप में कांस्य पदक जीता है।





Ishita Malaviya

India's first professional woman Surfer

Ishita began surfing in 2007 and later co-founded 'The Shaka Surf Club' in Coastal Karnataka in India. She holds credit of being the first Indian professional woman surfer. As a global ambassador for women's surfing, she has become the first Indian face to represent many international 'Surf' brands and has also starred in the award winning documentary surf film 'Beyond The Surface' that chronicles her life as the first recognised Indian woman surfer. Malaviya is passionate about raising awareness about the health of our oceans and her ambition is to promote the Indian coastline as an International Surfing destination.

इशिता मालवीय

भारत की पहली और एकमात्र पेशेवर महिला सर्फर

भारत की एकमात्र पेशेवर महिला सर्फर इशिता मालवीय ने भारत में कर्नाटक के तटीय 'शका सर्फ क्लब' के साथ-साथ 'कैप नामलोहा' नामक शिविर की स्थापना की। मालवीय ने 2007 में एक जर्मन 'एक्सचेंज छात्र' प्रोग्राम में भाग लेने के बाद सर्फिंग शुरू की थी। मालवीय, कोंकणी तट पर 'कोडी बेंगरे' नामक गांव से सर्फिंग क्लब का संचालन करती चलाती हैं। 2014 से वह रॉकसी सर्फ वियर की एक ब्रांड एंबेसडर के रूप में नियुक्त की जाने वाली एकमात्र भारतीय हैं। मालवीय ने कहा है कि उनकी एक महत्वाकांक्षा है कि भारत के तटीय क्षेत्रों का अंतरराष्ट्रीय सर्फिंग स्थलों के रूप में विकास किया जाए।





Siddhi Karnani

Founder of India's First Organic Food Startup, Paravata Foods

Siddhi Karnani co-founded Paravata Foods Pvt. Ltd, which is committed to produce high quality, adulteration - free organic products for the consumers. It is the first organisation to build an integrated value chain of organic produce from Sikkim, the 100% organic state in India. The mission behind the start-up was to uplift the farmers in North-East (NE) and Eastern India. The organization received the FICCI Millennium Alliance 2016 award, National Agripreneurs Award 2017 and Indian Agri Business Excellence Award 2017.

सिद्धी करनानी

भारत की पहली स्टार्टअप संस्थापक, जिन्होंने सिक्किम की स्थानीय पैदावार का, जिन्हें पर्वतीय खाद्य कहते हैं, उपयोग करके आर्गेनिक वस्तुओं का उत्पादन किया है।

सिद्धी करनानी ने 'पर्वता फूड्स प्राइवेट लिमिटेड' की स्थापना की। उन्होंने पूर्वोत्तर (एनई) और पूर्वी भारत के किसानों के उत्थान के लिए कैंपस प्लेसमेंट से हटकर कार्य करने का विकल्प चुना। 'पर्वता फूड्स', सिक्किम जो भारत का एकमात्र संपूर्ण आर्गेनिक राज्य है, के उच्च गुणवत्तापूर्ण, मिलावट रहित आर्गेनिक खाद्य पदार्थ/उत्पाद, उपभोक्ताओं तक पहुंचाने के प्रति प्रतिबद्ध हैं।

आपको कई पुरस्कारों से सम्मानित किया गया है, जिनमें एफआईसीसीआई मिलेनियम एलायंस 2016, नेशनल एग्रीप्रेन्योर्स अवार्ड 2017 और इंडियन एग्री बिजनेस एक्सलेंस अवार्ड 2017 शामिल हैं।





Radhika Aggarwal

Founder of 'Shopclues', crossed 1 billion dollars in revenue

Radhika Aggarwal is the co-founder and Chief Business Officer at ShopClues.com. Her impeccable work scenario and strategic initiatives made her the first Indian woman co-founder to enter the prestigious echelons of the Unicorn Club. She strongly believes in nurturing the right talent and gives each employee the freedom to express their creativity. Owing to her passion, she made the brand a house-hold name in less than 5 years. She received the CEO of the Year Award in 2016. The Brand currently has over 20 million listed products and 5,00,000+ merchants. ShopClues serves in over 30,000 pin codes across India and has more than 7,000 online brand stores.

राधिका अग्रवाल

भारत की प्रथम महिला संस्थापक जिसने 'शॉपक्लूस' की शुरुआत की और एक अरब डॉलर से भी अधिक राजस्व अर्जित किया

राधिका अग्रवाल शॉपक्लूस डॉट कॉम की सह-संस्थापक और मुख्य व्यवसाय अधिकारी हैं। वह यूनिकॉर्न क्लब के प्रतिष्ठित संघों में प्रवेश करने वाली प्रथम महिला सह-संस्थापक हैं। हाल ही में आपको एशिया अवार्ड्स 2016 द्वारा वर्ष के सीईओ के रूप में सम्मानित किया गया है। राधिका और सह-संस्थापक संजय सेठी ने 'शॉपक्लूस' को 20 लाख से अधिक सूचीबद्ध उत्पादों और 5,00,000 से अधिक व्यापारियों के साथ बाजार में सुस्थापित किया है। 30,000 से अधिक पिन कोडों के माध्यम से 'शॉपक्लूस' द्वारा पूरे भारत में सेवाएं प्रदान की जा रही हैं और इसमें 7000 से अधिक ऑनलाइन ब्रांड्स स्टोर हैं।



Pooja Warier

First Female Founder of an incubator "UnLTD" dedicated to social entrepreneurs

Pooja Warier is the co-founder & Director of UnLtd India & Journeys for Change. UnLtd India serves as a launchpad for early stage social entrepreneurs, tackling some of India's greatest social challenges. It provides 360 degree support to the social entrepreneurs; in their journey to transform an idea into a high impact venture ready for scale. Pooja was nominated as a TED India Fellow in 2009, a Young Global Leader by the World Economic Forum in 2013 and a Kamalnayan Bajaj Fellow in the Aspen Global Leadership Network in 2016.

पूजा वारियर

सामाजिक उद्यमियों के लिए समर्पित इन्क्यूबेटर "अन-लिमिटेड" की प्रथम महिला संस्थापक

पूजा वारियर अनलिमिटेड इंडिया की सह-संस्थापक हैं, जो भारत में प्रारंभिक चरण के सामाजिक उद्यमियों को ढूँढकर उन्हें आर्थिक सहायता प्रदान करने वाला एक अग्रणी संगठन है। वर्ष 2007 से 'अन लिमिटेड इंडिया' ने 146 सामाजिक उद्यमियों को सहायता प्रदान की है जिन्होंने आगे 2.5 लाख लोगों के जीवन को प्रभावित किया है और 80,000 से अधिक रोजगार सृजित किया है। पूजा, 'बॉम्बे कनेक्ट' की सह संस्थापक भी हैं जो पहली ऐसी सहकारी संस्था है जो भारत के सामाजिक उद्यमियों को, बदलाव के लिए भारत के वैश्विक स्तर पर अग्रणी सामाजिक उद्यमियों से सीखने के लिए आकर्षित करती है। आपको 2009 में टेड इंडिया फेलो के रूप में, वर्ष 2013 में वर्ल्ड इकोनॉमिक फोरम द्वारा युवा ग्लोबल लीडर, 2016 में एस्पेन ग्लोबल लीडरशिप नेटवर्क के तहत कमलनयन बजाज फेलो नामित किया गया था।





Sunita Sharma

First woman Cricket Coach

Sunita Sharma is a pioneer in Cricket. She was the first woman Cricket Coach of the Indian team and is the recipient of the prestigious Dronacharya award. She has trained several outstanding players at the National as well as International level who have brought laurels to the country.

She has served the Sports Authority of India for 35 years as a cricket coach. She led the cricket team as the Manager of Indian Women's Team for the T20 World Cup 2016, Sri Lanka Series, Asia Cup 2016, Australia Series and T20 Asia Cup.

सुनीता शर्मा

पहली महिला क्रिकेट कोच

सुनीता शर्मा वर्ष 2004-05 में, प्रतिष्ठित द्रोणाचार्य पुरस्कार से सम्मानित की जाने वाली प्रथम महिला हैं। आपने राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय स्तर पर कई श्रेष्ठ क्रिकेटर तैयार किए हैं जिन्होंने देश के लिए ख्याति अर्जित की है।

आपने भारतीय खेल प्राधिकरण के क्रिकेट कोच के रूप में 35 वर्षों तक अपनी सेवाएं प्रदान की हैं। इसके अलावा टी 20 वर्ल्ड कप 2016 के दौरान भारतीय महिला क्रिकेट टीम की प्रबंधक, श्रीलंका सीरीज-एशिया कप 2016, ऑस्ट्रेलिया में आयोजित 'ऑस्ट्रेलिया सीरीज' और प्रबंधक के तौर पर और एशिया कप में 'टी-20 चैंपियंस' में 'कोच एवं मैनेजर के तौर पर भारतीय महिला टीम के साथ रहीं। श्रीलंका में आयोजित विश्व कप क्वालिफायर 2017 के लिए भारत महिला क्रिकेट टीम के प्रबंधक के रूप में कार्य किया और उन्होंने मैच जीता।



Kalpana Chawla (Posthumous)

First Indian woman in space

Kalpana Chawla was an Indian American astronaut and the first woman of Indian origin in space. She first flew on Space Shuttle Columbia in 1997, as a mission specialist and primary robotic arm operator. In 2003, she had an untimely death. She was one of the seven crew members who had a fatal incident in the Space Shuttle. Chawla is a recipient of the Congressional Space Medal of Honour.

कल्पना चावला (मरणोपरांत)

अंतरिक्ष में जाने वाली प्रथम भारतीय महिला

कल्पना चावला एक भारतीय-अमेरिकी और अंतरिक्ष में भारतीय मूल की प्रथम महिला अंतरिक्ष यात्री थीं। आपने सर्वप्रथम वर्ष 1997 में अंतरिक्ष यान (स्पेस शटल) कोलंबिया में मिशन के विशेषज्ञ और प्राथमिक 'रोबोटिक आर्म' के रूप में उड़ान भरी। वर्ष 2003 में आप उन 7 क्रू-सदस्यों में से एक थी जो अंतरिक्ष यान के पृथ्वी के वातावरण में पुनः प्रवेश करने के दौरान अंतरिक्ष यान कोलंबिया के दुर्घटनाग्रस्त हो गया था। आपको 'कांग्रेसनल स्पेस मेडल ऑफ ऑनर' से सम्मानित किया गया।





Rajeshwari Chatterjee (Posthumous)

First Woman Scientist to pioneer the Field of Microwave Engineering and Antennae Engineering in India

Rajeshwari Chatterjee was an Indian scientist and academician. She was the first woman Engineer from Karnataka and also the first woman Faculty Member at the Indian Institute of Science (IISc), Bangalore. She later became the Chairperson of the Department of Electrical Communication Engineering. Her pioneering research was related to Microwave Engineering and Antennae and she produced high quality research which resulted in several papers and books. She received the Mountbatten Prize, J C Bose Memorial Prize and Ram Lal Wadhwa Prize for her outstanding work.

राजेश्वरी चटर्जी (मरणोपरांत)

भारत में माइक्रोवेव इंजीनियरी और एन्टीना इंजीनियरी के क्षेत्र की अग्रणी प्रथम भारतीय महिला वैज्ञानिक

राजेश्वरी चटर्जी एक भारतीय वैज्ञानिक और शिक्षाविद् थीं। आप कर्नाटक राज्य की प्रथम महिला इंजीनियर थी और भारतीय विज्ञान संस्थान (आईआईएससी), बंगलूरु की फैकल्टी की प्रथम महिला सदस्य थीं जो बाद में प्रोफेसर और इलेक्ट्रीकल कम्यूनिकेशन इंजीनियरिंग विभाग की अध्यक्ष बनीं। आप मुख्य अनुसंधान माइक्रोवेव इंजीनियरिंग और एन्टीना से संबद्ध थी और आपने उच्च गुणवत्तापूर्ण अनुसंधान किए जिन पर अनेक दस्तावेज और पुस्तकें छपीं। आपको अपने उत्कृष्ट कार्यों के लिए माउंटबेटन पुरस्कार, जेसी बोस मेमोरियल पुरस्कार तथा राम लाल वधवा पुरस्कार से सम्मानित किया गया।



Dr. Aban Mistry (Posthumous)

India's First Woman Tabla Maestro

A disciple of Pt. Keki S. Jijina, Ustad Amir Hussain Khan (tabla) and Pt. Laxmanrao Bodas (vocal), Dr. Aban E. Mistry is renowned for being India's first lady Tabla Maestro. Dr. Aban E. Mistry, PhD, has served several universities as a mentor, a jury member and a visiting professor. Her solo tabla performances, in India and abroad, won her awards from prestigious organizations.

डॉ. अबन मिस्त्री (मरणोपरांत)

भारत की प्रथम महिला तबला वादक

पंडित केकी एस. जिजिना, उस्ताद अमीर हुसैन खान (तबला) और पंडित लक्ष्मण राव बोडास (वोकल) की शिष्या डॉ० अबन ई. मिस्त्री, भारत की प्रथम महिला तबला वादक कलाकार के रूप में प्रसिद्ध हैं। आपने महाराष्ट्र में 'भज.' नामक गुफाओं की प्राचीन दीवारों की खोज करके, जिसमें महिला को तबला बजाते हुए दिखाया गया है। उन्होंने इस मिथक को समाप्त कर दिया कि पारसी खुसरो ने भारत में तबला की शुरुआत की थी। आप विभिन्न विश्वविद्यालयों के साथ मेंटर, जूरी सदस्य और अतिथि प्रोफेसर के तौर पर जुड़ी हुई थीं। आपके एकल तबला प्रदर्शन से आपको भारत और विदेशों में प्रतिष्ठित संगठनों ने पुरस्कृत किया गया।





Dr. Bharati Lavekar

First MLA to launch India's first Digital bank for sanitary pads

MLA of Versova Constituency, Mumbai, Dr. Lavekar is a multi-faceted and award-winning social worker recognized for her work and dedication to the field. She has been active in public life for more than 25 years. She stressed on the importance of protecting and nurturing the girl child through the Beti Bachao Beti Padhao campaign.

She established the TEE Foundation, an NGO, with the vision to tackle women issues related to female foeticide, sanitation, hygiene and education. TEE Foundation has set up Sanitary Pad ATMs and Disposal Machines in schools and public places and also distributes Menstrual Health Kits in schools.

डॉ भारती लावेकर

सेनेटरी पैड्स का प्रथम डिजिटल बैंक की शुरुआत करने वाली पहली विधायक

आपको वसोवा विधान क्षेत्र, मुम्बई के विधायक, एक बहुमुखी प्रतिभा पुरस्कार प्राप्त जानी-मानी सामाजिक कार्यकर्ता और अपने क्षेत्र की समर्पित महिला के रूप में जाना जाता है। वह सार्वजनिक जीवन में 25 से अधिक वर्षों से सक्रिय हैं। उन्होंने महिला सशक्तीकरण के प्रति बेटी बचाओ अभियान के माध्यम से बालिकाओं के संरक्षण और पालन पोषण के महत्व पर जोर दिया है।

आपने टीईई फाउंडेशन की स्थापना की है और इसकी अध्यक्षता हैं। यह एक एनजीओ है जिसका एकमात्र उद्देश्य बालिका भ्रूण हत्या, सफाई-स्वच्छता, स्वास्थ्य-परकता और महिलाओं की शिक्षा से संबंधित समस्याओं का समाधान करना है। टीईई फाउंडेशन ने स्कूलों, सार्वजनिक स्थानों पर सेनिटरी पैड एंड एटीएम और डिस्पोजल मशीन स्थापित की हैं और स्कूलों में मासिक धर्म स्वास्थ्य किटों के वितरण की भी व्यवस्था की है।



Mithali Raj

First Woman Cricketer to record 6000 run mark

Indian skipper Mithali Raj has become the first player in the history of Women ODI cricket to have crossed 6000 career runs. Mithali reached the milestone in India's ICC Women's World Cup 2017 match against Australia. She is now the all-time highest run-scorer in women's cricket, surpassing the record previously held by England's Charlotte Edwards.

मिताली राज

6000 रन से भी अधिक रन बनाने वाली पहली महिला क्रिकेट खिलाड़ी

भारतीय महिला क्रिकेट टीम की कप्तान मिताली राज महिला एक दिवसीय क्रिकेट में 6000 से अधिक रन बनाने वाली पहली खिलाड़ी बन गई हैं। आपने आस्ट्रेलिया के विरुद्ध भारत के आईसीसी महिला विश्व कप 2017 में उपलब्धि हासिल की है। अब आप ने इंग्लैंड की चार्ली एडवर्ड्स के पिछले रिकार्ड को तोड़कर महिला क्रिकेट में उच्च स्कोर प्राप्त करने वाली पहली महिला खिलाड़ी बन गई हैं।





Sucheta Pal

First Indian to attain the position of Global Brand Ambassador for India as the Master Trainer in Zumba

Sucheta Pal, popularly known as the Zumba queen of India, is responsible for pioneering the program in the country and for its phenomenal success and rise in popularity. After training and teaching in the United States, this engineer turned celebrity fitness trainer returned to the country in 2012 and is now the leading Zumba Education Specialist & Global Brand Ambassador and an International presenter.

Her passion has inspired an entire nation to courageously pursue alternate careers and follow their dreams.

सुचेता पाल

जुम्बा में मास्टर ट्रेनर के रूप में भारत के लिए वैश्विक ब्रांड अम्बेसडर की स्थिति हासिल करने वाली पहली महिला

भारत की 'जुम्बा क्वीन' के तौर पर प्रसिद्ध सुचेता पाल देश में इस कार्यक्रम को चलाने इसकी असाधारण सफलता और लोकप्रियता के लिए उत्तरदायी हैं। संयुक्त राज्य अमेरिका में अपनी शिक्षा और पढ़ाई के पश्चात इंजीनियर से फिटनेस प्रशिक्षक के तौर पर प्रसिद्ध महिला के रूप में अब आप जुम्बा शिक्षा विशेषज्ञ और ग्लोबल ब्रांड अम्बेसडर के तौर पर अंतरराष्ट्रीय ख्याति प्राप्त महिला हैं। उनके जूनून और इच्छा ने पूरे देश को अपने सपनों को पूरा करने के लिए वैकल्पिक व्यवसायों को चुनने के लिए प्रोत्साहित किया है।



Dr. S. Padmavati

The First Woman Cardiologist in India

Dr. Padmavati did her post graduate studies in the U.K and specialized in Cardiology in Sweden and USA (Johns Hopkins Hospital and Harvard University). She is responsible for the development of the All India Heart Foundation, an NGO working for preventive Cardiology. It is now a centre for Public Health Education, Research, Capacity Building and Population Outreach. She set up the National Heart Institute in India to further these objectives and it has now developed into a Tertiary Care Centre of excellence in Delhi. She has been closely involved in International Cardiology under WHO (Member Expert Committee on CV disease).

डॉ० एस. पद्मावती

भारत की प्रथम महिला कार्डिओलॉजिस्ट

डॉ० पद्मावती का जन्म 20 जून, 1919 को बर्मा में हुआ और मैडिकल कॉलेज, रंगून से उन्होंने एम.बी. बी.एस. में डिग्री प्राप्त की। आपने अपना स्नातकोत्तर अध्ययन यू.के. (लंदन और एडिन) में पूरा किया और स्वीडन व संयुक्त राज्य अमेरिका (जॉन हॉपकिन्स अस्पताल और हार्वर्ड विश्वविद्यालय से कार्डिओलॉजी में विशेषज्ञता प्राप्त की। आपने हृदयरोग के निवारण हेतु आल इंडिया हार्ट फाउंडेशन को एक महत्वपूर्ण एनजीओ के रूप में विकसित करने का उत्तरदायित्व लिया। अब यह केंद्र एक सार्वजनिक स्वास्थ्य शिक्षा केंद्र, अनुसंधान, क्षमता निर्माण और सार्वजनिक पहुंच का एक केंद्र है। इन उद्देश्यों की पूर्ति के लिए आपने भारत में नेशनल हार्ट इंस्टीट्यूट की स्थापना की है जो कि दिल्ली में उत्कृष्टता की दृष्टि से देखभाल तीन गुणा बड़ा केंद्र हो गया है। आप विश्व स्वास्थ्य संगठन के तहत अंतरराष्ट्रीय कार्डिओलॉजी में (सीवी रोग पर विशेषज्ञ समिति के सदस्य के रूप में) बहुत गहन रूप से संबद्ध हैं।





Sajida Khan

First Female Music Technician

Sajida Khan has more than 10 years of professional experience as an Audio Engineer. She also contributed as the Audio Engineer for the National Award winning film "Aadvi Na Thalli Roh". She ventured into various platforms of Arts and Theatre and won the National Award for singing. As a professional Audio Engineer, she has handled many works like Movie Dubbing, Sound Effects, Background Music, Complete Audio mix for Telugu and Tamil Movies, Songs & Albums (Political, Coal Mines, Devotional songs & many Other) Jingles, Tele serials, Documentaries, All India Radio Recordings and Radio Serials, TV Advertisements & Films.

साजिदा खान

प्रथम महिला म्यूजिक तकनीशियन

साजिदा खान को ऑडियो इंजीनियर के रूप में दस वर्षों से अधिक का पेशेवर अनुभव है। आपने राष्ट्रीय पुरस्कार विजेता फिल्म "आदवी ना थल्ली रोह" के लिए भी ऑडियो इंजीनियर के रूप में योगदान दिया। आपने आर्ट्स एंड थियेटर के विभिन्न प्लेटफार्मों का पता लगाने के लिए कदम उठाया और गायन के लिए राष्ट्रीय पुरस्कार जीता एवं पियानो प्लेइंग के लिए प्रशंसा हासिल की। एक पेशेवर ऑडियो इंजीनियर के रूप में, आपने कई काम जैसे मूवी डबिंग, ध्वनि प्रभाव, पृष्ठभूमि संगीत, तेलुगू और तमिल फिल्मों के लिए पूर्ण ऑडियो मिक्स, गाने और एलबम जिंगल्स में काम किया है। टेलीविजन धारावाहिकों, वृत्तचित्र, आल इंडिया रेडियो रिकॉर्डिंग और रेडियो धारावाहिक, टीवी विज्ञापन तथा विज्ञापन फिल्मों में ऑडियो इंजीनियर के रूप में काम किया है।



Fathima Beevi

First Female Judge to be appointed to the Supreme Court

M. Fathima Beevi was the First Female Judge to be appointed to the Supreme Court of India (1989). On her retirement from the court she served as a member of the National Human Rights Commission and as the Governor of Tamil Nadu from 1997 to 2001. She received the Hon. D. Litt and Mahila Shiromani Award, in 1990. She was also honoured with the Bharat Jyoti Award and the US-India Business Council (USIBC) Life Time Achievement Award.

फातिमा बीवी

माननीय सर्वोच्च न्यायालय के लिए नियुक्त की जाने वाली प्रथम महिला जज

एम.फातिमा बीवी भारत के सर्वोच्च न्यायालय (1989) के लिए नियुक्त होने वाली पहली महिला न्यायाधीश और उच्चतम न्यायपालिका के लिए नियुक्त की जाने वाली पहली मुस्लिम महिला थीं। कोर्ट से सेवा निवृत्त हो जाने पर, आपने राष्ट्रीय मानवाधिकार आयोग के सदस्य के रूप में और वर्ष 1997 से 2001 तक तमिलनाडु के राज्यपाल के रूप में सेवा की। आपने मानद डी.लिट की उपाधि प्राप्त की। आपको वर्ष 1990 में महिला शिरोमणी पुरस्कार से सम्मानित किया गया। आपको भारत ज्योति पुरस्कार और यूएस-इंडिया बिजनेस काउंसिल (यूएसआइबीसी) द्वारा लाइफ टाइम अचीवमेंट अवार्ड से भी सम्मानित किया गया।





Kamala Sohoni (Posthumous)

First Indian Woman with Ph.D. In Science

She was the first lady to get admission to IISc, Bangalore, headed then by Nobel laureate Prof. C.V. Raman. After MSc, she was awarded with various scholarships, which enabled her to study at Cambridge University, England. She also received travelling fellowship of the American Federation of University Women - first Indian lady to receive this award. In 1939, she became the first Indian lady to receive PhD in Science. In 1949, she was appointed as the Head of newly started Biochemistry Department at Institute of Science, Bombay (Mumbai). She became Director of the Institute, the first Indian lady to head any scientific research Institute.

कमला सोहोनी (मरणोपरांत)

विज्ञान में पीएच.डी करने वाली प्रथम भारतीय महिला

आप आईआईएससी, बेंगलोर में प्रवेश पाने वाली पहली महिला थीं। एमएससी करने के बाद आपको विभिन्न छात्रवृत्ति से सम्मानित किया गया जिसने आपको कैम्ब्रिज यूनिवर्सिटी, इंग्लैंड में अध्ययन करने के लिए सक्षम बनाया। आपको अमेरिकन फेडरेशन की ट्रेवलिंग फेलोशिप भी मिली। जिसे प्राप्त करने वाली आप पहली भारतीय महिला थीं। वर्ष 1939 में, आप विज्ञान में पीएचडी प्राप्त करने वाली पहली भारतीय महिला बनीं। वर्ष 1949 में आपको इंस्टीट्यूट ऑफ साइंस, बॉम्बे (मुंबई) में नए शुरू किए गए जैव रसायन विभाग के प्रमुख के रूप में नियुक्त किया गया। आप संस्थान की निदेशक बनी किसी भी वैज्ञानिक अनुसंधान संस्थान की प्रमुख भारतीय महिला।



Sania Mirza

First Indian Woman to be ranked no. 1 in Women's Tennis Association (WTA) Double rankings

Sania is a professional tennis player who was formerly ranked No. 1 in the women's Doubles Rankings. In her singles career, Mirza has notable wins over her international counterparts. She is the highest-ranked female player ever from India, peaking at world No. 27 in singles in mid-2007. She has achieved a number of firsts for women's tennis in her native country, including winning a singles Pro-level title.

सानिया मिर्जा

महिला टेनिस एसोसिएशन (डब्ल्यूटीए) डबल रैंकिंग में प्रथम रैंक प्राप्त करने वाली प्रथम भारतीय महिला

सानिया भारत की टेनिस खिलाड़ी है जो महिला डबल रैंकिंग में प्रथम रैंक पर रही हैं। आप का भारत में महिला खिलाड़ियों में सबसे ऊपर स्थान है और आप वर्ष 2007 के मध्य एकल करियर में विश्व में 27वां रैंक प्राप्त करने में सफल रहीं। आपने डबल क्षेत्र में मेहनत की जहां आप विश्व में प्रथम रैंक प्राप्त करने में सफल रहीं। आपने सिंगल प्रो-लेवल टाइटल जीतने के साथ-साथ, छह बड़े खिताब जीते (महिला डबल और मिक्सड डबल प्रत्येक में तीन) तथा स्वदेश में महिला टेनिस में प्रथम स्थान प्राप्त किया।





Beno Zephine

First visually-impaired Woman to join the Indian Foreign Service

Beno is India's first 100% visually impaired Indian Foreign Service Officer of the Country, after having secured 343 rank in the Civil Service Examinations conducted by UPSC, Beno Zephine is currently deputed to the Embassy of India, Paris, as Language Trainee.

Beno attended Global Young Leaders Conference in USA in 2008 and this boosted her confidence further. She is the recipient of Woman of the Year Award by Deccan Chronicle and best Woman by Ritz Magazine. She received several awards for her oratory skills.

बेनो जेफिने

भारतीय विदेश सेवा ज्वाँइन करने वाली प्रथम दृष्टिहीन भारतीय महिला

बेनो जेफिन प्रथम शत प्रतिशत दृष्टिहीन भारतीय विदेश सेवा अधिकारी हैं। आपने वर्ष 2013-14 के सिविल सेवा परीक्षा में 343वां रैंक प्राप्त किया। बेनो का जन्म 1990 में चेन्नई में हुआ और स्कूल की पढ़ाई दृष्टिहीनों के लिए लिटिल लवर कॉन्वेंट हाईयर सेकेंडरी स्कूल, चेन्नई में हुई। आपने अंग्रेजी साहित्य में अंडर-ग्रेजुएशन स्टेला मारिस कॉलेज, चेन्नई से की और पोस्टग्रेजुएशन लोयोला कॉलेज, चेन्नई से की।



Rajani Gopalkrishna

First visually impaired Chartered Accountant with disability

Rajani Gopalkrishna is first visually impaired women Chartered Accountant. Medical negligence by doctor when she was 9 deteriorated her sight gradually leading to blindness. Ever since then she has been transcending the barriers through her will-power, positive-approach and consistent-perseverance. She is an astute professional and compassionate woman. Her current employment enables her to blend her professional pursuit and her willingness to give back to society. As a volunteer she has been constantly inspiring, mentoring and guiding students to pursue studies and lead respectful dignified life. She is earnestly striving towards inclusive barrier-free society.

रजनी गोपालकृष्ण

प्रथम दिव्यांग चार्टर्ड अकाउंटेंट

रजनी गोपालकृष्ण प्रथम दृष्टि बाधित महिला चार्टर्ड अकाउंटेंट है। जब आप 9 वर्ष की थीं, डॉक्टर द्वारा चिकित्सकीय लापरवाही ने आपकी दृष्टि बिगाड़ दी। तब से ही आप अपनी इच्छाशक्ति, सकारात्मक दृष्टिकोण और सतत दृढ़ता से चुनौतियों को चुनौती दे रही हैं। आप एक दक्ष पेशेवर और दयालु महिला हैं। आपका वर्तमान रोजगार आपको अपने पेशेवर लक्ष्य और समाज के साथ फिर से जुड़ने की इच्छा संबंधी युग्मता को सक्षम बनाता है। एक स्वयंसेवक के रूप में आप छात्रों को सामान्य रूप से और विकलांगों को विशेष रूप से पढ़ाई करने और गरिमापूर्ण जीवन व्यतीत करने के लिए निरन्तर प्रेरणा, परामर्श और मार्गदर्शन देती रही हैं। आप समाज को बंधन रहित और समावेशी बनाने की दिशा में सतत प्रयासरत हैं।





Vijayalakshmi Subbaraman

First Female Grandmaster (Chess)

Vijayalakshmi Subbaraman is the first female player in India who holds the FIDE titles of Woman Grandmaster and International Master. Vijayalakshmi has won the maximum medals than any other player for India in the Chess Olympiads. In 1996, she was awarded the Woman International Master title at the FIDE Zonal tournament in Chennai. Vijayalakshmi became the first Indian to achieve the title of Woman Grandmaster (WGM) in 2001. She also won the title of International Master (IM) at the Chess Olympiad 2000. In 2001, the Government of India honored her with the Arjuna Award.

विजयलक्ष्मी सुब्बारमण

प्रथम महिला ग्रांड मास्टर (शतरंज)

विजयलक्ष्मी सुब्बारमण का जन्म 25 मार्च 1979 को हुआ। आप भारत की ऐसी प्रथम महिला हैं जिनके पास वूमन ग्रांड मास्टर तथा इन्टरनेशनल मास्टर के फाइड टाइटल्स हैं। विजयलक्ष्मी ने चैस ओलम्पियाड्स में भारत के लिए किसी अन्य खिलाड़ी की तुलना में सबसे ज्यादा मैडल जीते हैं। आपको वर्ष 1996 में, चैन्नई में आयोजित फाइड ज़ोनल टूर्नामेंट में महिला इन्टरनेशनल मास्टर का टाइटल नवाजा गया था। विजयलक्ष्मी वर्ष 2001 में महिला ग्रांड-मास्टर (डब्ल्यूजीएम) का तमगा हासिल करने वाली प्रथम भारतीय महिला बनी। आपने वर्ष 2000 में आयोजित चैस ओलम्पियाड में इन्टरनेशनल मास्टर का टाइटल भी जीता। वर्ष 2001 में भारत सरकार ने आपको अर्जुन पुरस्कार से सम्मानित किया।



Neelu Rohmetra

First woman to head an IIM

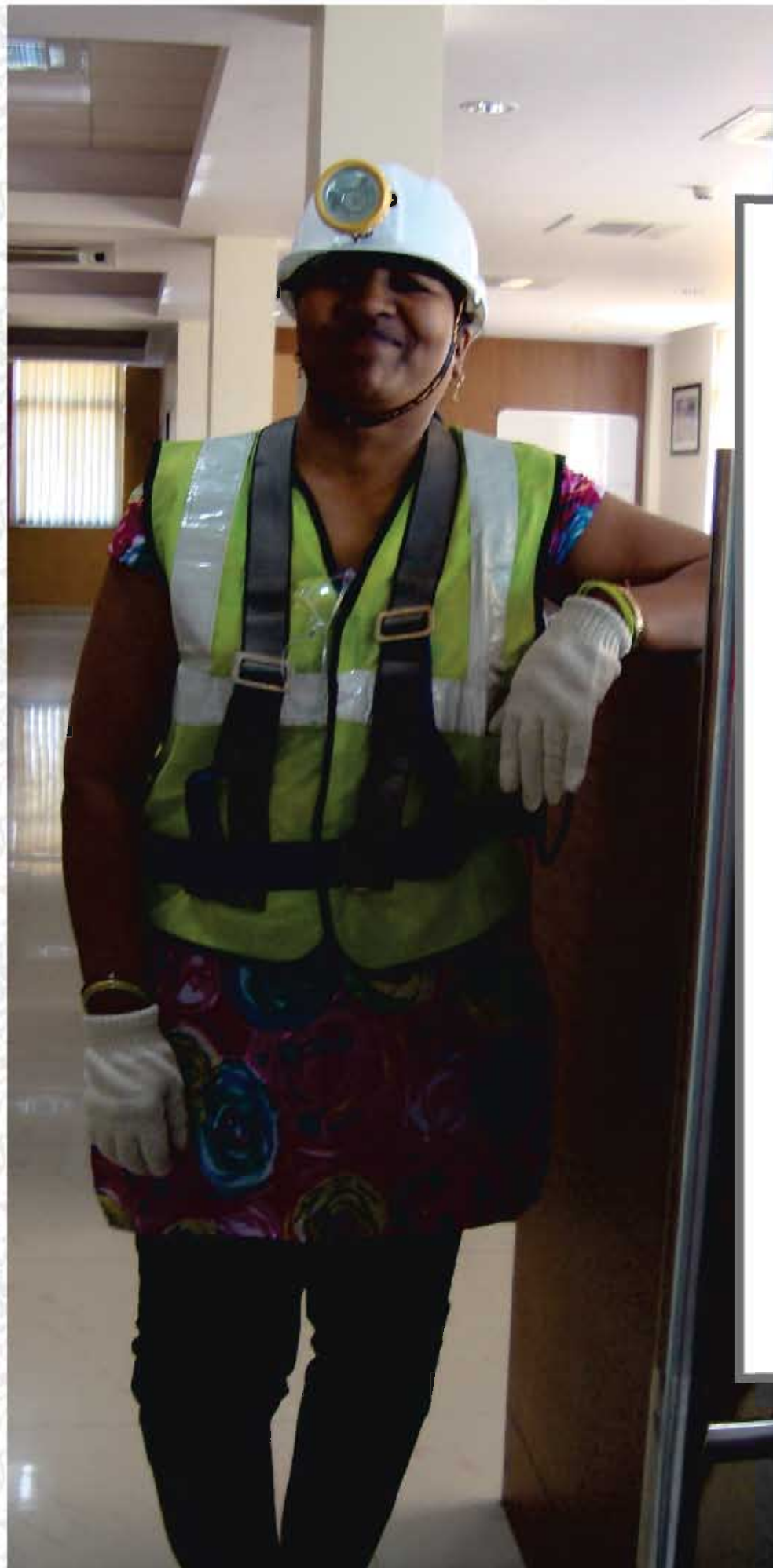
Professor Neelu Rohmetra, is the Director of Indian Institute of Management Simaur (IIMS), Himachal Pradesh; the first ever woman Director to head any IIM, assuming the role on March 09, 2017. She is a US State Department Alumnus, USIEF Fulbright Fellow and Post-Doctoral Commonwealth Fellow, UK. With 5 gold medals to her credit for meritorious academic achievements, Professor Rohmetra has participated in the International Visitor Leadership Programme (IVLP) USA (2006) and has also been Visiting Fellow to EAP-European School of Management, Oxford, UK, (1998). She is the recipient of AICTE Govt. of India Career Award for Young Teachers below 35 years of age (1999), AICTE Research Promotions Scheme Award (2004), Association of Indian Management Schools Best Teacher Award (2007).

नीलू रोहमेत्रा

आईआईएम की अध्यक्ष बनने वाली प्रथम महिला

प्रोफेसर नीलू रोहमेत्रा वर्तमान में भारतीय प्रबंधन संस्थान, सिमौर (आईआईएम), हिमाचल प्रदेश की निदेशक हैं। किसी भी आईआईएम की अध्यक्ष बनने वाली प्रथम महिला निदेशक हैं, जिन्होंने 09 मार्च, 2017 को पद का कार्यभार संभाला। आप अमेरिकी स्टेट डिपार्टमेंट की पूर्व छात्रा, यूएसआईआईएम की फुलब्राइट फेलो और यूके की पोस्टडॉक्टोरल कॉमनवेल्थ फेलो हैं। आपको वर्ष 1985 में, डॉ. एस.राधाकृष्णन विश्वविद्यालय, जम्मू का बेस्ट ग्रेजुएट अवार्ड मिला। मेधावी अकादमिक उपलब्धियों के लिए अपने पांच स्वर्ण पदक के साथ, प्रोफेसर रोहमेत्रा ने इंटरनेशनल विजिटर लीडरशिप प्रोग्राम (आईवीएलपी) यूएसए (2006) में भाग लिया है और आप आईपी-यूरोपीय स्कूल ऑफ मैनेजमेंट, ऑक्सफोर्ड, यूके (1998) की विजिटिंग फेलो भी हैं। आपको 35 वर्ष से कम उम्र के युवा शिक्षकों के लिए भारत सरकार के एआईसीटीई कैरियर पुरस्कार (1999), एआईसीटीई अनुसंधान प्रचार योजना पुरस्कार (2004) एसोसिएशन ऑफ इंडियन मैनेजमेंट स्कूल बेस्ट टीचर अवार्ड (2007) भी मिला है।





Chandrani Prasad Verma

First Female Mining Engineer

Dr. Chandrani Prasad Verma, Ph.D. (Mining), M.Tech (Mining), B.E. (Mining) and Diploma in Mining and Mine Surveying is a Principal Scientist, CSIR-CIMFR, Regional Centre, Nagpur, Ministry of S&T. Born and brought up in Chandrapur district of Maharashtra, she graduated with First Merit position in University and joined CIMFR [erstwhile CMRI] as Research Fellow with 1.5 years teaching experience. She received CSIR-JRF Fellowship in 2003 and 26th All India Rank in GATE-2003 examination. She has more than 12 yrs experience in the field of Rock Mechanics and Numerical Modelling with special reference to Mine Design in coal as well as metal mine sector.

डा. चन्द्रानी प्रसाद वर्मा

प्रथम महिला खनन अभियंता

डा. चन्द्रानी प्रसाद वर्मा, पीएचडी (खनन), एम.टैक (खनन), बीई (खनन) और खनन एवं खान सर्वेक्षण में डिप्लोमा धारक तथा सीएसआईआर-सीआईएमएफआर, क्षेत्रीय केन्द्र, नागपुर, विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी मंत्रालय की प्रधान वैज्ञानिक हैं। आप महाराष्ट्र के चंद्रपुर जिले में पैदा हुई थीं और वहीं पली-बढ़ी थीं। आपने विश्वविद्यालय में प्रथम मेरिट पोजिशन से स्नातक की परीक्षा पास की और 1.5 साल के शिक्षण अनुभव के साथ रिसर्च फेलो के रूप में सीआईएमएफआर (पूर्ववर्ती सीएमआरआई) ज्वाइन किया। आपने वर्ष 2003 में सीएसआईआर-जेआरएफ फेलोशिप प्राप्त की और गेट-2003 की परीक्षा में 26वां अखिल भारतीय रैंक प्राप्त किया। आपने वर्ष 1999 में डीजीएमएस द्वारा आयोजित गैस टैस्टिंग परीक्षा पास की। आपको कोयले के साथ-साथ धातु खदान क्षेत्र के विशेष संदर्भ के साथ रॉक मैकेनिक्स और न्यूमेरिकल मॉडलिंग के क्षेत्र में 12 वर्ष से भी अधिक का अनुभव प्राप्त है। आपने विभिन्न राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय पत्रिकाओं में 32 से अधिक तकनीकी पेपर्स प्रकाशित किए हैं और प्रतिष्ठित संस्थानों में 10 तकनीकी व्याख्यान दिए हैं।



Naina Lal Kidwai

First Woman President of FICCI

Naina Lal Kidwai was elected President FICCI (Federation of Indian Chambers of Commerce & Industry) in 2013 - the first woman to head FICCI in its 86 years. She is Chairman, Max Financial Services and Advent Private Equity; a Non-Executive Director on the global board of Nestle, CIPLA Ltd and Larsen and Toubro. In 2006 she was appointed CEO of HSBC becoming the first woman to head a bank in the private sector in India. She is the recipient of numerous awards and honors in India including the Padma Shri.

नैना लाल किदवाई

फिक्की की प्रथम महिला अध्यक्ष

नैना लाल किदवाई को वर्ष 2013 के लिए फिक्की (फेडरेशन ऑफ इंडियन चैम्बर्स ऑफ कॉमर्स एंड इंडस्ट्री) के अध्यक्ष के रूप में चुना गया। नैना लाल किदवाई फिक्की के अपने 86 वर्षों में नेतृत्व करने वाली प्रथम महिला हैं। आप मैक्स फाइनेंशियल सर्विसिज की अध्यक्ष हैं और ग्लोबल बोर्ड ऑफ नेस्ले, सिपला लिमिटेड तथा लार्सन एंड टुब्रो की एडवेंट प्राइवेट इक्विटी की एक गैर-कार्यकारी निदेशक हैं। आप वर्ष 2006 में एचएसबीसी की सीईओ नियुक्त कि गईं और भारत में निजी क्षेत्र के बैंक का नेतृत्व करने वाली प्रथम महिला बनीं। आप एचएसबीसी एशिया पैसिफिक की कार्यकारी निदेशक और एचएसबीसी इंडिया की चेयरमैन के रूप में दिसम्बर, 2015 में सेवा निवृत्त हुईं।

आपको भारत में पद्मश्री सहित अनेकों पुरस्कारों एवं अवार्ड्स से सम्मानित किया गया है। जल और पर्यावरण में आपकी दिलचस्पी शक्ति सस्टेनेबल एनर्जी फाउंडेशन, इन्क्वायरी ऑफ यूनाइटेड नेशन्स एन्वायरन्मेंट प्रोग्राम (यूएनईपी) आदि की अंतर्राष्ट्रीय सलाहकार परिषद के साथ आपके कार्यों में प्रतिबिंबित होता है।





Anila Jacob

First Woman Sculptor to Receive a National Award in 1965

Her works are displayed (Metal, Wood & Granite) in Delhi Lalit Kala Academy, in the Modern Art Museums, Bangalore and Cholamandal Artists' Village Chennai. Her granite sculptures are in Palakkad Fort, Calicut Beach and Bastian Garden at Fort Cochin, Kerala. A recent installation of a metal sculpture (Copper, Bronze & Brass) and Teak wood is at International Arrival Hall, Terminal Number 3 at the Cochin International Airport.

अनिला जेकब

राष्ट्रीय पुरस्कार प्राप्त करने वाली प्रथम महिला मूर्तिकार

अनिला जेकब का जन्म (1941) कोट्टायम, केरल में हुआ। आप चोलमंडल आर्टिस्ट ग्राम चेन्नई की सदस्या हैं। दिल्ली में ललित कला अकादमी और दिल्ली में आधुनिक कला संग्रहालय, बेंगलोर और चोलमंडल आर्टिस्ट्स ग्राम चेन्नई में आपके धातु, लकड़ी और ग्रेनाइट के काम हैं। आपके द्वारा बनाई गई ग्रेनाइट की मूर्तियां, पालक्कड फोर्ट, कालीकट बीच और बास्तियन गार्डन, फोर्ट कोचीन केरल में स्थापित हैं। हाल ही में, धातु (तांबा, कांस्य और पीतल) तथा सागौन की लकड़ी से बनाई गई एक मूर्ति अन्तराष्ट्रीय आगमन हॉल, टर्मिनल नम्बर 3, कोचीन अन्तराष्ट्रीय हवाई अड्डे पर स्थापित की गई है।



Shobana Kamineni

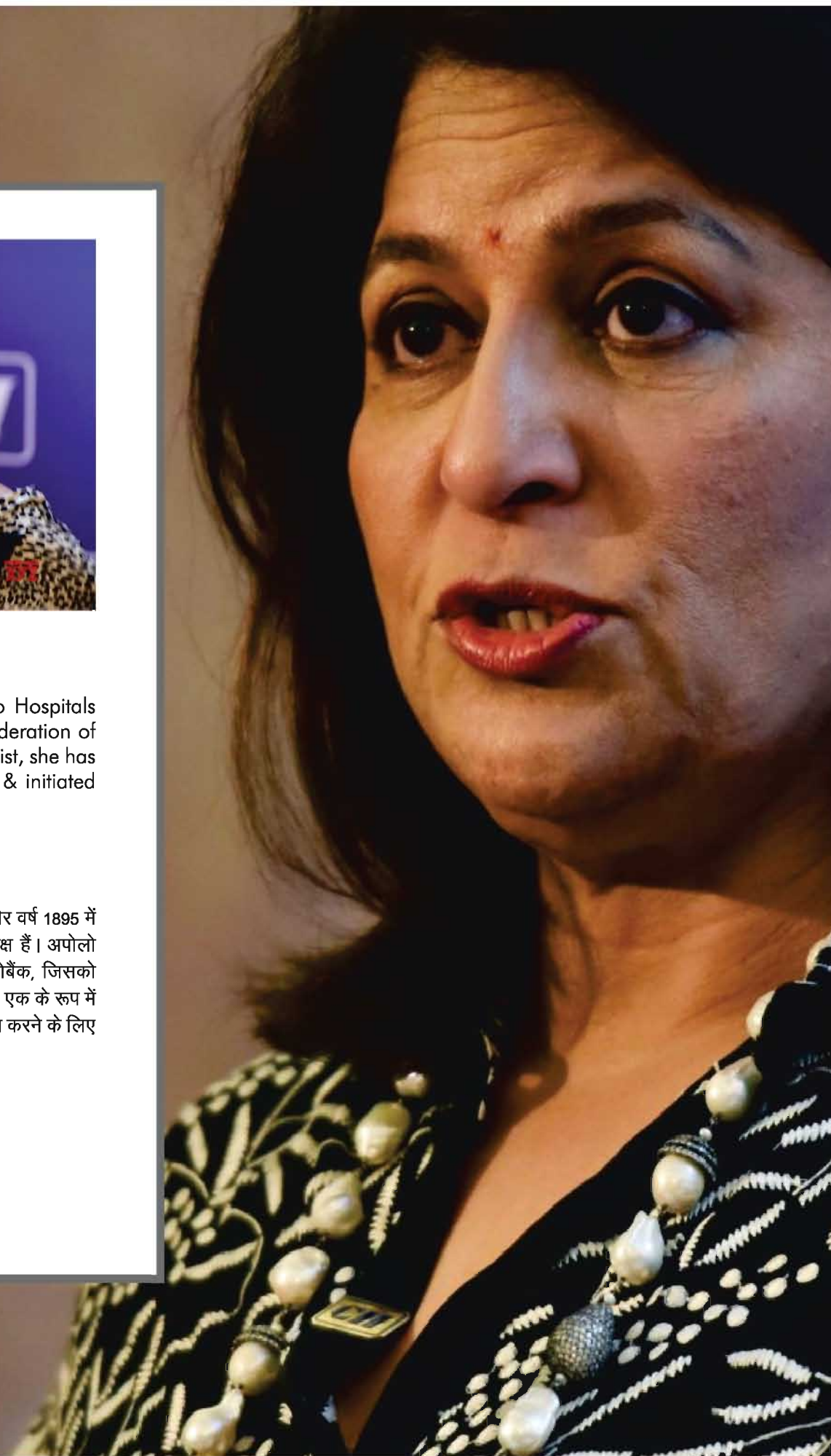
First woman Head of CII

Shobana Kamineni is the Executive Vice Chairperson of Apollo Hospitals Enterprise Limited and is the first woman President of the Confederation of Indian Industry (CII), since it began in 1895. A visionary industrialist, she has been able to anticipate changes in the economic environment & initiated development driven projects.

शोभना कमिनेनी

सीआईआई की प्रथम महिला अध्यक्ष

शोभना कमिनेनी अपोलो हॉस्पिटल एंटरप्राइज लिमिटेड की कार्यकारी उपाध्यक्ष हैं और वर्ष 1895 में शुरू होने के बाद से भारतीय उद्योग परिसंघ (सीआईआई) की पहली महिला अध्यक्ष हैं। अपोलो रिसर्च एंड इनोवेशन, भारत में सबसे बड़ा नैदानिक मान्यकरण प्लेटफॉर्म तथा बायोबैंक, जिसको आपने इन्क्यूबेट किया, जिसे टाइम मैगजीन द्वारा जीव विज्ञान में शीर्ष 10 विचारों में से एक के रूप में चुना गया था। वर्ष 2010 में, शोभना ने भारतीयों को शिक्षित करने और जागरूकता पैदा करने के लिए 'बिलियन हार्ड्स बीटिंग फाउंडेशन की स्थापना की।





Aruna Raje Patil

The first trained Woman Technician in the film industry

Aruna Raje is a critically acclaimed writer, editor, director and producer. Graduating from the Film and Television Institute of India with a gold medal, she was the first trained woman technician to come into the film industry in 1969. A strong voice for women, she has been passionate about empowering women and has made many women-centric documentaries and features.

अरुणा राजे पाटिल

फिल्म उद्योग में प्रथम प्रशिक्षित महिला तकनीशियन

अरुणा राजे पाटिल एक लेखक, संपादक, निर्देशक और निर्माता हैं। आप भारतीय फिल्म संस्थान से स्वर्ण पदक के साथ स्नातक की परीक्षा उत्तीर्ण करके, वर्ष 1969 में फिल्म उद्योग में आने वाली पहली प्रशिक्षित महिला तकनीशियन थीं। आप महिलाओं के लिए एक मजबूत आवाज बनकर सदैव उनके सशक्तीकरण के प्रति उत्साही रही हैं और आपने कई महिला केंद्रित वृत्तचित्र और नाट्यरूपक बनाए हैं।

एक शिक्षाविद के रूप में, आपने पाठ्यक्रम तैयार किए और फिल्म निर्माण करना सिखाया। आपने राष्ट्रीय फिल्म पुरस्कारों सहित कई निर्णायक मंडल पर काम किया है तथा आपने स्वयं पांच राष्ट्रीय पुरस्कार जीते हैं। आपने एक जीवन कोच के रूप में 10,000 से अधिक लोगों के लिए परिवर्तनकारी कार्यक्रमों का नेतृत्व किया है और हाल ही में आपने अपनी आत्मकथा "फ्रीडम मेरी कहानी" जारी की है।



Dr. Indira Hinduja

First Indian Gynaecologist to deliver India's First test tube baby

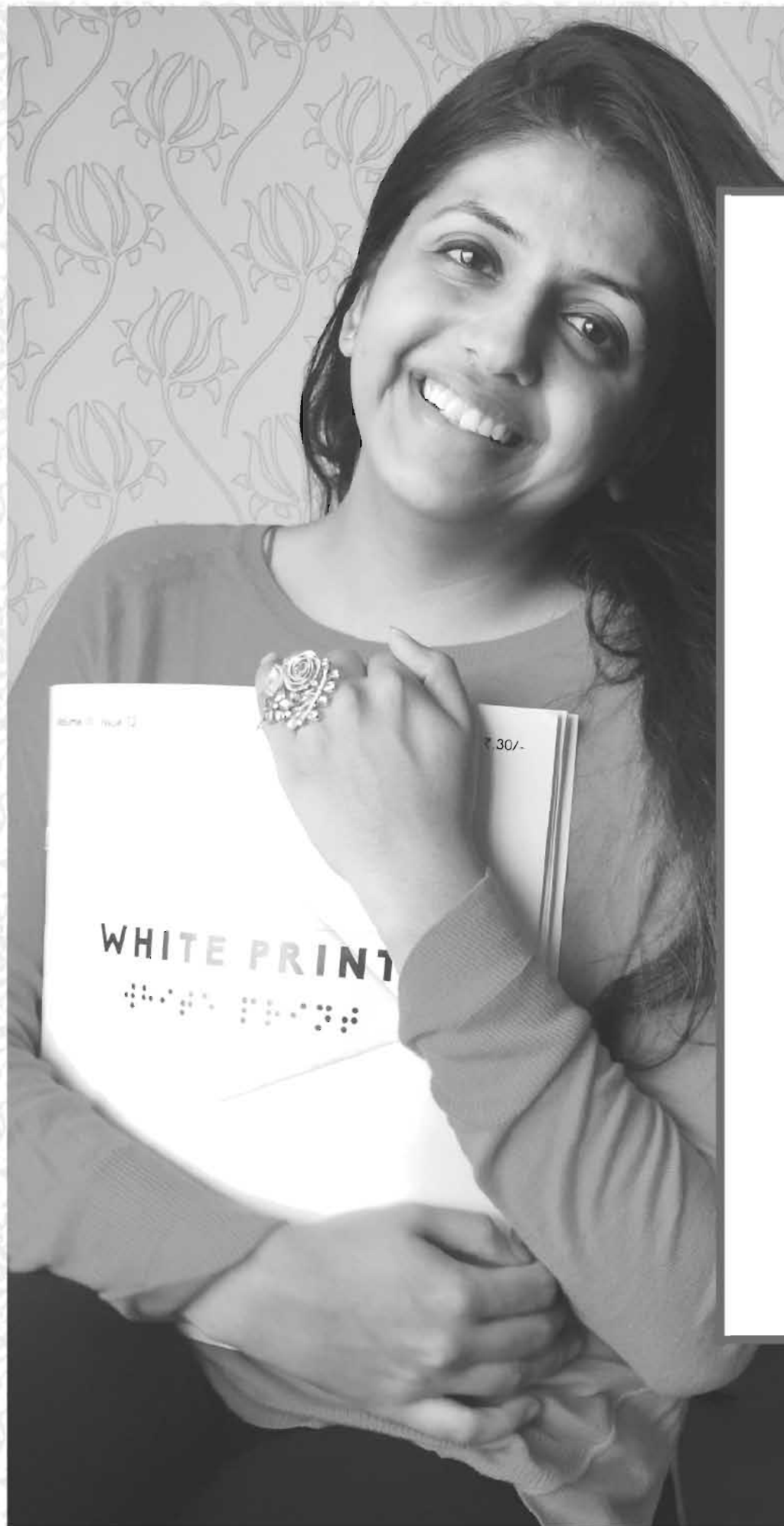
Dr. Indira Hinduja is a renowned consultant, gynaecologist and infertility specialist, founder of IVF Centre earlier at INKUS (1989) and presently at P.D. Hinduja National Hospital and Medical Research Centre (2011). She was conferred with the prestigious Padma Shri (2011) by the Government of India and the Dhanvantri Award (2000) by the Governor of Maharashtra for the pioneering work in the field of infertility and assisted reproduction which led the birth of the first scientifically documented test tube baby in India.

डा. इन्दिरा हिन्दुजा

भारत की पहली टैस्ट ट्यूब बेबी डिलीवर करने वाली प्रथम भारतीय स्त्री रोग विशेषज्ञ

पद्मश्री डा. इन्दिरा हिन्दुजा एक विख्यात परामर्शदात्री, स्त्री रोग विशेषज्ञ हैं। आप आईवीएफ केन्द्र, पहले आईएनकेयूएस व वर्तमान में पी.डी. हिन्दुजा राष्ट्रीय अस्पताल एवं चिकित्सा अनुसंधान केन्द्र (2011) की संस्थापक हैं। बांझपन के क्षेत्र में अग्रणी काम करने तथा प्रजनन में सहायता की, जिसके फलस्वरूप भारत में 6 अगस्त, 1986 को वैज्ञानिक रूप से प्रलेखित प्रथम टैस्ट ट्यूब बेबी का जन्म हुआ, इसके लिए आपको भारत सरकार द्वारा प्रतिष्ठित “पद्म श्री” (2011) तथा महाराष्ट्र के राज्यपाल द्वारा ‘धनवंतरी अवॉर्ड’ (2000) से सम्मानित किया गया है। आपने इनविट्रो निषेचन (आईवीएफ बेबी), गैमेट इंद्रा-फैलोपीयन ट्रांसफर तकनीक (गिट) और डिम्बाणु जन-कोशिका दान के विकास के लिए स्वदेशी तकनीकों का बीड़ा उठाया जिसके परिणामस्वरूप क्रमशः वर्ष 1988 और 1991 में बच्चों का जन्म हुआ।





Upasna Makati

Creator of India's first English lifestyle magazine in Braille

Upasana Makati is the Founder & Publisher of White Print - India's first English lifestyle magazine in Braille for the visually impaired. After realizing the absolute absence of reading literature for the visually impaired in India, she started White Print in 2013. This monthly magazine reaches schools, colleges, old age homes, hospitals, libraries in the remotest corners of the country. Upasana made it to the Forbes India 30 list in 2016, Smart CEO, Limca Books of Records, Top 50 start ups in India and received the L'Oreal Femina Woman's Award for Science and Innovation.

उपासना मकाती

ब्रेल लिपि में प्रथम इंग्लिश लाइफस्टाइल मैगजीन प्रकाशित करने वाली लड़की

उपासना मकाती नेत्रहीनों के लिए ब्रेल लिपि में भारत की पहली अंग्रेजी जीवन शैली पत्रिका व्हाइट प्रिंट की संस्थापक और प्रकाशक हैं। भारत में दृष्टिहीन लोगों के लिए पढ़ने हेतु साहित्य न होने को महसूस करते हुए आपने वर्ष 2013 में व्हाइट प्रिंट पत्रिका शुरू की। यह मासिक पत्रिका देश के दूरस्थ स्थानों में स्थित स्कूलों, कॉलेजों, वृद्धाश्रम, अस्पतालों, पुस्तकालयों तक पहुंचती है। व्हाइट प्रिंट ने 'बी के लिए ब्रेल' - एक छोटी सी संगीतमय फिल्मी वार्ता तैयार करके और ब्रेल को मुख्य धारा में वापिस लाने के लिए ब्रेल साक्षरता को बढ़ावा देने हेतु एक अभियान भी शुरू किया। मिशन को आगे बढ़ाने के लिए, श्वेत प्रिंट ने टेक्टाबेट - बच्चों के लिए प्रभावी ढंग से सीखने हेतु हिंदी और अंग्रेजी में ब्रेल टेक्टाइल वर्णमाला की पुस्तकें शुरू की। उपासना ने वर्ष 2016 में फोर्ब्स इंडिया 30 की सूची में जगह बनाई। लिम्का बुक ऑफ रिकॉर्ड्स, शीर्ष 50 स्टार्ट अप्स में स्थान हासिल करके विज्ञान और नवोन्मेष के लिए लोरियल फेमिना महिला पुरस्कार प्राप्त किया।



Nivedita Joshi

First yoga book in Braille

Nivedita Joshi is a multi-dimensional person with significant accomplishment in the field of Yoga. Stricken by slipped disc, cervical spondylosis and an early-stage scoliosis, she was virtually bedridden and immovable for eight long years. Initiation to Iyengar Yoga therapy led to relief and ultimate cure. Fired by her conviction to share this therapeutic yoga with the world, she set up the Iyengar Yoga Centre in Delhi in 2007.

Nivedita has to her credit a first of its kind book on Yoga for the visually impaired in Braille. This book was released internationally during the first International Yoga day celebrations at the UNESCO headquarters in Paris, by the Director General of UNESCO. She has been teaching visually impaired students since 2014.

निवेदिता जोशी

ब्रेल लिपि में प्रथम योगा पुस्तक

निवेदिता जोशी योग के क्षेत्र में महत्वपूर्ण उपलब्धि वाली एक बहु-आयामी व्यक्ति है। आप स्लिपड डिस्क, ग्रीवा स्पॉन्डिलॉइसिस और पार्श्वकुब्जता से पीड़ित थी और लगभग आठ साल तक अस्वस्थ रहीं। आयंगर योग चिकित्सा शुरू करने से आपको राहत मिली और अंततः ठीक हो गईं। रोगमुक्त होने पर आपने इस चिकित्सीय योग को दुनिया के साथ साझा करने के लिए सोचा और वर्ष 2007 में दिल्ली में आयंगर योग केंद्र की स्थापना की।

निवेदिता ने नेत्रहीन लोगों के लिए ब्रेल लिपि में योग पर अपनी तरह की पहली पुस्तक का प्रकाशन करके उपलब्धि हासिल की है। यह पुस्तक प्रथम अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस समारोह के दौरान यूनेस्को के महानिदेशक द्वारा पेरिस में स्थित यूनेस्को के मुख्यालय से अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर जारी की गई। आप वर्ष 2014 से दृष्टिहीन छात्रों को पढ़ा रही हैं।





Padma Sachdev

First modern woman poet of Dogri language

Padma Sachdev belongs to a family of Sanskrit scholars of Jammu. She began her literary career almost at the age of 16 and her first poem *Raje Diyan Mandiyan* established her as one of the leading poets of Dogri.

When she received the Sahitya Academy award in 1971, she was the youngest recipient of that honor.

पद्मा सचदेव

डोगरी भाषा की प्रथम आधुनिक महिला कवि

पद्मा सचदेव जम्मू के संस्कृत विद्वानों के परिवार से हैं। आपने लगभग 16 वर्ष की उम्र में ही अपने साहित्यिक कैरियर की शुरुआत की और आपकी पहली कविता राजे दीयां मंडियां ने आपको डोगरी भाषा के प्रमुख कवियों में से एक के रूप में स्थापित किया।

आपको जब वर्ष 1971 में साहित्य अकादमी पुरस्कार मिला, तो आप शायद उस सम्मान को प्राप्त करने वाली सबसे कम उम्र की महिला थी। आपको पद्मश्री और सरस्वती सम्मान सहित भारत के लगभग सभी राज्यों (लगभग 20) से सम्मान और पुरस्कार प्राप्त हुए। आपने डोगरी भाषा में करीब एक दर्जन किताबें लिखीं और हिंदी में भी बड़ी संख्या में पुस्तकें लिखीं। आपके कार्यों का कई भारतीय भाषाओं में अनुवाद भी हुआ है।



Kalamandalam Hemalatha

Sets Guinness World Record for Longest Dance

Hemalatha broke the Guinness World Record of continuous Mohiniyattom performance of 108 hours by crossing 123.15 hours. She has performed at the international level as well, bringing laurels to the Kalamandalam and recognition to the art forms: Bharatanatyam, Kuchipudi and Mohiniyattom. She danced her way to accolades for 30 long years.

कलामंडलम हेमलथा

सर्वाधिक समय तक डांस करने पर गिनीज विश्व रिकार्ड बनाने वाली प्रथम भारतीय महिला

हेमलता ने 123.15 घंटे का लैंडमार्क पार करके 108 घंटों का निरंतर मोहिनीयट्टम प्रदर्शन का विश्व रिकॉर्ड तोड़ा है। आपने कलामंडलम की ख्याति अर्जित करने और केरल-भरतनाट्यम, कुचीपुड़ी और मोहिनीयट्टम की देवता कलाओं की मान्यता के लिए भारत में और बाहर कई जगहों पर नृत्य किया। आपने केरल संगीत नाटक अकादमी की ओर से श्रीशूर में आयोजित अखिल भारतीय शास्त्रीय नृत्य प्रतियोगिता में मध्य क्षेत्र का प्रतिनिधित्व किया और इम्फाल में दक्षिण क्षेत्र का प्रतिनिधित्व किया। आपको शास्त्रीय और लोक नृत्यों के क्षेत्र में 30 साल का नृत्य अनुभव प्राप्त है।

आप एशियाई विश्व रिकॉर्ड धारक 2010 (मोहिनीयट्टम) 123.15 घंटे, गिनीज वर्ल्ड रिकार्ड धारक 2010 (मोहिनीयट्टम) 123.15 घंटे, लिम्का वर्ल्ड रिकॉर्ड धारक 2010 (मोहिनीयट्टम) 123.15 घंटे आदि से सम्मानित हैं।





Dr. Varsha Agrawal

First Indian Lady of international recognition for her performance on Santoor

Dr. Varsha is one and only female artiste from India who has received international recognition for brilliant performance on Santoor. She hails from Jhalawar. She is a disciple of Pt. Lalit Mahant and Pt. Bhajan Sopori. Dr. Agrawal has performed her creations on AIR and Doordarshan. She is an empanelled artiste of ICCR and Ministry of Culture.

डा. वर्षा अग्रवाल

भारत की अकेली महिला कलाकार जिसने संतूर पर शानदार प्रदर्शन के लिए अन्तर्राष्ट्रीय ख्याति प्राप्त की है

डा. वर्षा अग्रवाल भारत की अकेली ऐसी महिला कलाकार हैं जिन्होंने संतूर पर शानदार प्रदर्शन के लिए अन्तर्राष्ट्रीय ख्याति प्राप्त की है।

आप झालावाड़ से हैं। आपने भारत और विदेश जैसे अमरीका, ब्रिटेन, संयुक्त अरब अमीरात, फिलिस्तीन, मॉरीशस, अम्मान, जॉर्डन, ओमान, दक्षिण अफ्रीका और कई अन्य देशों में संतूर प्रदर्शन किया है। आप पंडित ललित महंत और पंडित भजन सोपोरी की शिष्या हैं। डॉ. अग्रवाल आकाशवाणी और दूरदर्शन पर भी प्रदर्शन देती हैं। आप आईसीसीआर और संस्कृति मंत्रालय के एक प्रतिष्ठित कलाकार हैं। आप संगीत में पीएच.डी हैं और पीएच.डी गाइड भी हैं। डा. अग्रवाल राजकीय पी.जी. कॉलेज, उज्जैन में संगीत की सहयोगी प्रोफेसर भी हैं।



K.S. Chitra

First Female singer to be honoured by House of Commons, British Parliament, United Kingdom

K.S. Chitra, made her debut in 1984 as a playback singer. She sung more than 18,000 film songs in various Indian languages to date. She has achieved six National Film awards so far, highest ever in history and about 35 awards instituted by various state governments. She has been awarded the Padma Shri in 2005. She is first Indian singer who was felicitated by House of Commons, British Parliament, U.K.

के.एस.चित्रा

हाउस ऑफ कॉमन्स, ब्रिटिश पार्लियामेंट, यूनाइटेड किंगडम द्वारा सम्मानित की जाने वाली प्रथम महिला गायक

के.एस. चित्रा ने वर्ष 1984 में एक पार्श्व गायिका के रूप में अपनी शुरुआत की। आपने आज तक विभिन्न भारतीय भाषाओं में लगभग 18000 फिल्मी गाने गाए हैं। आपने अभी तक छह राष्ट्रीय फिल्म पुरस्कार और विभिन्न राज्य सरकारों द्वारा स्थापित लगभग 35 पुरस्कार हासिल किए हैं। आपको वर्ष 2005 में पद्मश्री से सम्मानित किया गया। आपने भारत और विदेशों में विभिन्न संस्थानों द्वारा स्थापित 10 फिल्मफेयर पुरस्कार और कई अन्य पुरस्कार जीते हैं।





Kajal Singh

India's first female graffiti artist

It was a modest beginning in 2011 when she joined a graffiti event at the German Embassy in New Delhi. Soon Kajal was commissioned to present the young India at Germany's National Day celebration in Mumbai and also designed the German Consulate in Kolkata.

She was invited to the Trinity College (USA), to the Creative World Fair (Germany), to Street Art Festivals (Russia, China) and she received scholarship from Army. Her mentor Zebster inspired her and she wants to invest her profits into creative-education-programmes for poor and youth in India.

काजल सिंह

भारत की प्रथम महिला भित्ति चित्र (ग्राफिटी) कलाकार

युवा काजल ने जब भित्तिचित्र कला से शुरुआत की, तो आपने कभी यह सोचा भी नहीं था कि इस संस्कृति से आपको एक दिन दुनिया भर में यात्रा करने का अवसर मिल जाएगा। वर्ष 2011 में, आप नई दिल्ली में जर्मन दूतावास में एक भित्तिचित्र कार्यक्रम में शामिल हुई थीं। जल्द ही, काजल को मुंबई में आयोजित होने वाले जर्मनी के राष्ट्रीय दिवस समारोह में युवा भारत को पेश करने का अवसर मिल गया। आपने कोलकाता में जर्मन वाणिज्य दूतावास को भी डिजाइन किया है।

काजल को ट्रिनिटी कॉलेज (यूएसए), रचनात्मक विश्व मेला (जर्मनी), स्ट्रीट आर्ट फेस्टिवल (रूस, चीन) के लिए आमंत्रित किया गया। आपको आर्मी वाइज्वेल फेयर एसोसिएशन की ओर से छात्रवृत्ति मिली। काजल को अंतर्राष्ट्रीय मीडिया जैसे ऐले-मैगजीन, रूसी टीवी और कई वृत्तचित्रों द्वारा विशेष स्थान दिया गया। आप बर्लिन में जर्मन सीखने के लिए गईं। आपके परामर्शदाता जेबस्टर ने आपको वर्ष 2018 में चीन में अपना ब्रांड शुरू करने की पेशकश की है। आप भारत में गरीब और प्रतिभाशाली युवाओं के लिए रचनात्मक शिक्षा कार्यक्रमों में अपने मुनाफे का निवेश करना चाहती हैं।





Tara Anand

First young artist reviving India's forgotten female warriors using 'digital art'

Tara Anand is an illustrator from Mumbai whose work is deeply influenced by literature, activism and history. Her series 'I Am No Man', on forgotten Indian warrior queens was featured by publications like The Huffington Post, DNA, Deccan Chronicle and BBC London Asia Network.

तारा आनंद

डिजिटल कला का उपयोग करते हुए भारत की भूली गई महिला योद्धाओं को पुनर्जीवित करने वाली पहली भारतीय कलाकार

तारा आनंद मुंबई की एक चित्रकार हैं जिनका कार्य साहित्य और इतिहास से प्रभावित है। इनकी भूली हुई भारतीय योद्धा रानियों पर 'आई एम नो मैन' सीरिज दि हफिंगटन पोस्ट, डीएनए, डेक्कन क्रोनिकल और बीबीसी लंदन एशिया नेटवर्क द्वारा चित्रित किया गया है। इनकी कलाकृतियों की फेमिनिस्ट कॉफ्रेस मुम्बई (2016) और आर्टशी ग्रुप शो मुम्बई (2017) में प्रदर्शनी की गई। इन्हें 'इलस्ट्रेटड विमेन इन हिस्ट्री' जैसी अनेक अंतराष्ट्रीय स्वतंत्र प्रकाशनों में भी प्रकाशित किया है और आप वर्तमान स्कूल ऑफ विजुअल आर्ट्स, न्यू यॉर्क में चित्रकारी पर बीएफए कर रही हैं।





Dr. Asha Pande

First Indian woman to be the member of Legion of Honour

Professor Asha Pande completed her Ph.D. in French Literature from Jawaharlal Nehru University, New Delhi. She was bestowed the highest civilian award of France, LEGION D'HONNEUR by French President Nicolas Sarkozy for exemplary achievements in the promotion of French language and culture. She is the first woman to be elected as the President of the Indian Society of Theatre Research.

डॉ. आशा पांडे

लीजन ऑफ हॉनर का सदस्य बनने वाली पहली भारतीय महिला

प्रोफेसर आशा पांडे ने जवाहरलाल नेहरू विश्वविद्यालय से फ्रेंच साहित्य में स्नातकोत्तर तथा पीएचडी की पढ़ाई पूरी की। इन्हें फ्रांस के राष्ट्रपति निकोलस सारकोजी ने फ्रेंच भाषा तथा संस्कृति के प्रचार प्रसार में अनुकरणीय उपलब्धियों के लिए फ्रांस के सर्वोच्च नागरिक पुरस्कार लीजन डीहोनर से सम्मानित किया गया। इसके अतिरिक्त आपको शास्त्री इंडो कैनेडियन अकादमी फेलोशिप, कैरोलिना फाउंडेशन विजिटिंग प्रोफेसर टू स्पेन, सिल्वर जुबली मेडल तथा भारतीय शिक्षक संघ द्वारा फ्रेंच के लिए प्रशस्ति पत्र तथा अन्य अनेकों अन्य जैसी कई अन्य अंतरराष्ट्रीय/राष्ट्रीय पुरस्कार से पुरस्कृत किया गया। आप वर्ष 2004 में इंटरनेशनल फेडरेशन ऑफ थियेटर रिसर्च (आईएफटीआर), एक यूनेस्को संगठन के कार्यकारी समिति में चुने जाने वाली प्रथम भारतीय महिला हैं तथा भारतीय थियेटर अनुसंधान सोसायटी के अध्यक्ष के रूप में चुनी जानी वाली प्रथम महिला हैं।



Rajani Pandit

First woman detective of India

Rajani Pandit is regarded as the first woman private investigator in India. She has been the subject of a documentary, written two books, received numerous awards, and is considered one of the most famous detectives in India. She has solved 75000 cases till date. She has received 57 awards. Based on her experiences, she has written two books: 'Faces Behind Faces' and 'Mayajal'. She is a recipient of the Hirkani award from Doordarshan that honors women achievers.

रजनी पंडित

भारत की पहली महिला जासूस

रजनी पंडित एक भारतीय प्राइवेट जासूस हैं जो कि भारत की पहली प्राइवेट महिला जासूस मानी जाती हैं। इन पर एक डॉक्यूमेंट्री बनी है, इन्होंने दो पुस्तकें लिखी हैं, कई पुरस्कार जीते हैं तथा इन्हें भारत की सर्वाधिक प्रख्यात जासूस माना जाता है। इनके मुताबिक इन्होंने अपना पहला केस कॉलेज में हल किया था, तब जिस परिवार की बच्ची के लिए इन्होंने जासूसी की थी उसी ने इन्हें प्रेरित किया कि ये जासूसी को अपना व्यवसाय बनाएं। 1991 में इन्होंने अपनी एजेंसी रजनी पंडित डिटेक्टिव सर्विस खोली जो रजनी इन्वेस्टीगेशन ब्यूरो नाम से विख्यात हुई। अभी तक इन्होंने लगभग 75000 मामलों को हल किया है, 57 पुरस्कार जीते हैं, अपने जासूसी के अनुभवों पर इन्होंने दो किताबें— फेसेज बिहाइंड फेसेज और मायाजाल भी लिखी हैं। इनकी पहली पुस्तक को दो पुरस्कार मिले हैं: जबकि दूसरी किताब को छः पुरस्कार मिले हैं। अपनी किताबों के सम्मान के अलावा इन्होंने महिला हस्तियों को दिया जाने वाला सम्मान हिरकानी पुरस्कार भी प्राप्त किया है। इन पर दिनकर राव द्वारा दि लेडी जेम्स बॉन्ड नाम से डॉक्यूमेंट्री फिल्म भी बनाई जा रही है।





Kavita Devi

First Indian Woman to sign with WWE

Kavita Devi is an accomplished power-lifter who won gold at the 2016 South Asian Games, representing India. She also has the distinction of being the first Indian woman to compete in a WWE ring during her participation in Mae Young Classic.

कविता देवी

डब्ल्यू डब्ल्यू ई में हस्ताक्षर करने वाली पहली भारतीय महिला

कविता देवी एक जानी मानी पावर लिफ्टर हैं जिन्होंने 2016 दक्षिण एशियाई खेलों में भारत का प्रतिनिधित्व किया था। इनकी एक विशिष्टता यह भी रही कि ये पहली भारतीय महिला हैं जिन्होंने माय यंग क्लासिक प्रतियोगिता में सहभागिता के दौरान डब्ल्यू डब्ल्यू ई रिंग हासिल की है।



Fouzia Dastango

India's First Woman Dastangoi Artiste

Fouzia is an artist of the 16th century oral storytelling art, Dastangoi, and has dedicated herself to learning and practicing this art form. She focuses her efforts to touch upon and bring out women-centric issues in her performances and has over 100 shows all over India and UAE to her credit. Her repertoire includes performances in renowned literature festivals in Jaipur, Lucknow, Kumaon cities and festivals such as Jashn-e-Rekhta, Bookaru, Sanatkada, among others.

फौजिया दास्तानगो

भारत की पहली महिला दास्तानगोई कलाकार

फौजिया 16वीं सदी की मौखिक कथावाचन कला दास्तानगोई की विख्यात फनकार हैं और उन्होंने कला की इस विधा को सीखने और इसकी साधना में अपना पूरा जीवन लगा दिया है। अपने दास्तानगोई प्रदर्शनों में इन्होंने महिला आधारित मुद्दों को उठाया है तथा भारत और युनाइटेड अरब अमीरात में 100 से अधिक प्रस्तुतियां की हैं। इनकी प्रस्तुतियों में जयपुर, लखनऊ, कुमाऊं नगरों के विख्यात साहित्य समारोह और जश्ने-रेख्ता, बोकारो, सनतकदा आदि आयोजन प्रमुख हैं। इनकी हालिया पेशकश संगीतकार ए.आर.रहमान के साथ आयोजित एक सूफी कॉन्सर्ट में की गई शिरकत थी जो काफी सराही गई थी।





Basanti Bisht

The first and only woman who sings the ancient form of Jagar

Basanti Bisht is the first and only woman lead Jagar singer of India. She is an 'A' Grade folk artist of Aakashwani, a member of Program Advisory Committee and an empaneled artist with I.C.C.R. She assimilated and rejuvenated more than 500 extinct and unwritten and oral-traditions of folk-songs & culture.

बसन्ती बिष्ट

प्राचीन जागर गाने वाली देश की पहली महिला जागर गायिका

बसन्ती बिष्ट उत्तराखण्ड (भारत) की पहली एवं एकमात्र महिला मुख्य जागर गायिका है। आपने प्रायः एवं अलिखित 500 से अधिक विभिन्न प्रकार के लोक गीतों पर मौलिक कार्य कर इन विधाओं को पुर्नजीवित किया। आप चमोली गढ़वाल के क्षेत्र देवाल की पांचवी कक्षा तक इतनी शिक्षा प्राप्त करने वाली पहली बालिका थीं। 13 वर्ष की आयु में आपने 'ग्राम-लक्ष्मी' तथा वर्ष 1996 में प्रथम महिला ग्राम-प्रधान के रूप में दबे-पिछड़े, महिला एवं बाल विकास, वन-पंचायत के लिए कार्य किया। वे खेतीबाड़ी और पशुपालन से जुड़ी हुई हैं। इन्होंने उत्तराखण्ड आन्दोलन में भी भाग लिया है।



Dr. Sneh Bhargava

India's first female director of AIIMS

Dr. Sneh completed her Graduation from Lady Harding Medical College, New Delhi and a Post Graduate from Royal College of Radiologist, London. She was a Professor in AIIMS for 30 years.

She is the first lady Director of AIIMS. Formerly, she was Chairman of Ethics Committee, Medical Council of India and Chairman of Medical Education Committee of the National Knowledge Commission set up by the Prime Minister. She was awarded Padma Shri by the Hon'ble President of India.

डा. स्नेह भार्गव

एम्स में भारत की पहली महिला निदेशक

डा. स्नेह ने ग्रेजुएशन लेडी हार्डिंग मेडिकल कॉलेज, नई दिल्ली से की। इसके बाद इन्होंने रॉयल कॉलेज ऑफ रेडियोलॉजिस्ट, लंदन से पोस्ट ग्रेजुएट किया। ये अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान में 30 वर्षों तक प्राध्यापक रही हैं। ये एम्स की पहली महिला निदेशक रही हैं।

इससे पहले ये एशियन कमेटी, भारतीय चिकित्सा परिषद की अध्यक्ष, प्रधानमंत्री द्वारा स्थापित राष्ट्रीय ज्ञान आयोग की चिकित्सा शिक्षा समिति की अध्यक्ष भी रही हैं। भारत के राष्ट्रपति द्वारा इन्हें पद्मश्री सम्मान प्रदान किया गया है। वर्तमान में ये सीताराम भारतीय विज्ञान और अनुसंधान में चिकित्सा निदेशक पद पर आसीन हैं तथा इमैजिंग, धर्मशिला नारायण सुपर स्पेशियलिटी अस्पताल में विभागाध्यक्ष पद पर आसीन हैं।





Swati Piramal

The first woman President of India's Apex Chamber of Commerce, ASSOCHAM

Dr. Swati Piramal has her background in medicine, public health and business. She has changed the trajectory of healthcare, education, and public policy in India. She is one of India's leading scientists and industrialists and is involved in public health and innovation. She is the Director of Piramal Enterprises, a leading Indian multinational company in Healthcare, Financial Services and Information Management. As the first woman President of India's apex Chamber of Commerce in 90 years, she helped influence important public policies and governance. She has served as an adviser to the Indian Prime Minister in Science, Technology and Economic Policy.

स्वाति पीरामल

भारत के शीर्षस्थ वाणिज्य संघ-एसोचेम की पहली महिला अध्यक्षा

डा. स्वाति पीरामल मेडिसिन, सार्वजनिक स्वास्थ्य शिक्षा और सार्वजनिक नीतियों में बदलाव लाने वाले कारोबार से जुड़ी रही हैं। वह देश के उन अग्रणी वैज्ञानिकों और उद्योगपतियों में से एक हैं जिनका सार्वजनिक स्वास्थ्य और इनोवेशन में अहम योगदान रहा है। 1956 में जन्मी डा. पीरामल ने मुम्बई विश्वविद्यालय से मेडिकल डिग्री हासिल की। डा. पीरामल हार्वर्ड स्कूल ऑफ पब्लिक हेल्थ से जुड़ी रही हैं, वे हार्वर्ड ओवरसीज बोर्ड की सदस्या रही हैं तथा हार्वर्ड बिजनेस स्कूल तथा पब्लिक हेल्थ में डीन की परामर्शदाता भी हैं। वे पीरामल एन्टरप्राइजेज, जोकि हेल्थकेयर, वित्तीय सेवाओं और सूचना प्रावधान के क्षेत्र में देश का अग्रणी संस्थान है, में निदेशक के पद पर आसीन हैं। 90 वर्ष में भारत के शीर्षस्थ वाणिज्य संघ-एसोचौम की पहली महिला अध्यक्षा के रूप में आपने देश में महत्वपूर्ण सार्वजनिक नीतियों और प्रशासन को प्रभावित किया है। विज्ञान-प्रौद्योगिकी तथा आर्थिक नीतियों पर आपने भारत के प्रधानमंत्री के सलाहकार का दायित्व भी निभाया है।



Lt Col (Retd.) Josycila Farida Rehana

First woman paratrooper of the Indian Army (AMC)

Lt Col Rehana graduated in MBBS from Mysore Medical College with honours and a gold medal in Surgery. She joined the Indian Army in 1964 and joined the elite 60 Parachute Medical Company; the only medical unit to participate in Korean War as peace keepers and qualified as a parachutist in Sep, 1966. She participated in the 1971 War in the eastern and western fronts and conducted surgical operations in the frontline with 60 Para. She was awarded the Poorvi and Paschimi Star. The first lady to be awarded the 'Gen Choudhary's Trophy' in 34 MOSC.

लेफ्टीनेंट कर्नल (सेवानिवृत्त) जोसिसिला फरीदा रेहाना

भारतीय सेना (ए एम सी) की पहली महिला पैराट्रूपर

लेफ्टीनेंट रेहाना का जन्म 1940 में मैसूर में हुआ था। सर्जरी में स्वर्ण पदक के सम्मान के साथ उन्होंने मैसूर मेडिकल कॉलेज से एमबीबीएस किया। 1962 की लड़ाई में शोचनीय प्रदर्शन के लिए किए गए आह्वान के फलस्वरूप उन्होंने 1964 में भारतीय सेना ज्वाइन की। इसके बाद उन्होंने एलीट 60 पैराशूटर्स मेडिकल कम्पनी; जोकि कोरियाई युद्ध में शांति-स्थापक सेना के रूप में देश की पहली और अकेली मेडिकल यूनिट थी, में शामिल हुई। उन्होंने अपनी पोस्ट ग्रेजुएट एएफएमसी कॉलेज से सर्जन के रूप में पूरी की और पूना विश्वविद्यालय में अव्वल स्थान प्राप्त किया। आपने 48 एसएमओ पाठ्यक्रम में स्वर्णपदक भी प्राप्त किया। 1971 की लड़ाई में इन्होंने पूर्व और पश्चिमी मोर्चे पर भी सक्रिय भागीदारी निभाई और 60 पैरा के साथ सर्जिकल ऑपरेशनों का संचालन किया। इन्हें पूर्वी और पश्चिमी स्टार से सम्मानित किया जा चुका है। 34 एमओएससी में इस प्रथम महिला को 'जनरल चौधरी ट्रॉफी' भी प्रदान की जा चुकी है।





Debjani Ghosh

First woman to be appointed as NASSCOM President

Debjani Ghosh, President Designate of NASSCOM, is a strong advocate of Digital India and she dreams of India emerging as the most innovative country in the world, and also a country where women achieve full representation. She will be the first woman President of NASSCOM. Her 21 year long career is a testimony of her powers.

देवजानी घोष

नैसकॉम अध्यक्ष के रूप में नियुक्त देश की पहली महिला

देवजानी घोष नैसकॉम की नामित अध्यक्ष नियुक्त की गई हैं और मार्च 2018 को वर्तमान अध्यक्ष श्री चंद्रशेखर का कार्यकाल पूरा होने पर आप नैसकॉम की अध्यक्ष होंगी। इससे पहले मार्च 2017 तक वे इन्टेल कॉरपोरेशन में दक्षिण एशिया की सेल्स और मार्केटिंग और मैनेजिंग डायरेक्टर और वाइस प्रेसीडेंट रही हैं। इन्टेल के साथ इन्होंने 1996 में शुरुआत की और इस कंपनी में बिताए अपने 21 वर्षों में इन्होंने कई अग्रणी और महत्वपूर्ण जिम्मेदारियां निभाई हैं। घोष डिजिटल इंडिया की प्रबल पक्षधर हैं और उनका विश्व पटल पर भारत को उभारने का सपना है, वे भारत को उस देश के रूप में देखना चाहती हैं जहां महिलाओं को पूरा-पूरा प्रतिनिधित्व और भागीदारी मिले। वे नैसकॉम की पहली महिला अध्यक्ष होंगी।



Anjum Chopra

First woman cricketer from India to be awarded an honorary life membership of the Marylebone Cricket Club-(MCC)

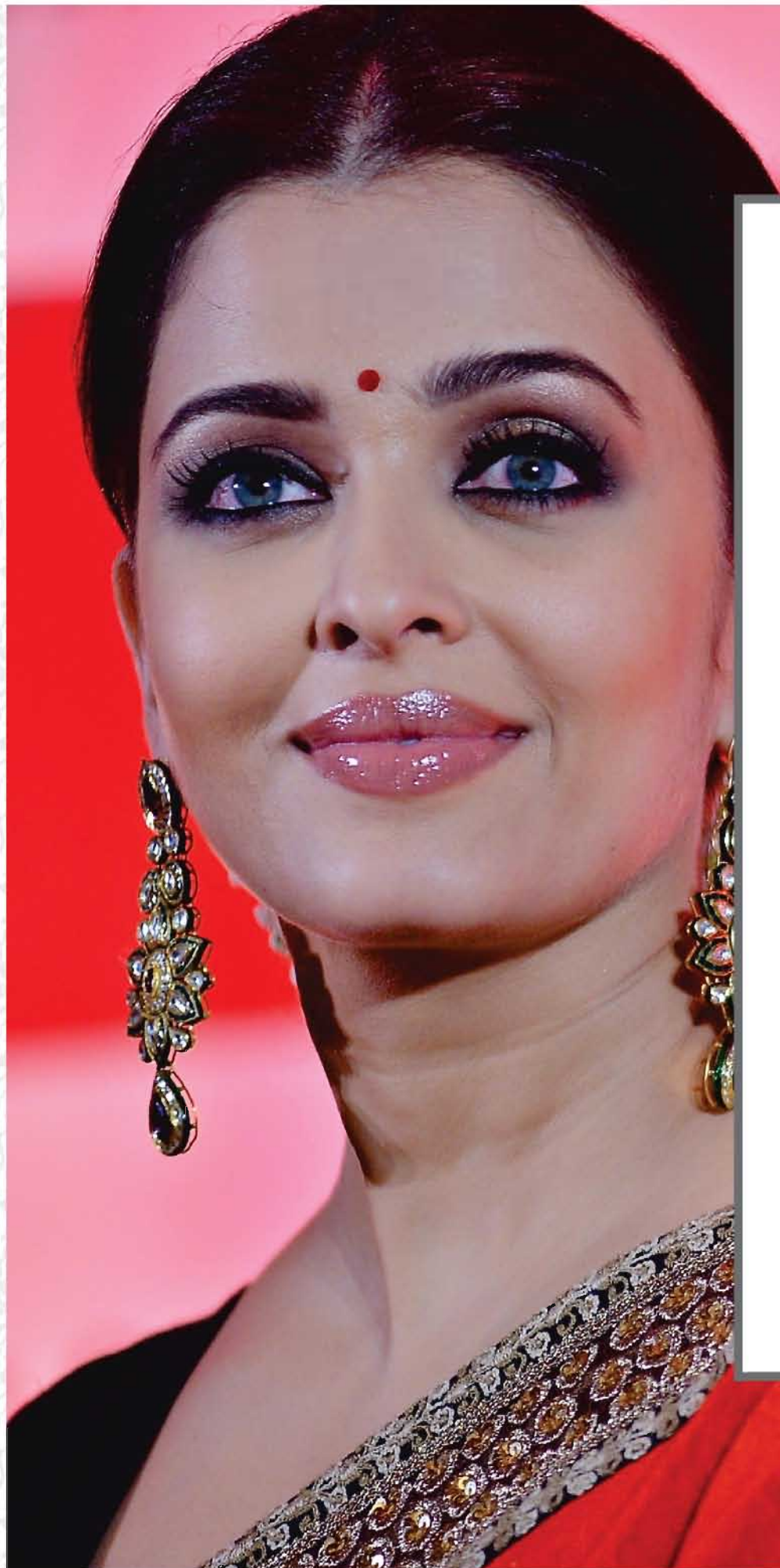
A Padma Shri and Arjuna award recipient, Anjum Chopra led India to its first Test Series win in South Africa, 2002. She is the first Indian player to score a One-day international century and appeared in more than 100 ODI's for India. The first woman player from Asia to receive the honorary life membership from the prestigious Marylebone Cricket Club (MCC), Lords Cricket Ground, London.

अंजुम चोपड़ा

भारत की पहली महिला क्रिकेटर जिन्हें मार्लेबॉन क्रिकेट क्लब (एमसीसी) की मानद आजीवन सदस्यता प्रदान की गई है

पद्मश्री और अर्जुन पदक विजेता अंजुम चोपड़ा ने 2002 में दक्षिण अफ्रीका में अपनी पहली टेस्ट सिरीज में भारत का नेतृत्व किया और जीत भी हासिल की। वे देश की पहली खिलाड़ी हैं जिन्होंने एक दिवसीय इन्टरनेशनल शतक बनाया है और भारत के लिए 100 से ज्यादा एकदिवसीय अन्तर्राष्ट्रीय मैचों में खेली हैं। ये एशिया से पहली महिला खिलाड़ी होंगी जिन्हें प्रतिष्ठित मार्लेबॉन क्रिकेट क्लब (एमसीसी) लॉर्ड्स क्रिकेट ग्राउंड, लंदन द्वारा मानद आजीवन सदस्यता प्रदान की गई है। अंजुम ने दिल्ली पब्लिक स्कूल, आर.के.पुरम, स्टीफन कॉलेज, दिल्ली विश्वविद्यालय तथा फॉर स्कूल ऑफ मैनेजमेंट, दिल्ली से एमबीए किया है। विख्यात खिलाड़ी, सलाहकार, प्रेरणादायक प्रवक्ता, लेखिका और अभिनेत्री रही अंजुम ने अभिव्यक्ति के कई क्षेत्रों में अपनी प्रतिभा का लोहा मनवाया है। उन्हें महिला क्रिकेट के चेहरे के रूप में ज्यादा माना जाता है।





Aishwarya Rai Bachchan

The first Indian actress to be a Jury member at the Cannes Film Festival

Aishwarya Rai Bachchan, an actress, model and the winner of the Miss World 1994 pageant became the first Indian actress to be a jury member at the Cannes Film Festival. Many firsts have been added to her long list of achievements including being the first Indian to appear on international shows like Late Show with David Letterman, Oprah Winfrey Show and Women across the Globe hosted by Tyra Banks. She was also ranked as the most bankable Hollywood Star for India by Forbes 2008.

ऐश्वर्या राय बच्चन

कान्स फिल्म फेस्टिवल में ज्यूरी सदस्य बनने वाली पहली भारतीय महिला

एक अभिनेत्री, मॉडल तथा 1994 में विश्व सुंदरी प्रतियोगिता की विजेता ऐश्वर्या राय बच्चन पहली भारतीय अभिनेत्री हैं जिन्हें कान्स फिल्म समारोह में ज्यूरी सदस्य बनाया गया है। प्रथम महिला के रूप में अनेक अवसर उनकी उपलब्धियों की सूची में जुड़े हुए हैं जिनमें डेविट लेटरमैन के साथ लेट-शो, अपरा विनफ्रे-शो और टॉयरा बैंक द्वारा होस्ट किया गया वूमैन एक्रॉस ग्लॉब शो में भी शामिल हुई हैं। फोर्ब्स 2008 द्वारा उन्हें मोस्ट बैंकेबल हॉलीवुड स्टार के रूप में मान्यता दी गई है और वे सभी भारतीयों में पहली महिला हैं जो इस सूची में शामिल रही हैं। इसके अलावा वे सियाचिन ग्लेशियर पहुंचने वाली पहली महिला हैं। वर्ष 2009 में भारत सरकार द्वारा इन्हें पद्मश्री से सम्मानित किया जा चुका है।



Bharulata Kamble

First woman driver in the world to complete a transcontinental car journey alone, covering 32,000 km spread across 32 countries

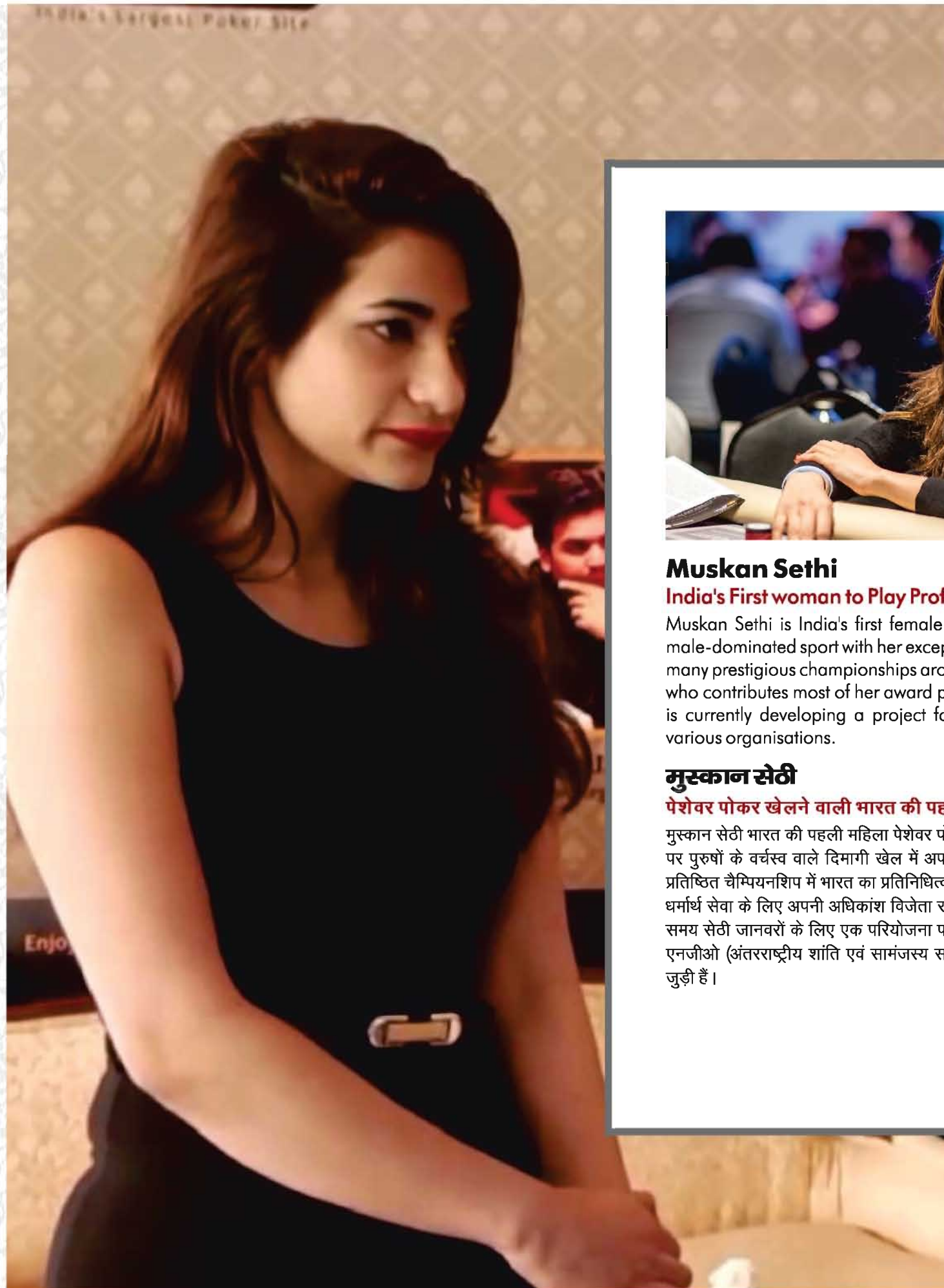
Bharulata Kamble is a real-life story of indomitable courage. She drove solo, without back-up vehicle/crew through the Arctic circle and 32 countries. She drove through 9 mountain ranges, 3 deserts, 9 time zones reaching the altitude of 13,000 feet, covering 35,383 kilometers, spreading the message "Save Girls, Educate Girls". She is the first woman in the world to make such a phenomenal journey and the first Indian to hoist India's flag in the Arctic circle.

भारुलता कांबले

32 देशों से गुजरते हुए 32,000 किलोमीटर की यात्रा के साथ अकेले अन्तर महाद्वीप कार यात्रा करने वाली विश्व की पहली महिला कार चालक

भारुलता कांबले की कहानी भारतीय शौर्य और साहस की सच्ची जीवन गाथा है। उन्होंने बिना किसी बैकअप गाड़ी/दल के आर्टिक सर्किल से लेकर 32 देशों की यात्रा अकेले सम्पन्न की है। अपने इस दुस्साहसिक यात्रा अभियान में इन्होंने 9 पर्वत श्रृंखलाओं, 3 रेगिस्तानों और 9 टाइम जोनों से गुजरते हुए 13000 फीट की ऊँचाइयों पर फतह हासिल करते हुए और कुल 35383 किलोमीटर का रास्ता तय किया है और देश-विदेश में 'बालिकाओं की रक्षा-बालिकाओं को शिक्षा' के संदेश को फैलाया है। यह असाधारण यात्रा पूरी करने वाली वे दुनिया की पहली महिला हैं। इसके साथ ही वे देश की पहली नागरिक हैं जिन्होंने आर्टिक सर्किल पर देश का झण्डा फहराया है। दुर्गम और कठिन पहाड़ों पर 5500 किलोमीटर का रास्ता तय करने के बाद इन्होंने रेगिस्तानों का 2500 किलोमीटर का रास्ता तय किया है। भारुलता देश की वे पहली महिला कार चालक भी हैं जिन्होंने यूके में दो अत्यन्त प्रतिकूल मौसमों में नॉन-स्टॉप गाड़ी चलाने का गौरव हासिल किया है।





Muskan Sethi

India's First woman to Play Professional Poker

Muskan Sethi is India's first female professional poker player, thriving in a male-dominated sport with her exceptional skills. She has represented India at many prestigious championships around the globe. She is also a social worker who contributes most of her award prizes, resources and time to charity. Sethi is currently developing a project for animals and is actively involved with various organisations.

मुस्कान सेठी

पेशेवर पोकर खेलने वाली भारत की पहली महिला

मुस्कान सेठी भारत की पहली महिला पेशेवर पोकर खिलाड़ी हैं जो अपने असाधारण कौशल के बल पर पुरुषों के वर्चस्व वाले दिमागी खेल में अपने हुनर का प्रदर्शन कर रही हैं। आपने पूरे विश्व में प्रतिष्ठित चैम्पियनशिप में भारत का प्रतिनिधित्व किया है। आप एक सामाजिक कार्यकर्ता भी हैं तथा धर्मार्थ सेवा के लिए अपनी अधिकांश विजेता राशि, संसाधनों एवं समय का योगदान करती हैं। इस समय सेठी जानवरों के लिए एक परियोजना पर काम कर रही हैं। अपनी माँ द्वारा स्थापित मुस्कान एनजीओ (अंतरराष्ट्रीय शांति एवं सामंजस्य समाज) सहित विभिन्न संगठनों के साथ सक्रियता से जुड़ी हैं।



Ministry of Women & Child Development
Government of India
www.wcd.nic.in